खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 13 जून, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-162

लंदन जा रहा एयर इंडिया का विमान अहमदाबाद में क्रैश

गिरते ही आग का गोला बन गया विमान

डॉक्टर्स हॉस्टल पर जा गिरा विमान, दो बिल्डिंग आग में नष्ट हुई

झुलसी हुई हालत में सौ से अधिक शव निकाले गए, पहचान बाकी

169 भारतीय, 53 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली, एक कनाडाई यात्री सवार थे

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री एवं कई नेताओं ने जताया शोक

अहमदाबाद, 12 जून (एजेंसियां)। अहमदाबाद से लंदन जा रहा एयर इंडिया का विमान (एआई 171) टेकऑफ के कुछ ही मिनट बाद अहमदाबाद के मेघाणी नगर इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में 12 क्रू मेंबर और 230 यात्रियों सहित कुल 242 लोग सवार थे। इनमें 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली और एक कनाडाई नागरिक शामिल थे। विमान सीधे डॉक्टर्स हॉस्टल पर जा गिरा। हॉस्टल की दो इमारतें आग से ध्वस्त हो गईं। विमान गिरने से डॉक्टर्स हॉस्टल के कितने लोग मारे गए, इसका भी पता किया जा रहा है। हॉस्टल में रहने वाले कई मेडिकल छात्रों के मारे जाने की भी आशंका है। विमान हादसे में कितने लोग मरे और कितने घायल हुए, इसका कोई आधिकारिक ब्यौरा अभी नहीं आया है। इतना जरूर बताया गया कि अभी तक 100 से अधिक शवों को अस्पताल लाया गया है। मरने वालों का आंकड़ा बढ़ सकता है। घायलों को भी नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एयर इंडिया ने जानकारी देने के लिए हॉटलाइन नंबर 1800 5691 444 जारी किया है। समन्वय के लिए नागरिक उड्डयन मंत्रालय में एक परिचालन नियंत्रण कक्ष सक्रिय किया गया है, जिसका नंबर 011-24610843 और 9650391859 है।

अहमदाबाद के एक शीर्ष पुलिस अधिकारी ने बताया कि लंदन जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट (बोइंग बी787 एयरक्राफ्ट वीटी-एएनबी) डॉक्टर्स हॉस्टल पर क्रैश हुई। सूचना मिलने के 2-3 मिनट के भीतर ही पुलिस एवं अन्य एजेंसियां मौके पर पहुंच गईं। करीब 70-80 प्रतिशत इलाका क्लीयर करा लिया गया। सभी एजेंसियां काम में जुटी हैं। डायरेक्टर जनरल सिविल एविएशन (डीजीसीए) ने बताया कि विमान में दो पायलट और केबिन क्रू के 10 सदस्यों समेत 242 यात्री सवार थे। विमान को कैप्टन सुमित सभरवाल और फर्स्ट ऑफिसर क्लाइव कुंदर उड़ा रहे थे। डीजीसीए ने बताया कि विमान ने अहमदाबाद एयरपोर्ट के रनवे 23 से दोपहर 1 बजकर 38 मिनट पर उड़ान भरी। उड़ान भरने के कुछ देर बाद ही पायलट ने एटीसी को मेडे की कॉल की थी, लेकिन जब एटीसी ने एयरक्राफ्ट से संपर्क साधने की कोशिश की तो कोई जवाब नहीं मिला। विमान उड़ान भरते ही एयरपोर्ट परिसर के बाहर गिर गया, जिसके बाद धुएं का बड़ा गुबार दिखाई दिया। विमान हादसे के बाद बचाव और राहत कार्य के लिए एनडीआरएफ की कई टीमें मौके पर भेजी गईं। लंदन जा रहे यात्रियों की सूची में गुजरात के पूर्व सीएम विजय रूपाणी का भी नाम शामिल है। अभी आधिकारिक पुष्टि होनी बाकी है कि वे विमान पर थे या नहीं।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस हादसे पर कहा, अहमदाबाद में हुई त्रासदी ने हमें स्तब्ध और दुखी कर दिया है। यह शब्दों से परे दिल दहला देने वाली घटना है। इस दुखद घड़ी में, मेरी संवेदनाएं इससे प्रभावित सभी लोगों के साथ हैं। मैं मंत्रियों और अधिकारियों के संपर्क में हूं। सभी लोग प्रभावित लोगों की सहायता के लिए काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नागरिक उड्डयन मंत्री से बात की और हादसे के बारे में जानकारी ली। अहमदाबाद पहुंचे केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने कहा, विमान हादसे से हम सभी दुखी और हैरान हैं। ▶10पर

अहमदाबाद विमान हादसे पर दुनियाभर में शोक

पुतिन सहित कई राष्ट्र प्रमुखों ने जताई संवेदना

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)। अहमदाबाद विमान हादसे पर दुनियाभर में शोक व्याप्त है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर समेत कई राष्ट्र प्रमुखों ने अपनी शोक संवेदनाएं भेजी हैं।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुजरात के अहमदाबाद में हुए यात्री विमान हादसे पर भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संवेदना संदेश भेजा है। व्लादिमीर पुतिन ने अपने संदेश में लिखा, आदरणीय राष्ट्रपति महोदया एवं आदरणीय प्रधानमंत्री महोदय, अहमदाबाद में हुए यात्री विमान हादसे की दुखद घटना पर मेरी व्यक्तिगत और पूरे रूस के नागरिकों की तरफ से गहरी संवेदना स्वीकार करें। हम सभी पीड़ितों के परिवारों और उनके करीबी लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना और समर्थन व्यक्त करते हैं, साथ ही इस आपदा में घायल हुए सभी लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं।ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने अहमदाबाद हवाई हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। स्टार्मर ने कहा, कई ब्रिटिश नागरिकों को लेकर लंदन आ रहे विमान के भारतीय शहर अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त होने की जो तस्वीरें सामने आई हैं वो भयानक है। मुझे पल-पल की जानकारी दी जा रही है। इस अत्यंत दुखद समय में मेरी संवेदनाएं यात्रियों और उनके परिवारों के साथ हैं।

ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी ने भी अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा, अहमदाबाद में हुए विनाशकारी हादसे की खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। मेरी संवेदनाएं सभी प्रभावित लोगों के साथ हैं। ब्रिटेन भारत में स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर तथ्यों का पता लगाने और सहायता प्रदान करने के लिए काम कर रहा है। ब्रिटेन के विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय (एफसीडीओ) ने कहा कि वह भारत में स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर तथ्यों का तत्काल पता लगाने और हादसे के शिकार लोगों को ▶10पर

बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर जेट की सुरक्षा पर उठ चुके हैं सवाल

फिर डीजीसीए ने कैसे दे दी उड़ान की इजाजत?

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)। हादसे का शिकार एयर इंडिया का विमान एआई-171 विमान बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान है। यह विमान अहमदाबाद से लंदन के लिए उड़ान भर रहा था, लेकिन टेकऑफ के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान पर 242 लोग सवार थे। बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर जेट पहले भी विवादों में रह चुका है। इसकी उत्पादन प्रक्रिया और गुणवत्ता नियंत्रण पर सवाल उठ चुके हैं। इसके बावजूद डीजीसीए ने इसे उड़ान की इजाजत क्यों दी, यह चिंताजनक और गंभीर सवाल है। इस विमान के उत्पादन प्रक्रिया से जुड़ी समस्याएं भी रही हैं। जिनमें से एक प्रमुख मुद्दा इसकी सप्लाई चेन और उत्पादन प्रक्रिया में देरी थी। बोइंग के इस मॉडल के विमान के पुर्जों में गुणवत्ता नियंत्रण की कमी पाई गई थी, जिससे सुरक्षा संबंधित चिंताएं पैदा हुई थी। सुरक्षा से जुड़े मुद्दों के कारण, बोइंग को नियामक एजेंसियों की जांच का सामना करना पड़ा था। जिन्होंने विमान की सुरक्षा और गुणवत्ता पर सवाल उठाए थे। इन विवादों के कारण बोइंग को वित्तीय नुकसान हुआ था और कंपनी की प्रतिष्ठा भी प्रभावित हुई भी। ▶10पर

हॉस्टल के डाइनिंग एरिया पर गिरा एयर इंडिया का विमान

कई मेडिकल छात्रों के मारे जाने की आशंका

अहमदाबाद, 12 जून (एजेंसियां)। डॉक्टर्स हॉस्टल के डाइनिंग एरिया पर एयर इंडिया का विमान गिरने और उसके आग के गोले में तब्दील होने से कई मेडिकल छात्रों की मौत की खबर है।

स्थानीय लोग मेडिकल छात्रों के मारे जाने के बारे में बता रहे हैं, लेकिन प्रशासन की तरफ से अभी इसकी पुष्टि नहीं की गई है। प्रशासन का कहना है कि जो शव निकाले जा रहे हैं उनकी पहचान जानने के बाद ही यह तय होगा कि इनमें से कौन विमान यात्री थे या मेडिकल छात्र।

स्थानीय लोगों का कहना है कि विमान जब हॉस्टल के डाइनिंग एरिया से टकराया, तब वहां मौजूद कई मेडिकल छात्रों की मौत हो गई। विमान सरकारी बीजे मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल के डाइनिंग एरिया पर गिरा, जिसमें अंदर मौजूद कई मेडिकल छात्रों की जान चली गई। राहत बचाव कर्मियों ने बताया कि वहां से करीब 30 से 35 शव निकाले जा चुके हैं और कई लोग अभी भी मलबे में फंसे हुए हैं।

गुजरात के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अतिरिक्त सचिव धनंजय द्विवेदी ने कहा, अहमदाबाद सिविल अस्पताल का छात्रावास, स्टाफ क्वार्टर और अन्य आवासीय क्षेत्र उस एरिया में स्थित हैं, जहां विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ। उस क्षेत्र के निवासी भी घायल हुए हैं। करीब 50 घायलों को अहमदाबाद के सिविल अस्पताल में लाया गया है। उन्हें उपचार दिया जा रहा है। उनकी हालत गंभीर है, लेकिन स्थिर है।

द्विवेदी ने कहा, बीजे मेडिकल में डीएनए जांच की व्यवस्था की गई है, इसलिए विमान यात्रियों के परिवारों और करीबी लोगों, खासकर उनके माता-पिता और बच्चों से अनुरोध है कि वे अपने सैंपल उस स्थान पर जमा करें। ताकि पीड़ितों की जल्द से जल्द पहचान हो सके। उन्होंने बताया कि सिविल अस्पताल में लाए गए यात्रियों और अन्य घायलों के रिश्तेदारों को अगर कोई पूछताछ करनी है, तो सिविल अस्पताल अहमदाबाद ने दो हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं 6357373831 और 6357373841। आप किसी भी मदद के लिए इन नंबरों पर सम्पर्क कर सकते हैं।

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 31^0
न्यूनतम : 24^0

भारत में विमान हादसों का रहा है लंबा सिलसिला

अहमदाबाद में 37 साल पहले भी क्रैश हुआ था विमान

अहमदाबाद, 12 जून (एजेंसियां)। अहमदाबाद एयरपोर्ट पर वर्ष 1988 में भी ऐसा ही हादसा हुआ था, जिसमें 133 लोगों की जान गई थी। तब इंडियन एयरलाइंस का मुंबई से अहमदाबाद आने वाला विमान एयरपोर्ट के पास क्रैश हो गया था। अहमदाबाद में 37 साल पहले हुए विमान हादसे की तारीख थी 19 अक्टूबर 1988। बोइंग 737-200 विमान ने सुबह 6.05 बजे मुंबई से उड़ान भरी थी। 6.20 बजे पायलट ने अहमदाबाद एयरपोर्ट से कम दृश्यता के चलते मौसम की जानकारी मांगी। हालांकि, अहमदाबाद एयरपोर्ट पहुंचने के बाद पायलट ने लैंडिंग की अनुमति नहीं मांगी और सुबह 6.53 बजे चिलोदा कोतरपुर के करीब एक पेड़ और बिजली के ट्रांसमिशन टावर से टकरा गया। कॉकपिट में मौजूद वॉयस रिकॉर्डर से सामने आया था कि विमान में दोनों पायलट कम दृश्यता के चलते रनवे खोजने की कोशिश कर रहे थे। इस दौरान वे विमान को नीचे भी उतारते जा रहे थे। जब यह विमान 1000 फीट की ऊंचाई पर रह गया, तभी यह बिजली के ट्रांसमिशन टावर से टकरा गया और एयरपोर्ट से करीब 3 किलोमीटर दूर क्रैश हो गया।

भारत में पहला विमान हादसा 1938 में हुआ था। 14 अगस्त 1943 को टाटा नेशनल एयरलाइंस स्टिंसन मॉडल एक का यात्री विमान (एलिटालिया फ्लाइट 771) महाराष्ट्र के लोनावला स्थित पहाड़ियों से टकरा गया था। यह कोलंबो से कराची की यात्रा पर था। इस हादसे में छह लोगों की मौत हुई थी।

7 जुलाई 1962 को महाराष्ट्र के जुन्नार में ऑस्ट्रेलिया के सिडनी से इटली के रोम जा रहा जापान एयरलाइंस का विमान मुंबई से करीब 84 किलोमीटर दूर गलत दिशा में भटकने के बाद एक छोटी पहाड़ी से टकरा गया था। उस हादसे में 94 लोगों की मौत हुई थी। 14 जून 1972 को पालम हवाईअड्डे पर जापान एयरलाइंस की फ्लाइट 471 क्रैश हो गई। इस घटना में विमान में सवार 87 लोगों में से 82 लोगों की मौत हो गई थी। इस हादसे में जमीन पर मौजूद तीन लोगों की भी जान चली गई थी। 31 मई 1973 को पालम एयरपोर्ट पर ही इंडियन एयरलाइन का विमान (फ्लाइट 440) क्रैश हो गया। ▶10पर

अहमदाबाद विमान दुर्घटना में पूर्व सीएम विजय रुपाणी की मृत्यु

अहमदाबाद, 12 जून (एजेंसियां)। अहमदाबाद विमान दुर्घटना में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी की भी मृत्यु हो गई है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री एवं गुजरात भारतीय जनता पार्टी अध्यक्ष सीआर पाटिल ने रुपाणी की मृत्यु की पुष्टि की है। विजय रुपाणी एयर इंडिया के उस विमान में सवार थे जो गुरुवार को अहमदाबाद से लंदन के लिए उड़ान भरते ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसमें 230 यात्री, दो पायलट तथा चालाक दल के 10 अन्य सदस्य सवार थे। अभी तक की जानकारी के अनुसार, हादसे में एक यात्री जीवित बचा है और उसका अस्पताल में उपचार चल रहा है। विजय रुपाणी ने राज्य के टूरिज्म कारपोरेशन का चेयरमैन रहने के दौरान खुशबू गुजरात की अभियान को मशहूर बनाया था। गुजरात को पर्यटन स्थल के तौर पर विकसित करने का बहुत कुछ श्रेय रुपाणी को ही जाता है। रुपाणी समर्पित आरएसएस कार्यकर्ता रहे हैं। ▶10पर

अमेरिका को पश्चिम एशिया में युद्ध की आशंका, निकालने लगा दूतावास से कर्मचारी

वॉशिंगटन, 12 जून (एजेंसियां)। अमेरिका के विदेश विभाग और सेना ने बुधवार को कहा कि पश्चिम एशिया में अशांति की आशंकाओं के बीच अमेरिका इस क्षेत्र में अपने दूतावासों में उन कर्मचारियों की संख्या कम कर रहा है, जिनकी उसके मुताबिक वहां जरूरत नहीं है। विदेश विभाग ने कहा कि उसने अपनी नवीनतम समीक्षा और ''घर तथा विदेश दोनों जगह अमेरिकियों को सुरक्षित रखने की प्रतिबद्धता के आधार पर बगदाद में अमेरिकी दूतावास से सभी गैर-आवश्यक कर्मियों को वहां से निकलने का आदेश दिया है। दूतावास में पहले ही सीमित संख्या में कर्मचारी थे और यह आदेश बड़ी संख्या में कर्मियों को प्रभावित नहीं करेगा। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और युद्ध की आशंका के बीच अमेरिका ने इराक, कुवैत, और बहरीन सहित कई देशों में अपने दूतावासों से गैर-जरूरी कर्मचारियों और उनके परिजनों को निकालने का आदेश जारी किया है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने क्षेत्रीय अशांति की आशंका को देखते हुए यह कदम उठाया है, जिसके पीछे ईरान के साथ बढ़ता तनाव और इजरायल-ईरान के बीच संभावित सैन्य टकराव को प्रमुख कारण माना जा रहा है। विभाग बहरीन और कुवैत से भी गैर-आवश्यक कर्मियों तथा उनके परिवार के सदस्यों को दूतावास छोड़ने की अनुमति दे रहा है। इससे उन्हें सरकारी खर्च और सरकारी सहायता से उन देशों को छोड़ने का विकल्प मिलता है। अमेरिकी केंद्रीय कमान ने एक बयान में कहा कि रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने पूरे क्षेत्र से सैन्य आश्रितों के स्वैच्छिक प्रस्थान को अधिकृत किया है। कमान पश्चिम एशिया में तनाव की स्थिति पर नजर रख रही है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार शाम को वाशिंगटन के कैनेडी सेंटर में कहा, उन्हें वहां से हटाया जा रहा है क्योंकि यह एक खतरनाक जगह हो सकती है। हमने वहां से हटने के लिए नोटिस दे दिया है और हम देखेंगे कि क्या होता है। हाल के दिनों में इस क्षेत्र में तनाव बढ़ रहा है, वहीं ईरान के तेजी से बढ़ते परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका से उसकी बातचीत में गतिरोध पैदा होता नजर आ रहा है। हालांकि, उन अधिकारियों ने बुधवार को कहा कि वार्ता होने की संभावना कम होती जा रही है। ट्रंप ने पहले कहा था कि अगर वार्ता विफल हो जाती है तो इजराइल या अमेरिका ईरानी परमाणु केंद्रों को निशाना बनाकर हवाई हमले कर सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका ने असीम मुनीर को दिया न्यौता, परेशान हुआ चीन, पाक में भी विरोध

वाशिंगटन। पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल सैयद असीम मुनीर अमेरिका की आधिकारिक यात्रा पर

वॉशिंगटन डीसी पहुंचेंगे। उन्हें अमेरिकी सेना की 250वीं वर्षगांठ के अवसर पर आमंत्रित किया गया है। पाकिस्तान में जनरल असीम मुनीर की इस यात्रा को लेकर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। कई लोग उन्हें अपराधी कहकर अमेरिका यात्रा का विरोध कर रहे हैं। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी ने इस दौरे के खिलाफ अमेरिका में प्रदर्शन की योजना बनाई है। पाकिस्तान की ओर से इस यात्रा के दौरान अफगानिस्तान से संचालित होने वाले तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के बढ़ते खतरे पर चर्चा किए जाने की संभावना है। साथ ही, पाकिस्तान कश्मीर मुद्दे पर अमेरिका से समर्थन मांग सकता है। हालांकि भारत हमेशा इस मुद्दे को द्विपक्षीय बताता रहा है और अमेरिका भी उसी नीति का समर्थन करता है। बता दें कि समारोह 14 जून को आयोजित होगा, जो पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 79वें जन्मदिन के दिन से मेल खाता है। हालांकि मुनीर की इस यात्रा का उनके ही देश में विरोध होने लगा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी खुफिया एजेंसियों का मानना है कि इस उच्च-स्तरीय सैन्य बैठक के दौरान अमेरिका, पाकिस्तान पर भारत के खिलाफ सक्रिय आतंकी संगठनों के खिलाफ कड़े कदम उठाने का दबाव बना सकता है। विशेष रूप से जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा जैसे समूहों पर शिकंजा कसने की उम्मीद जताई जा रही है। इसके अलावा, पाकिस्तान और चीन के बीच बढ़ती सामरिक साझेदारी को लेकर भी अमेरिका चिंतित है। चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव परियोजना के तहत चल रही चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा योजना न केवल पाकिस्तान को चीन पर आर्थिक रूप से निर्भर बना रही है, बल्कि इससे चीन को अरब सागर तक सीधा और रणनीतिक पहुंच भी मिल रही है।

ट्रंप से भारत के संबंधों पर बोले जयशंकर- हम व्यक्ति नहीं राष्ट्रहित पर ध्यान रखते हैं

ब्रुसेल्स। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ भारत के संबंधों पर सवालों का जवाब देते हुए विदेश मंत्री मंत्री एस जयशंकर ने स्पष्ट किया कि भारत का ध्यान व्यक्तियों पर नहीं, बल्कि राष्ट्रीय हितों को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। उन्होंने कहा है कि भारत का उद्देश्य हर उस रिश्ते को आगे बढ़ाना है जो देश के हित में हो। इस लिहाज से अमेरिका के साथ संबंध भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने यह भी साफ कर दिया कि यह किसी एक व्यक्ति या राष्ट्रपति पर आधारित नहीं है। यूरोप की यात्रा पर गए विदेश मंत्री से पूछा गया कि क्या भारत डोनाल्ड ट्रंप पर भरोसा करता है यूरएक्टिव को दिए एक इंटरव्यू में जयशंकर कहा, मैं दुनिया को जैसा है, वैसा ही स्वीकार करता हूं। हमारा लक्ष्य उन सभी संबंधों को मजबूत करना है जो भारत के हित में हों- और अमेरिका के साथ संबंध हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। यह किसी व्यक्ति एक्स या राष्ट्रपति वाय की बात नहीं है।जयशंकर का यह बयान ऐसे समय में आया है जब भारत और ट्रंप प्रशासन के बीच पाकिस्तान द्वारा समर्थित सीमा पार आतंकवाद जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर मतभेद सामने आए हैं।

यूनुस की तानाशाही का काला चिट्ठाः बांग्लादेश की जेलों में हो रही टारगेट किलिंग

ढाका। बांग्लादेश की जेलों में अवामी लीग के कार्यकर्ताओं की टारगेट किलिंग हो रही है और इसके

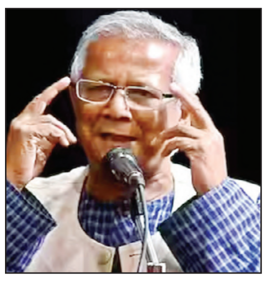

पीछे एक संगठित साजिश है। अवामी लीग ने सोमवार को इस 'काली किताब' का एक और पन्ना खोला, जिसमें उन्होंने यूनुस सरकार को सीधे इसके लिए जिम्मेदार ठहराया। पार्टी के ताजा बयान में कहा गया, 'देशभर की जेलों में हमारे कार्यकर्ताओं की रहस्यमयी मौतें और क्रूर दमन चिंता का विषय है। यह कोई इक्का-दुक्का घटना नहीं है, बल्कि यूनुस समर्थित छाया प्रशासन का एक गुप्त अभियान है, जिसका मकसद भय और दमन के जरिए अवामी लीग की राजनीतिक ताकत को तोड़ना है। अवामी लीग ने अंतरिम सरकार और उसके प्रमुख मोहम्मद यूनुस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पार्टी का दावा है कि कई मामलों में चिकित्सा सुविधा जानबूझकर नहीं दी गई। कई कार्यकर्ताओं को अलगाव में रखा गया, जहर दिया गया, रासायनिक हमलों से उनका दिल बैठाया गया और शारीरिक यातनाएं दी गईं।

ईरान से तनाव के बीच अमेरिका ने इराक, बहरीन, कुवैत से अपने कुछ राजनयिकों और सैन्य अधिकारियों को वापस बुलाया

वॉशिंगटन, 12 जून (एजेंसियां)।

अमेरिका ने ईरान से बढ़ते तनाव के बीच इराक, बहरीन और कुवैत से अपने कुछ राजनयिकों और सैन्य अधिकारियों और उनके परिवारों को वापस बुलाया है। अमेरिकी विदेश विभाग और रक्षा विभाग ने बुधवार को मध्य पूर्व के आसपास के स्थानों से गैरजरूरी कर्मियों के प्रस्थान की व्यवस्था करने का प्रयास किया। खबर के अनुसार, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि अमेरिका के रुख में अचानक बदलाव का कारण क्या है। इस पर एक रक्षा अधिकारी ने कहा कि यूएस सेंट्रल कमांड इस समय मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव की निगरानी कर रहा है। उसे लग रहा है कि अगर तनाव और बढ़ा तो इराक, बहरीन और कुवैत के दूतावासों के अधिकारियों और कर्मचारियों को खतरा हो सकता है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कैनेडी सेंटर के एक कार्यक्रम में पहुंचने पर संवाददाताओं के मध्य पूर्व पर चल रहे तनाव से संबंधित सवालों पर कहा कि वह देखेंगे कि आगे और क्या होता है। अमेरिकी रुख में अचानक आए बदलाव की फौरी वजह ईरान और इजराइल के बीच बढ़ते टकराव को बताया गया है। ट्रंप प्रशासन इस समय ईरान के साथ परमाणु समझौते की दिशा में कदम बढ़ा रहा है।

एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी के अनुसार, रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने मध्य पूर्व के स्थानों से सैन्य आश्रितों के स्वैच्छिक प्रस्थान को अधिकृत किया है। इस अधिकारी ने कहा कि यूएस सेंट्रल कमांड के कमांडर जनरल माइकल कुरिल्ला ने तनाव के कारण गुरुवार को सीनेट समिति के सामने अपनी गवाही स्थगित कर दी है।

अमेरिकी अधिकारी और मामले से परिचित एक अन्य सूत्र के अनुसार, विदेश विभाग क्षेत्र में बढ़ते सुरक्षा जोखिमों के कारण इराक, बहरीन और कुवैत में अमेरिकी दूतावासों से गैर-आवश्यक कर्मियों को वापस बुलाने का आदेश देने की तैयारी कर रहा है। इराकी कुर्दिस्तान के एरबिल में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के लिए भी गैर-आवश्यक कर्मियों को वापस बुलाने का आदेश दिया जाएगा।

इराक सरकार के एक अधिकारी ने कहा कि कर्मियों की आवाजाही का उनके देश में सुरक्षा स्थिति से कोई लेना-देना नहीं है। अमेरिकी विदेश विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप अमेरिकियों को घर और विदेश दोनों जगह सुरक्षित रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उस प्रतिबद्धता को ध्यान में रखते हुए हम अपने सभी दूतावासों में उचित कर्मियों की स्थिति का लगातार आकलन कर रहे हैं। अमेरिका ने इराक में अपने मिशन का आकार कम करने का फैसला किया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षा पर अंकुश लगाने के लिए उसके साथ समझौता करने में उनकी विश्वसनीयता कम हो गई है। इसलिए तेहरान समझौता करने में विलंब हो सकता है।

ईरान ने ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी को प्रतिबंध लगाने पर दी एनपीटी से हटने की चेतावनी

न्यूयॉर्क/तेहरान, 12 जून (एजेंसियां)। ईरान ने परमाणु मुद्दे पर यूरोपीय देशों (ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी) को चेताया है। उसने चेतावनी दी है कि यदि 2015 के परमाणु समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले इन देशों ने उसके खिलाफ संयुक्त राष्ट्र प्रतिबंधों को बहाल किया तो वह कानूनी रूप से परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) से हट सकता है। बुधवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को एक औपचारिक पत्र में न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र में ईरान के राजदूत और स्थायी प्रतिनिधि सईद इरावानी ने पिछली चेतावनी को दोहराया। ईरान की सरकारी संवाद समिति इरना की खबर के अनुसार, ईरान के राजदूत और स्थायी प्रतिनिधि सईद इरावानी ने कहा कि इस्लामी गणराज्य आनुपातिक प्रतिक्रिया देगा। इस प्रतिक्रिया में संधि के अनुच्छेद 10 के अनुसार एनपीटी से वापसी की प्रक्रिया शुरू करना शामिल है। इरावानी की

यह प्रतिक्रिया ऐसे समय आई है जब ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी (ई-3) वियना में अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) बोर्ड ऑफ गवर्नर्स में ईरान के खिलाफ संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ मिलकर एक प्रस्ताव पर मतदान के लिए दबाव डाल रहे हैं। वियना में राजनयिक स्रोतों के अनुसार, मतदान बुधवार को निर्धारित किया गया था, लेकिन समय की कमी के कारण इसे गुरुवार तक के लिए स्थगित कर दिया गया।

हाल ही में आईएईए की रिपोर्ट पर आधारित इस प्रस्ताव में ईरान पर कथित अघोषित परमाणु गतिविधियों के लिए यूएन परमाणु निगरानी संस्था के साथ सहयोग न करने का आरोप लगाया गया है।

यदि इसे स्वीकार कर लिया जाता है, तो प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंधों को फिर से लागू करने का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। यह समझौता संयुक्त व्यापक कार्य योजना (जेसीपीओए) का हिस्सा है। ईरान के अधिकारियों ने आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि आरोप इजराइल के शत्रुतापूर्ण स्रोतों से प्राप्त खुफिया जानकारी पर आधारित हैं।

सुरक्षा परिषद को लिखे पत्र में इरावानी ने ई-3 के कदमों की निंदा करते हुए इसे कानूनी रूप से निराधार और राजनीतिक रूप से लापरवाह कृत्य बताया।

चीन ने चुराई दूसरे देशों की तकनीक, बना डाले खतरनाक हथियार

दुनिया के देश नई तकनीक के रिसर्च एंड डेवलपमेंट में पैसा खर्च करते हैं वहीं चीन दूसरे देशों की तकनीक चुराकर उसकी कॉपी करने में पैसा खर्च करता है। दशकों से चीन इस काम में जुटा है। चीनी हैकर अमेरिका समेत कई देशों के प्रोजेक्ट की फाइलों में सेंधमारी करते हैं। अमेरिका भी चीन की इस हरकत से वाकिफ था और यही वजह थी कि एबटाबाद में लादेन को ढेर करने के लिए नेवी सील का एक ब्लैक हॉक हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया था। हैकरों ने सी-17 से जुड़ी फाइलें चोरी कर चीनी कंपनी को बेचीं अमेरिका ने पूरी कोशिश की कि उसकी तकनीक किसी के हाथ न लगे, इसलिए हेलिकॉप्टर को नष्ट कर दिया था, लेकिन ब्लैक हॉक की तकनीक पाकिस्तान के जरिए चीन तक पहुंच ही गई। चौंकाने वाली बात यह है कि 2 मई 2011 को लादेन को नेवी सील कमांडो ने एबटाबाद में ढेर किया और ठीक 2 साल बाद 2013 में चीन ने जेड-20 की पहली फ्लाइट उड़ाई। चीन ने यूएच-60 ब्लैक हॉक का हमशक्ल जेड-20 तैयार कर लिया।

भारतीय मूल के डॉ. श्रीनिवास मुक्कमाला चुने गए अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष

वाशिंगटन, 12 जून (एजेंसियां)।

अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन (एएमए) के 178 साल के इतिहास में पहली बार संगठन की कमान एक भारतीय मूल के व्यक्ति ने संभाल ली। डॉ. श्रीनिवास मुक्कमाला को अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन का अध्यक्ष चुना गया है। उन्हें लोग प्यार से बॉबी मुक्कमाला कहते हैं। वो एमडी होने के साथ बेहतरीन ओटोलरींगोलॉजिस्ट हैं। अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन की वेबसाइट के अनुसार, हयात रीजेंसी शिकागो में 10 जून की रात समारोहपूर्वक समारोह में श्रीनिवास मुक्कमाला ने 180वें अध्यक्ष के रूप में पदभार संभाला।

उन्होंने कहा कि यह उनके लिए भावुक क्षण हैं। वह इसे व्यक्त नहीं कर सकते। बस यह दिल को छू लेने वाला और विस्मयकारी अवसर है।

पिछले साल नवंबर में 53 वर्षीय डॉ. बॉबी मुक्कमला के मस्तिष्क के बाएं ओर 8-सेमी टेम्पोरल लोब ट्यूमर का पता चला। तीन सप्ताह बाद उनकी सर्जरी हुई। ट्यूमर का 90 प्रतिशत हिस्सा हटाया गया। विकिरण और कीमोथेरेपी से बचने में इसने मदद की। उनके चिकित्सकों ने संकेत दिया कि वह 20 साल तक जीवित रह सकते हैं। डॉ. बॉबी दो बच्चों के पिता हैं।

उन्होंने इस अवसर पर अपनी सर्जरी के पलों को याद किया। भारतीय मूल के डॉ. मुक्कमला ने कहा, मैं आज रात यहां कुशल चिकित्सकों की प्रतिभा के कारण हूं। इसमें मेरे परिवार और दोस्तों का चिरस्थायी प्यार और धैर्य शामिल है। हो सकता है हमारी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में अभी भी खामियां हों। उसके बावजूद उसमें बहुत अच्छाइयां हैं। इसलिए मैं आपके सामने जीवित खड़ा हूं। मेरे जैसे लोगों के लिए अभी भी दुनिया में अमेरिकी चिकित्सा सबसे अच्छी है।

डॉ. मुक्कमला परिवार के साथ मिशिगन के फ्लिंट में रहते हैं। उन्होंने कई दशक गरीब लोगों का मुफ्त इलाज किया है। उन्होंने कहा कि फ्लिंट अमेरिकी चिकित्सा में सबसे अधिक दबाव वाले मुद्दों का प्रतीक है। उनकी पत्नी नीता कुलकर्णी प्रसूति-स्त्री रोग विशेषज्ञ हैं। डॉ. मुक्कमला ने कहा कि फ्लिंट में जीवन प्रत्याशा आसपास के उपनगरों की तुलना में लगभग 12 वर्ष कम है। वह फ्लिंट में ऐसे रोगियों को देखते हैं, जो रोग विशेषज्ञ से मिलने के लिए महीनों तक इंतजार करते हैं।

लॉस एंजिल्स में प्रदर्शनकारी एप्पल स्टोर में घुसे, तोड़फोड़ कर लूट लिए ढेरों आईफोन

लॉस एंजिल्स, 12 जून (एजेंसियां)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आव्रजन नीति के खिलाफ लॉस एंजिल्स की सड़कों पर हजारों प्रदर्शनकारी उतर आए। प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों ने एप्पल स्टोर और जॉर्डन फ्लैगशिप समेत तमाम स्टोर्स को लूट लिया। कथित तौर पर यह घटना क्रम रविवार की रात हुआ। सोशल मीडिया पर इस घटनाक्रम का वीडियो भी वायरल हो रहा है।

कथित तौर पर जिस वक्त प्रदर्शनकारी एप्पल स्टोर में लूटपाट कर रहे थे उसी वक्त वहां पर स्थानीय पुलिस पहुंच गई, जिसके बाद कई लुटेरे एप्पल स्टोर के अंदर ही फंस गए। रिपोर्ट के मुताबिक लॉस एंजिल्स के डाउनटाउन में स्थित एप्पल स्टोर पर प्रदर्शनकारियों ने रविवार रात 9 जून को धावा बोल दिया। एक वायरल वीडियो में काले रंग की हुडी पहने हुए मास्क पहने हुए कई व्यक्तियों ने स्टोर पर हमला बोल दिया। इसमें से एक व्यक्ति एप्पल स्टोर से एक डिब्बा उठाते हुए और स्टोर में तोड़फोड़ करते हुए नजर आ रहा है। व्यक्ति एक सामान उठाता है और जोर से एक शीशे पर मार देता है इसके बाद उसमें दरार वीडियो में पुलिस का सायरन और गोलियों की आवाज भी सुनी जा सकती है। डोनाल्ड ट्रंप की आव्रजन नीति के खिलाफ लॉस एंजिल्स की सड़कों पर हजारों प्रदर्शनकारी उतर आए। ट्रंप ने इनको रोकने के लिए नेशनल गॉर्ड्स की तैनाती कर दी थी। लेकिन 300 नेशनल गॉर्ड्स को हजारों लोगो को संभालने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। लोग मास्क लगाकर कैमरों से अपनी पहचान छिपाकर, आंसू गैस और रबर की गोलियों का सामना करते हुए प्रदर्शन करते रहे। गुस्साए ट्रंप ने प्रदर्शनकारियों के मास्क पहनने पर रोक लगा दी। इसके साथ ही आदेश दिया कि अगर कोई प्रदर्शनकारी मास्क लगाए दिखे तो उसे तत्काल प्रभाव से गिरफ्तार किया जाए। ट्रंप के लॉस एंजिल्स में नेशनल गार्ड्स को तैनात करने के फैसले ने वहां के गवर्नर गेविन न्यूजम को नाराज कर दिया।

अहमदाबाद से लंदन के गैटविक जा रहा एयर इंडिया का बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान एआई-171 गुरुवार को टेक-ऑफ के तुरंत बाद क्रैश हो गया। घटना स्थल के दृश्य।

मृत यात्रियों के परिजनों को एक-एक करोड़ देगा टाटा समूह

मुंबई, 12 जून (एजेंसियां)। टाटा समूह ने अहमदाबाद में एयर इंडिया के विमान हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों को एक-एक करोड़ रुपए की नगद सहायता देने की घोषणा की है। टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने कहा, टाटा समूह इस त्रासदी में प्राण गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिजनों को एक-एक करोड़ रुपए देगा। हम घायल व्यक्तियों के इलाज का पूरा खर्च उठाएंगे और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि उन्हें पूरी मदद मिले और उनका ध्यान रखा जाए।

श्री चंद्रशेखरन ने इसके अलावा अहमदाबाद के बीजे मेडिकल्स के छात्रावास भवन के पुर्निर्माण में मदद की भी घोषणा की है। उन्होंने कहा कि टाटा समूह इस अकल्पनीय दुख के समय में प्रभावित परिवारों और समूदायों के साथ खड़ा है। उल्लेखनीय है कि अहमदाबाद विमान हादसे के शिकार ड्रीमलाइनर बोइंग 787 विमान में 230 यात्री और चालक दल के दो पायलट सहित 12 क्रू सदस्य सवार थे।

विमान हादसे में जिंदा बच गया एक शख्स

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)।

अहमदाबाद विमान हादसे में मरने वालों की आधिकारिक संख्या घोषित नहीं की गई है। सौ से अधिक शव निकाले जा चुके हैं और यह सिलसिला जारी है। विमान हादसे के दौरान 625 फीट से गिरने के बावजूद एक व्यक्ति की जान बच गई। दुर्घटनास्थल से वह खुद चलता हुआ लाशों के बीच से निकला। बचाव दल के लोगों ने उसे अस्पताल पहुंचाया। हादसे में उसका भाई मारा गया, जो अन्य सीट पर बैठा था।

अहमदाबाद के पुलिस कमिश्नर जीएस मलिक ने कहा, पुलिस को एक यात्री रमेश विश्वास कुमार (सीट नंबर 11-ए) जीवित मिला। उसे सिविल अस्पताल पहुंचाया गया,

जहां उसका इलाज चल रहा है। पुलिस कमिश्नर ने कहा, अभी तक मौतों की संख्या के बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता। मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है, क्योंकि विमान आवासीय क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हुआ।

उधर, अहमदाबाद विमान दुर्घटना के बाद भाजपा सांसद एवं पूर्व नागरिक उड्डयन मंत्री राजीव प्रताप रूडी, जो खुद भी पायलट हैं, ने कहा, यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। घटना के कारण का पता लगाने के लिए गहन जांच की आवश्यकता है। बोइंग 787 ड्रीमलाइनर को एक शक्तिशाली विमान माना जाता है, जो 12-14 घंटे तक उड़ान भरने में सक्षम है। इसका अर्थ है कि इसमें लगभग 80-90 टन ईंधन था। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने विमान हादसे में घायल हुए लोगों से मुलाकात की। शाह ने अस्पताल पहुंचकर घायलों का हाल जाना और डॉक्टरों से उनकी स्थिति के बारे में जानकारी ली।

पहलगाम आतंकवादी हमले की एक स्वर से कड़ी निंदा की गयी ब्रिक्स संसदीय सम्मेलन में: हरिवंश

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)। राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश ने गुरूवार को कहा कि दस ब्रिक्स देशों की संसदों ने 11 वें ब्रिक्स संसदीय सम्मेलन में पहलगाम आतंकवादी हमले की स्पष्ट रूप से कड़ी निंदा करते हुए आतंकवाद को कतई बर्दाशत नहीं करने की भारत की नीति को लेकर प्रतिबद्धता दोहराई है।

श्री हरिवंश ने 12वें ब्रिक्स संसदीय मंच की बैठक 2026 में भारत की अध्यक्षता में होने को भी देश के लिए गौरवपूर्ण बताया है।

राज्यसभा के उपसभापति ने यहां संवादाताओं के साथ बातचीत में कहा कि ब्राजील में हाल ही में संपन्न 11वें ब्रिक्स संसदीय सम्मेलन में पहलगाम में हुए दुखद हमले और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में वैश्विक एकजुटता की निरंतर वकालत सहित प्रमुख मुद्दों पर भारत के दृष्टिकोण की व्यापक रूप से सराहना की गई।

सम्मेलन में अपनाये गये संयुक्त घोषणा पत्र में इन स्थितियों को सर्वसम्मति से व्यक्त किया गया। इसमें विशेष रूप से आतंकवाद

का मुकाबला करने के मामले में भारत के दृढ़ और सैद्धांतिक रुख को जोरदार समर्थन मिला।

उन्होंने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के नेतृत्व में भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने आतंकवाद के सभी रूपों की स्पष्ट रूप से निंदा की और आतंकवाद को कतई बर्दाशत नहीं करने की नीति को अपनाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि भारत सहित सभी 10 सदस्य देशों की संसदों की भागीदारी के साथ ब्रासीलिया में आयोजित यह सम्मेलन भारत के लिए एक महत्वपूर्ण सफलता थी। सम्मेलन में भारत, ब्राजील, रूस, चीन, दक्षिण अफ्रीका, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात, मिस्र, इथियोपिया और इंडोनेशिया के प्रतिनिधिमंडल शामिल थे।

राज्यसभा के उप सभापति ने कहा कि इन संसदों के प्रतिनिधियों ने विचार-विमर्श में सक्रिय रूप से भाग लिया और संयुक्त घोषणा पत्र को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने जोर देकर कहा कि संयुक्त घोषणा में पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की गई है और सदस्य देशों के प्रतिनिधियों ने आतंकवाद के खिलाफ सामूहिक कार्रवाई करने का संकल्प लिया है। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने आतंकवादी संगठनों को वित्तीय सहायता पर अंकुश लगाने, खुफिया जानकारी साझा करने, उभरती प्रौद्योगिकियों के दुरुपयोग को रोकने और जांच एवं न्यायिक प्रक्रियाओं में सहयोग को मजबूत करने के लिए समन्वित प्रयासों की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि भारत के दृष्टिकोण को सम्मेलन में विशेष मान्यता मिली और सदस्य देशों ने पुष्टि की है कि वैश्विक शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी सदस्य देशों की सक्रिय भागीदारी महत्वपूर्ण है। उपसभापति ने कहा कि भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने कई प्रमुख मुद्दों पर देश के मजबूत और स्पष्ट रुख को प्रभावी ढंग से व्यक्त किया। इसमें विशेष रूप से आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक सहयोग की आवश्यकता, न्यायसंगत और संतुलित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की खोज, तकनीकी नवाचार में भागीदारी और लोकतांत्रिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने पर जोर रहा।

श्री हरिवंश ने कहा कि कई दौर की गहन चर्चा और विचार-विमर्श के बाद, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग, वैश्विक व्यापार और अर्थव्यवस्था, अंतर-संसदीय सहयोग, वैश्विक शांति और सुरक्षा जैसे प्रमुख वैश्विक मुद्दों पर व्यापक सहमति बनी।

राज्यसभा के उप सभापति ने कहा कि सम्मेलन के समापन पर भारत को अगले वर्ष 12वें ब्रिक्स संसदीय मंच की मेजबानी की जिम्मेदारी सौंपी गई, जिसकी अध्यक्षता लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने औपचारिक रूप से संभाली। उन्होंने कहा कि भारत अब ब्रिक्स संसदों के बीच सहयोग को मजबूत करने और वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए एकीकृत दृष्टिकोण को बढ़ावा देने में सक्रिय रूप से नेतृत्व करेगा।

भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व लोकसभा अध्यक्ष श्री बिरला ने किया और इसमें राज्यसभा के उपसभापति श्री हरिवंश, राज्यसभा सांसद सुरेन्द्र सिंह नागर, लोकसभा सांसद विजय बघेल, विवेक ठाकुर, डॉ. शबरी बायरेड्डी, उत्पल कुमार सिंह, राज्यसभा महासचिव पी.सी. मोदी और लोकसभा सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे।

भारत ने अमेरिका पर कसा तंज

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)।

अमेरिका द्वारा पाकिस्तान को आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में साझीदार बताये जाने और अमेरिकी सेना दिवस की परेड में पाकिस्तानी सेना प्रमुख को आमंत्रित किये जाने पर तंज कसते हुए भारत ने उसे याद दिलाया कि 11 सितंबर 2001 के न्यूयॉर्क के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर आतंकवादी हमले के सूत्रधार अलकायदा के मुखिया ओसामा बिन लादेन के पाकिस्तान में छिपे होने की सूचना देने वाला व्यक्ति अब भी पाकिस्तानी सेना की कैद में है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यहां नियमित ब्रीफिंग में अमेरिकी सैन्य अधिकारियों के बयानों एवं पाकिस्तानी सेना प्रमुख असीम मुनीर को अमेरिकी सेना दिवस परेड में बुलाने के पीछे अमेरिकी रुख के बारे में पूछे जाने पर कहा, पाकिस्तान वास्तव में क्या है, इसका रिकॉर्ड बहुत स्पष्ट है। हम सभी जानते हैं कि पहलगाम हमला सीमा पार आतंकवाद का सबसे हालिया उदाहरण है। मैं आपको याद दिलाना चाहूंगा कि हाल ही में 26/11 के साजिशकर्ता तहव्वुर राणा को अमेरिका से प्रत्यर्पित किया गया था। जाहिर है, हममें से कोई भी यह नहीं भूला है कि पाकिस्तान ने ओसामा बिन लादेन को पनाह दी थी। यह महत्वपूर्ण है कि वह व्यक्ति - डॉ. शकील अफरीदी - जिसने ओसामा बिन लादेन को खोजने में मदद की थी, अभी भी पाकिस्तानी सेना द्वारा कैद है।

अमेरिका के कैलिफोर्निया प्रांत के लॉस एंजेलिस में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विरोध में अराजक और हिंसक प्रदर्शनों और वहां रहने वाले प्रवासी भारतीयों की सुरक्षा के बारे में एक सवाल के जवाब में श्री जायसवाल ने कहा, हम घटनाक्रम से अवगत हैं। भारत सरकार विदेश में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा, संरक्षा और कल्याण को अत्यंत गंभीरता से लेती है।

उन्होंने कहा, लॉस एंजेलिस क्षेत्र में बड़ी संख्या में भारतीय रहते हैं।

हम इस क्षेत्र में रहने वाले भारतीय नागरिकों को उचित सुरक्षा सावधानियाँ बरतने की सलाह देते हैं।

सैन फ्रांसिस्को में हमारा वाणिज्य दूतावास स्थिति पर बारीकी से नज़र रख रहा है और समुदाय के सदस्यों के साथ निकट संपर्क में है।

'टैगोर के पैतृक घर पर हमला बंगला सांस्कृतिक धरोहर को मिटाने की कोशिश'

भारत ने बंगलादेश में गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर के पैतृक घर पर इस्लामिक कट्टरपंथियों द्वारा हमला कर उसे ध्वस्त करने की घटना को बंगला संस्कृति एवं विरासत को मिटाने की कोशिश करार दिया है और मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार से अपराधियों पर सख्त कार्रवाई करने का आग्रह किया है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने आज यहां नियमित ब्रीफिंग में बंगलादेश की घटनाओं के बारे में पूछे जाने पर कहा, हम 8 जून को गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर के पैतृक घर पर भीड़ द्वारा किए गए घृणित हमले और तोड़फोड़ की कड़ी निंदा करते हैं। ऐतिहासिक रूप से रवींद्र कचहरी बाड़ी कहलाने वाला यह घर बंगलादेश के सिराजगंज जिले में स्थित है। यह हिंसक कृत्य नोबेल पुरस्कार विजेता की स्मृति और बंगलादेश में उनके द्वारा अपनाए गए समावेशी दर्शन और शिक्षाओं का अपमान है।

सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश शिक्षक भर्ती प्रक्रिया पर विचार करने से किया इनकार

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने आंध्र प्रदेश में 16347 शिक्षकों की भर्ती के लिए चल रही मेगा जिला चयन समिति परीक्षा-2025 को चुनौती देने वाली रिट याचिका पर विचार करने से गुरुवार को इनकार कर दिया।

न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति मनमोहन की अंशकालीन कार्य दिवस पीठ ने याचिकाकर्ता पोसिना आनंद साई की याचिका पर विचार करने से इनकार करते हुए उन्हें आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने की अनुमति दी।

उच्च न्यायालय में फिलहाल गर्मी की छुट्टियां हैं। इसके बाद अदालत 16 जून से फिर से खुलेगी।

याचिकाकर्ता की ओर से पेश अधिवक्ता (डॉ.) चारु माथुर द्वारा मामले का उल्लेख किए जाने पर शुरू में न्यायमूर्ति मनमोहन ने टिप्पणी की कि परीक्षा पहले ही शुरू हो चुकी है। अदालतों को ऐसे मामलों में कोई रोक नहीं लगानी चाहिए।

उन्होंने अधिवक्ता से कहा, मैडम, परीक्षाएं शुरू हो चुकी हैं। हम उन्हें बीच में नहीं रोक सकते। हम परीक्षा आयोजित करने के लिए कोई तंत्र नहीं बनाते हैं। यह हमारी विशेषज्ञता नहीं है।

अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस.वी. राजू ने पीठ के समक्ष याचिका का

विरोध किया। उन्होंने कहा कि लाखों अभ्यर्थी पहले ही परीक्षा दे चुके हैं।

न्यायमूर्ति मिश्रा ने सवाल किया कि याचिकाकर्ता ने उच्च न्यायालय का दरवाजा क्यों नहीं खटखटाया। इस पर अधिवक्ता माथुर ने कहा कि आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय में छुट्टियां चल रही हैं। इसलिए उच्च न्यायालय संबंधित मामले की सुनवाई नहीं कर पाया है। छुट्टी के संबंध में अधिवक्ता ने कहा कि उन्होंने कुछ अतिरिक्त दस्तावेज दाखिल किए हैं, जिसमें साफ तौर पर उल्लेख किया गया है।

इन दलीलों का पीठ पर कोई असर नहीं हुआ और उसने रिट याचिका यह कहते हुए खारिज कर दी कि उच्च न्यायालय 16 जून को फिर से खुल रहा है। याचिकाकर्ता किसी भी राहत के लिए उच्च न्यायालय से गुहार लगा सकता है।

याचिका के अनुसार आंध्र प्रदेश के सरकारी स्कूलों में 16347 शिक्षण पदों को भरने के लिए परीक्षा आयोजित की जा रही है। याचिकाकर्ता की शिकायत यह है कि परीक्षा लगभग 5.72 लाख उम्मीदवारों के लिए एक महीने की अवधि में कई पालियों में अलग-अलग प्रश्नपत्रों के साथ आयोजित की जानी है।

याचिका में आरोप लगाया गया है कि यह दृष्टिकोण योग्यता-आधारित भर्ती प्रक्रिया में एक बुनियादी दोष पेश करता है, जिसके तहत समान स्थिति वाले उम्मीदवारों को अलग-अलग कठिनाई हो सकती है।

याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया है कि अपनाई गई यह परीक्षा प्रक्रिया मनमाना, गैर-पारदर्शी के साथ साथ भारतीय संविधान के तहत संरक्षित अनुच्छेद 14 और 16 के तहत याचिकाकर्ता के अधिकार का उल्लंघन करती है।

भूतपूर्व सैनिक इस याचिकाकर्ता ने लागू नियमों के अनुसार आरक्षित श्रेणी के तहत आवेदन किया है तथा एक जून, 2025 को उसकी परीक्षा हो गई।

याचिका में कहा गया है कि आक्षेपित प्रक्रिया अप्रत्याशित और मनमाने तरीके से उसके चयन की संभावना को सीधे प्रभावित करती है।

अगर कश्मीर ने दुख दिया तो बंगाल आपको डराएगा

विवेक अग्निहोत्री की 'द बंगाल फाइल्स' का टीजर रिलीज

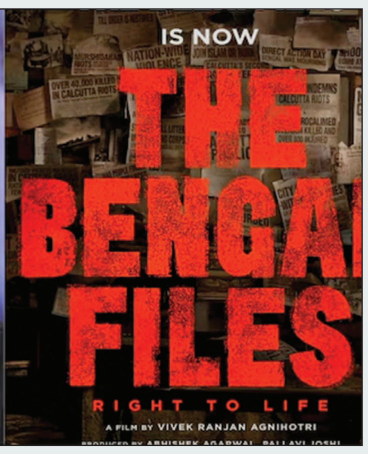

फिल्ममेकर विवेक अग्निहोत्री अपनी फिल्मों को लेकर हमेशा सुर्खियों में बने रहते हैं। विवेक अग्निहोत्री की फिल्मों में अक्सर कड़वी सच्चाई और दमदार कहानी देखने को मिलती है। ऐसे में एक बार फिर से डायरेक्टर अपनी नई फिल्म के साथ हाजिर होने के लिए तैयार हैं। द कश्मीर फाइल्स और द ताशकंद फाइल्स जैसी दमदार फिल्मों के बाद अब फिल्ममेकर 'द बंगाल फाइल्स: राइट टू लाइफ' लेकर आए हैं। मेकर्स ने अब इस फिल्म का टीजर भी रिलीज कर दिया है।

विवेक अग्निहोत्री ने इस फिल्म को पहले 'द दिल्ली फाइल्स' नाम दिया था, लेकिन अब इसका नाम बदलकर 'द बंगाल फाइल्स: राइट टू लाइफ' रख दिया गया है। इसी नाम के साथ फिल्म का टीजर भी आउट किया गया है। टीजर ने रिलीज होते ही लोगों के बीच एक्साइटमेंट बढ़ा दी है। टीजर ने लोगों के बीच हलचल पैदा कर दी है। सामने आए फिल्म के टीजर में हिंदुस्तान के बीते वक्त की डरावनी झलक देखने को मिल रही है।

अभिषेक अग्रवाल और पल्लवी जोशी ने 'द बंगाल फाइल्स' को बनाया है। फिल्म में मिथुन चक्रवर्ती, अनुपम खेर, पल्लवी जोशी और दर्शन कुमार जैसे सितारों की स्टार कास्ट मौजूद है। टीजर में कुछ दिल दहला देने वाले सीन्स भी हैं। किरदारों के चेहरों पर बेबसी और डर भी साफ नजर आ रहा है। टीजर में कहानी की गहराई की झलक भी देखने को मिलती है। टीजर के कई फ्रेम बैचेनी भी पैदा करते हैं।

टीजर देखने के बाद ये कहना गलत नहीं होगा कि एक बार फिर से विवेक अग्निहोत्री लोगों को झकझोरने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। एक सीन में मिथुन चक्रवर्ती सफेद दाढ़ी में नजर आते हैं। टीजर से साफ है कि फिल्म एक बार फिर अनकही सच्चाइयों और संवेदनशील पहलुओं को लोगों के सामने लाएगी।ये फिल्म 5 सितंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

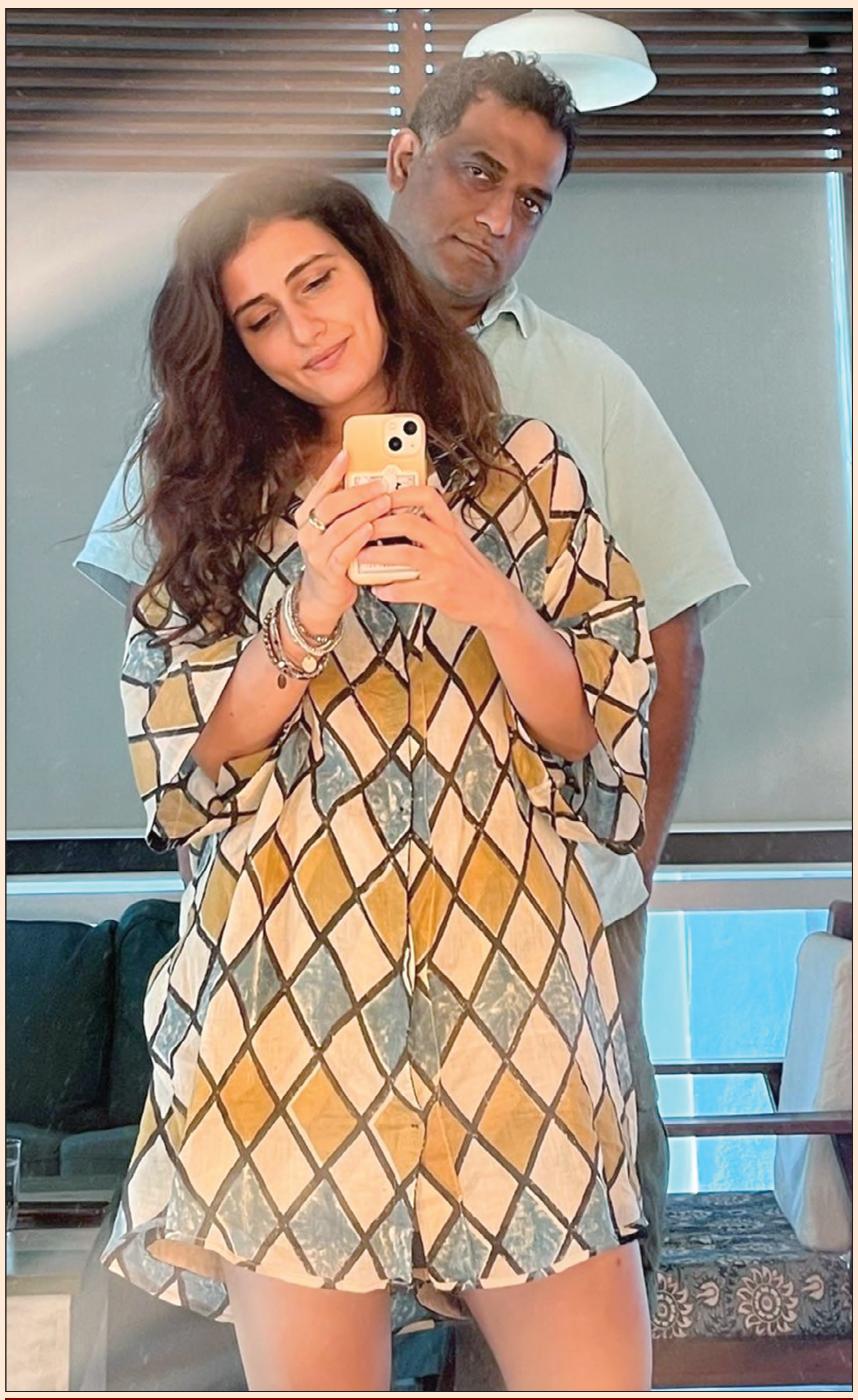

अनुराग बसु से जुड़ी गलतफहमियों को फातिमा सना शेख ने किया दूर, कहा

वह प्लानिंग के साथ करते हैं शूट

अभिनेत्री फातिमा सना शेख ने फिल्म निर्देशक अनुराग बसु के बारे में कुछ गलतफहमियों को दूर किया। फिल्म 'मेट्रो.. इन दिनों' के जरिए फातिमा और अनुराग बसु दूसरी बार साथ काम कर रहे हैं। इससे पहले दोनों ने फिल्म 'लूडो' में काम किया था। आईएएनएस से बात करते हुए फातिमा सना शेख ने अनुराग बसु के साथ काम करने का अपना अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि अनुराग बसु की फिल्म के सेट पर दिन कैसे बीतता है और वहां का माहौल कैसा होता है।

फातिमा ने कहा, मुझे अनुराग बसु के साथ काम करना बहुत पसंद है। लोगों को एक गलतफहमी है। वह बहुत ही व्यवस्थित इंसान हैं। जब आप उनके सेट पर होते हैं, तो पूरा दिन आराम से बीत जाता है। कभी भी ओवरटाइम शूटिंग नहीं होती। वह बहुत तेजी से काम करते हैं। वह एक दिन में आसानी से 4-5 बड़े सीन शूट कर लेते हैं, जो कि आम तौर पर बहुत मुश्किल होता है, खासकर बड़ी स्टारकास्ट वाली फिल्मों के लिए यह कठिन होता है। अभिनेत्री फातिमा सना शेख ने आगे बताया कि अनुराग बसु बहुत ही मेहनती और समझदार निर्देशक हैं। उन्होंने कहा, काम में भले ही समय लगे, लेकिन अनुराग बहुत ही प्रोडक्टिव होते हैं। उन्हें पता होता है कि उन्हें क्या शूट करना है। वह समय बर्बाद नहीं करते। उन्हें पहले से ही सब पता होता है। कुछ साल पहले बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर ने एआईबी के एक पॉडकास्ट में कहा था कि अनुराग बसु अपनी फिल्मों में बिना स्क्रिप्ट के काम करते हैं। उन्होंने यह बात अपने अनुभव के आधार पर कही थी, जब वह 'बर्फी' और 'जग्गा जासूस' जैसी फिल्मों में अनुराग के साथ काम कर रहे थे।

इस गलतफहमी को दूर करते हुए फातिमा ने कहा कि अनुराग बसु स्क्रिप्ट के साथ काम करते हैं और बहुत ही प्लानिंग के साथ शूटिंग करते हैं।

जब फातिमा से पूछा गया कि क्या अनुराग बसु पूरी तैयारी के साथ सेट पर आते हैं, तो उन्होंने आईएएनएस को बताया, वह पूरी तैयारी के साथ सेट पर आते हैं। वह खुद सीन की ब्लॉकिंग यानी कैमरा और एक्टर्स की मूवमेंट तय करते हैं और खुद एक्टिंग करके सीन समझाते हैं। लोग ये सब नहीं देख पाते, लेकिन वह हर चीज पहले से तय और तैयार रखते हैं। जब एक्टर सेट पर आता है तो वह बस अपने डायलॉग याद करता है, सीन करता है और उस पल में डूब जाता है। इसके लिए जरूरी होता है कि बाकी सब कुछ पहले से परफेक्ट हो, जैसे लाइटिंग, कैमरा सेटअप, सीन की प्लानिंग वगैरह। अनुराग बसु ये सब पहले से 100 प्रतिशत तैयार रखते हैं। एक्ट्रेस ने आगे कहा, ये मुमकिन ही नहीं है कि कोई डायरेक्टर बिना जाने कि उसे क्या बनाना है, या बिना स्क्रिप्ट के फिल्म बना ले। 'बर्फी' और 'जग्गा जासूस' जैसी फिल्में बनाना बहुत ही मुश्किल है। ऐसी फिल्में जो एक अलग ही दुनिया दिखाती हैं, उन्हें बनाने के लिए डायरेक्टर के पास पूरी प्लानिंग होनी चाहिए। 'मेट्रो... इन दिनों' 4 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फिल्म शमशेरा के दौरान दिन में 20-20 बार नहाते थे रणबीर कपूर

बॉलीवुड के बेहतरीन अभिनेता रणबीर कपूर 'एनिमल' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्म के बाद इन दिनों 'रामायण' नाम की फिल्म पर काम कर रहे हैं। इस पिक्चर में वों भगवान श्री राम के किरदार में नजर आने वाले हैं। ये उनका एक बिग प्रोजेक्ट है, जिसका उनके फैंस को बेसब्री से इंतजार है। खैर इसी बीच हम आपको रणबीर की एक ऐसी फिल्म के बारे में बता रहे हैं, जिसकी शूटिंग के दौरान अभिनेता को दिन में 20-20 बार नहाना पड़ता था।

यहां बात हो रही है रणबीर कपूर की 'शमशेरा' की। शमशेरा के लिए रणबीर ने काफी मेहनत की थी, लेकिन ये पिक्चर बॉक्स ऑफिस पर चल नहीं पाई। हालांकि रणबीर को इसके शूट के दौरान काफी मुश्किलों से गुजरना पड़ा था। सेट पर 10 से 15 किलो तक धूल जमा करके रखी जाती थी, जिसके चलते उन्हें बार-बार नहाना पड़ता था। रणबीर के किरदार और स्क्रिप्ट की डिमांड के मुताबिक हर दिन सेट पर 10 से 15 किलों तक धूल इकट्ठा करके रखी जाती थी। रणबीर ने अपने एक इंटरव्यू में बताया था कि इस धूल को पंखे की मदद से उनके ऊपर उड़ाया जाता था। धूल उनके बालों में, मुंह में और आंखों में चली जाती थी।

दिन में 20 बार नहाते थे रणबीर

रणबीर कपूर ने आगे कहा था कि धूल से सने रहने के चलते उन्हें डायलॉग बोलने में भी दिक्क़त होती थी। वहीं घर जाकर एक्टर हर दिन 20 बार नहाते थे। इसके बावजूद उनके बालों से और शरीर के अन्य हिस्से से धूल पूरी तरह निकल नहीं पाती थी।

'शमशेरा' में निभाया डबल रोल

चाहे शमशेरा को फैंस ने पसंद न किया हो लेकिन इस पिक्चर के लिए रणबीर की तारीफें हुई थीं। खास बात ये है कि इसमें उन्होंने डबल रोल निभाया था। वो शेरा के अलावा बलि के किरदार में भी थे। उन्होंने बाप-बेटे दोनों की भूमिका निभाई थी। 22 जुलाई 2022 को रिलीज हुई इस पिक्चर में संजय दत्त विलेन की भूमिका में थे। करण मल्होत्रा के डायरेक्शन में बनी शमशेरा का हिस्सा आशुतोष राणा, रोनित रॉय, सौरभ शुक्ला और त्रिधा चौधरी भी थे। लेकिन पिक्चर टिकट खिड़की पर फ्लॉप हो गई।

फिल्म आँखों की गुस्ताखियाँ का गीत नज़ारा हुआ रिलीज़

विक्रांत मैसी और शनाया कपूर की आने वाली फिल्म आँखों की गुस्ताखियाँ का गाना नज़ारा रिलीज़ हो गया है। यह गाना आपको मीठे और सच्चे प्यार की मासूमियत को फिर से महसूस कराएगा। इस म्यूजिकल रोमांटिक फिल्म के मेकर्स ने हाल ही में यह गाना रिलीज़ किया है, जिसमें विक्रांत और शनाया की छू लेने वाली और दिल को छू जाने वाली केमिस्ट्री की झलक दिख रही है। यह ऑन-स्क्रीन अनुभव आपको प्यार की पवित्रता का एहसास कराने का वादा करता है। पहले प्यार की धड़कन से लेकर आंखों के इशारे, मुस्कान का आदान-प्रदान और इनके बीच सब कुछ, विक्रांत मैसी और शनाया कपूर ने प्यार के रोमांच को जीवंत कर दिया है। ये दोनों भले ही इस एहसास को पर्दे पर लाए हैं, लेकिन गाने की अपील विशाल मिश्रा की आवाज़, कंपोजीशन और बोल से और बढ़ गई है। कुमार गौरव सिंह ने संगीत में सहायता की है, जबकि कंदरपा कलिता ने प्रोडक्शन और गिटार का काम संभाला है। गाने की रिकॉर्डिंग, मिक्सिंग और मास्टरिंग का काम त्रिहांकू लाहकर ने किया है, जबकि बिटूपोन बोरुआ ने गाने के प्रोडक्शन का जिम्मा संभाला है।

गाने के बारे में बात करते हुए, विशाल मिश्रा कहते हैं, आँखों की गुस्ताखियाँ' के लिए 'नज़ारा' को कंपोज़ करना मेरे लिए सबसे निजी यात्राओं में से एक रहा है। पहली धुन से ही, मैं एक ऐसी धुन बनाना चाहता था जो हमेशा याद रहे, कुछ ऐसा जो चुपचाप आपके दिल को छू जाए और आपके साथ रहे। गाने के बोल मासूमियत और भावनाओं से बुने गए हैं, जो पहले प्यार और इत्तेफाक से हुई मुलाकातों के कोमल जादू की गूंज हैं। 'नज़ारा' कमज़ोरी का एक उत्सव है, उस तरह के प्यार का जो आपको अचानक चौंका देता है और एक याद की तरह बना रहता है। मुझे सच में उम्मीद है कि यह लोगों को फिर से प्यार में विश्वास दिलाएगा।

अब जबकि गाने ने विक्रांत और शनाया के गहरे रिश्ते की एक झलक दे दी है, दर्शक फिल्म में उनकी पेशकश देखने के लिए उत्सुकता से इंतजार कर रहे हैं, जो जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज़ होगा।

ज़ी स्टूडियोज और मिनी फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत और मानसी बागला, वरुण बागला और ओपन विंडो फिल्म्स द्वारा निर्मित, आँखों की गुस्ताखियाँ का निर्देशन संतोष सिंह ने किया है और इसे मानसी बागला ने लिखा है। विशाल मिश्रा ने इसका संगीत दिया है। विक्रांत मैसी और शनाया कपूर अभिनीत यह रोमांटिक म्यूजिकल फिल्म 11 जुलाई 2025 को सिनेमाघरों में अपना जादू बिखेरने के लिए तैयार है।

रकुल प्रीत सिंह ने सोशल मीडिया पर शेयर किया पर्यावरण से जुड़ने का तरीका

बॉलीवुड अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह ने अपने वेलनेस रूटीन से एक शांत पल को सोशल मीडिया पर शेयर किया। उन्होंने एक बगीचे में नंगे पैर चलते हुए खुद का एक वीडियो पोस्ट किया। ग्राउंडिंग की प्रथा को बढ़ावा देते हुए, उन्होंने सभी को प्रकृति से फिर से जुड़ने और सप्ताह में कम से कम एक बार इससे होने वाले लाभों का अनुभव करने के लिए प्रोत्साहित किया। इंस्टाग्राम स्टोरीज पर, 'थैंक गॉड' अभिनेत्री ने एक हरे-भरे बगीचे में नंगे पैर चलते हुए खुद का एक शांत वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने अपने फैंस से भी ऐसा करने के लिए कहा। कैप्शन में, अभिनेत्री ने अभ्यास के लाभों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने लिखा, ग्राउंडिंग या नंगे पैर चलने के कई फायदे हैं। कोशिश करें और ऐसा करने के लिए अपने लिए एक बगीचा खोजें। सप्ताह में कम से कम एक बार प्रकृति से जुड़ें।

रकुल प्रीत सिंह ने हाल ही में अपनी एक पोस्ट में ग्राउंडिंग की प्रथा को बढ़ावा देते हुए नजर आ रही हैं, जिसमें वह बाग में नंगे पैर चलती हुई नजर आ रही हैं। विश्व पर्यावरण दिवस पर, रकुल ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की और लोगों से पर्यावरण को बचाने के लिए सक्रिय कदम उठाने का आग्रह किया। उन्होंने लिखा, ''पर्यावरण वह जगह है जहां हम सभी मिलते हैं; जहां हमारी साझा दिलचस्पी है। बस जश्न मनाने से कुछ नहीं होगा - कार्य करें। पौधे लगाएं। रीसाइकिल करें। सुरक्षा करें,

वीडियो में, 'रनवे 34' की अभिनेत्री ने कहा, मेरा हमेशा से मानना रहा है कि जब ग्रह हमें वह सब कुछ देता है जो हमें एक महान जीवन जीने के लिए चाहिए, तो आपको इसे समाज को वापस देना होगा। यह न्यूनतम है जो आप कर सकते हैं। वर्क फ्रंट की बात करें, 34 वर्षीय अभिनेत्री अगली बार आगामी रोमांटिक कॉमेडी 'दे दे प्यार दे-2' में दिखाई देंगी, जो 2019 की बॉक्स ऑफिस हिट का सीक्वल है।

वह एक बार फिर आयशा खुराना की भूमिका में नजर आएंगी, जिसमें अजय देवगन भी अपने किरदार आशीष मेहरा को दोहराएंगे। आर। माधवन देव खुराना, आयशा के पिता के किरदार में नजर आएंगे। निर्देशक अंशुल शर्मा द्वारा निर्देशित इस सीक्वल में तब्बू, जिमी शेरगिल, आलोक नाथ और इनायत सूद जैसे जाने-पहचाने चेहरे वापस आ रहे हैं।

आलिया भट्ट और शरवरी ने शुरू की अल्फा के शानदार गाने की तैयारी

बॉलीवुड की बेहतरीन अभिनेत्री आलिया भट्ट और शरवरी वाघ अपनी अपकमिंग फिल्म 'अल्फा' के एक भव्य गाने की शूटिंग की तैयारी में जुट गई हैं। यश राज फिल्म्स ने अपनी आगामी एक्शन फिल्म 'अल्फा' के लिए एक भव्य प्रोमोशनल गाने की तैयारी शुरू कर दी है। आलिया और शरवरी इस गाने में एकदम नए और अनोखे अंदाज में दिखेंगी। इस गाने में दोनों धमाकेदार डांस करती नजर आएंगी।

सूत्रों के अनुसार, दोनों पिछले दो महीने से मुंबई के वाईआरएफ स्टूडियो में इस गाने की तैयारी कर रही हैं। वे अपने डांस स्टेप्स को परफेक्ट करने और गाने के लिए जरूरी फिजिकल लुक हासिल करने में जुटी हैं। शरवरी ने 'अल्फा' में आलिया के साथ काम करने के बारे में बात की। उन्होंने कहा, आलिया एक शानदार अभिनेत्री और इंसान हैं। उनके साथ सेट पर हर दिन एक मास्टरक्लास जैसा था। मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा और इसे अपने भविष्य के प्रोजेक्ट्स में लागू करूंगी। शरवरी ने आलिया के साथ काम करने को एक परिवर्तनकारी अनुभव बताया।'अल्फा' एक महिला-प्रधान एक्शन फिल्म है, जो आलिया भट्ट को यश राज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स में शामिल करती है। यह पहली बार है जब इस यूनिवर्स में किसी महिला सुपरस्टार के इर्द-गिर्द फिल्म बनाई जा रही है।'अल्फा' का निर्देशन शिव रवैल कर रहे हैं, जिसमें शरवरी वाघ और आलिया भट्ट मुख्य भूमिकाओं में हैं। 'अल्फा' क्रिसमस के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सूर्य पूजा से दूर होती हैं बीमारियां और बढ़ती है उम्र

धार्मिक और सेहत के हिसाब से महत्वपूर्ण है आषाढ़ मास

आषाढ़ महीना 12 जून से 10 जुलाई 2025 तक रहेगा। धार्मिक मान्यता के अनुसार, आषाढ़ माह में गुरु की उपासना सबसे फलदायी होती है। इस महीने में श्री हरि विष्णु की उपासना से भी संतान प्राप्ति का वरदान मिलता है। इस महीने में जल देव की उपासना का भी महत्व है। कहा जाता है कि जल देव की उपासना करने से धन की प्राप्ति होती है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि ऊर्जा के स्तर को संयमित रखने के लिए आषाढ़ के महीने में सूर्य की उपासना की जाती है। आषाढ़ मास के प्रमुख व्रत-त्योहारों में जगन्नाथ रथयात्रा है। इसी महीने देवशयनी एकादशी के दिन से श्री हरि विष्णु शयन के लिए चले जाते हैं जिसके कारण अगले चार माह तक शुभ कार्यों को करने की मनाही है। इसे चतुर्मास के नाम से भी जाना जाता है। स्कंद पुराण के मुताबिक इस महीने में भगवान विष्णु और सूर्य की पूजा करने से बीमारियां दूर होती हैं और उम्र भी बढ़ती है। आषाढ़ में रविवार और सप्तमी तिथि का व्रत रखने से मनोकामनाएं भी पूरी होती हैं। भविष्य पुराण में कहा गया है कि सूर्य को जल चढ़ाने से दुश्मनों पर जीत मिलती है।

आषाढ़ महीना 12 जून से 10 जुलाई 2025 तक रहेगा। इस महीने उगते हुए सूरज को अर्घ्य देने की परंपरा है। आषाढ़ के दौरान सूर्य अपने मित्र ग्रहों की राशि में रहता है। इससे सूर्य का शुभ प्रभाव और बढ़ जाता है। स्कंद पुराण के मुताबिक आषाढ़ महीने में भगवान विष्णु के वामन अवतार की पूजा करनी चाहिए। क्योंकि इस महीने के देवता भगवान वामन ही हैं। इसलिए आषाढ़ महीने के शुक्लपक्ष की द्वादशी तिथि पर भगवान वामन की विशेष पूजा और व्रत की परंपरा है। वामन पुराण के मुताबिक आषाढ़ महीने के दौरान भगवान विष्णु के इस अवतार की पूजा करने से मनोकामनाएं पूरी होती हैं। संतान सुख मिलता है, जाने-अनजाने में हुए पाप और शारीरिक परेशानियां भी खत्म हो जाती हैं। आषाढ़ महीना धर्म-कर्म के अलावा सेहत के नजरिये से भी बहुत खास होता है। आयुर्वेद के प्रमुख आचार्य चरक, सुश्रुत और वागभट्ट ने इस महीने को ऋतुओं का संधिकाल कहा है। यानी ये मौसम परिवर्तन का समय होता है। इस दौरान गर्मी खत्म होती है और बारिश की शुरुआत होती है। ज्योतिषीयों के मुताबिक आषाढ़ महीने में सूर्य मिथुन राशि में रहता है। इस कारण भी रोगों का संक्रमण बढ़ता है।

श्रीराम ने की थी सूर्य पूजा

स्कंद और पद्म पुराण के अनुसार सूर्य को देवताओं की श्रेणी में रखा गया है। उन्हें भक्तों को प्रत्यक्ष दर्शन देने वाला भी कहा जाता है। इसलिए आषाढ़ महीने में सूर्यदेव को जल चढ़ाने से विशेष पुण्य मिलता है। वाल्मीकि रामायण के अनुसार युद्ध के लिए लंका जाने से पहले भगवान श्रीराम ने भी सूर्य को जल चढ़ाकर पूजा की थी। इससे उन्हें रावण पर जीत हासिल करने में मदद मिली। आषाढ़ महीने में सूर्य को जल चढ़ाने से सम्मान, सफलता और तरक्की मिलती है। दुश्मनों पर जीत के लिए भी सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है।

सूर्य पूजा से बढ़ता है आत्मविश्वास

सूर्य को जल चढ़ाने से आत्मविश्वास बढ़ता है। सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है। आषाढ़ महीने में सूर्योदय से पहले नहाकर उगते हुए सूरज को जल चढ़ाने के साथ ही पूजा करने से बीमारियां दूर होती हैं। भविष्य पुराण में श्रीकृष्ण ने अपने पुत्र को सूर्य पूजा का महत्व बताया है। श्रीकृष्ण ने कहा है कि सूर्य ही एक प्रत्यक्ष देवता हैं। यानी ऐसे भगवान हैं जिन्हें रोज देखा जा सकता है। श्रद्धा के साथ सूर्य पूजा करने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। सूर्य पूजा से कई ऋषियों को दिव्य ज्ञान प्राप्त हुआ है।

सूर्य को देना चाहिए अर्घ्य

सुबह सूर्योदय से पहले उठकर तीर्थ स्नान करें। संभव नहीं हो तो घर पर ही पानी में गंगाजल डालकर नहाएं। इसके बाद भगवान सूर्य को जल चढ़ाएं। इसके लिए तांबे के लोटे में जल भरें और चावल, फूल डालकर सूर्य को अर्घ्य दें। जल चढ़ाते समय सूर्य के वरूण रूप को प्रणाम करते हुए ऊं रवये नमः मंत्र का जाप करें। इस जाप के साथ शक्ति, बुद्धि, स्वास्थ्य और सम्मान की कामना करना चाहिए। इस प्रकार जल चढ़ाने के बाद धूप, दीप से सूर्य देव का पूजन करें। सूर्य से संबंधित चीजें जैसे तांबे का बर्तन, पीले या लाल कपड़े, गेहूं, गुड़, लाल चंदन का दान करें। श्रद्धानुसार इन में से किसी भी चीज का दान किया जा सकता है। इस दिन सूर्यदेव की पूजा के बाद एक समय फलाहार करें।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

शुरू होता है बारिश का मौसम

आषाढ़ महीने में गर्मी खत्म होने लगती है और ये बारिश का मौसम शुरू होता है। दो मौसमों के संधिकाल की वजह से इन दिनों बीमारियों का संक्रमण ज्यादा होने लगता है। साथ ही नमी की वजह से फंगस और इनडाइजेशन की समस्या भी बढ़ जाती है। इसी महीने में ही मलेरिया, डेंगू और वाइरल फीवर ज्यादा होते हैं। इसलिए खान-पान पर ध्यान देते हुए छोटे-छोटे बदलाव कर के ही बीमारियों से बचा जा सकता है।

बढ़ने लगते हैं फंगस रोग

आयुर्वेद के मुताबिक आषाढ़ महीने के दौरान फंगस रोग बढ़ने लगते हैं। जिससे बचने के लिए नीम, लौंग, दालचीनी, हल्दी और लहसुन का इस्तेमाल ज्यादा करना चाहिए। इनके साथ ही त्रिफला चूर्ण को गरम पानी के साथ लेना चाहिए और गिलोय भी खाना चाहिए। साथ ही इस महीने में टमाटर, अचार, दही और अन्य खट्टी चीजें खाने से बचना चाहिए।

मसालेदार खाने से परहेज

ऋतु परिवर्तन के इस काल में पानी से संबंधित बीमारियां ज्यादा होती हैं। ऐसे में इन दिनों पानी उबालकर पीना चाहिए। आषाढ़ में रसीले फलों का सेवन ज्यादा करना चाहिए। इन दिनों में आम और जामुन खाने चाहिए। हालांकि बेल से पहरेज करें। पाचन शक्ति सही रखने के लिए मसालेदार और तली भुनी चीजें कम खानी चाहिए। आषाढ़ महीने में सौंफ और हींग का सेवन करना फायदेमंद माना गया है। इस महीने में साफ-सफाई पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है।

वामन रूप की पूजा और व्रत

आषाढ़ महीने के गुरुवार को भगवान विष्णु के वामन रूप की पूजा का विशेष महत्व बताया गया है। इस दिन व्रत और पूजा के बाद छोटे बच्चे को भगवान वामन का रूप मानकर भोजन करवाया जाता है और जरूरत की चीजों का दान भी किया जाता है। साथ ही इस महीने की दोनों एकादशी तिथियों पर भगवान वामन की पूजा के बाद अन्न और जल का दान किया जाता है।

वामन रूप में अवतार

सतयुग में असुर बलि ने देवताओं को पराजित करके स्वर्गलोक पर अधिकार कर लिया था। इसके बाद सभी देवता भगवान विष्णु के मदद मांगने पहुंचे। तब विष्णुजी ने देवमाता अदिति के गर्भ से वामन रूप में अवतार लिया। इसके बाद एक दिन राजा बलि यज्ञ कर रहा था, तब वामनदेव बलि के पास गए और तीन पग धरती दान में मांगी। शुक्राचार्य के मना करने के बाद भी राजा बलि ने वामनदेव को तीन पग धरती दान में देने का वचन दे दिया। इसके बाद वामनदेव ने विशाल रूप धारण किया और एक पग में धरती और दूसरे पग में स्वर्गलोक नाप लिया। तीसरा पैर रखने के लिए कोई स्थान नहीं बचा तो बलि ने वामन को खुद सिर पर पग रखने को कहा। वामनदेव ने जैसे ही बलि के सिर पर पैर रखा, वह पाताल लोक पहुंच गया। बलि की दानवीरता से प्रसन्न होकर भगवान ने उसे पाताललोक का स्वामी बना दिया और सभी देवताओं को उनका स्वर्ग लौटा दिया।

आषाढ़ मास व्रत - त्यौहार

14 जून - संकष्टी गणेश चतुर्थी
15 जून - मिथुन संक्रांति
21 जून - योगिनी एकादशी
23 जून - प्रदोष व्रत, मास शिवरात्रि
24 जून - रोहिणी व्रत
25 जून - अमावस्या, आषाढ़ अमावस्या
26 जून - गुप्त नवरात्रि आरंभ, चंद्र दर्शन
27 जून - जगन्नाथ रथयात्रा
06 जुलाई - आषाढ़ी एकादशी, देवशयनी एकादशी
08 जुलाई - भौम प्रदोष व्रत, जया पार्वती व्रत प्रारंभ
10 जुलाई - पूर्णिमा, गुरु पूर्णिमा, व्यास पूजा, सत्य व्रत

संकष्टी चतुर्थी पर करें अपनी राशि के अनुसार उपाय, मिलेगा मनचाहा फल

हर महीने की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि पर संकष्टी चतुर्थी का व्रत किया जाता है। यह तिथि भगवान गणेश की पूजा-अर्चना के लिए काफी खास मानी जाती है। पंचांग के अनुसार, इस बार कृष्णपिङ्गल संकष्टी का व्रत शनिवार 14 जून को किया जाएगा। इस दिन पर चंद्र दर्शन करने के बाद ही व्रत का पारण किया जाता है। ऐसे में चंद्रोदय का रात 10 बजकर 7 मिनट है।

❋ राशि अनुसार उपाय ❋

मेष राशि – इस राशि के जातकों संकष्टी चतुर्थी के दिन 'ॐ गजाननाय नमः' मंत्र का जप करना चाहिए। इसी के साथ बप्पा को लाल चंदन अर्पित करें।

वृषभ राशि – इन राशि के लोगों को कृष्णपिङ्गल संकष्टी चतुर्थि के दिन 'ॐ गणेशाय नमः' मंत्र का जप करना चाहिए।

मिथुन राशि – इन लोगों को गणपति जी को बेसन के लड्डुओं का भोग लगाना चाहिए। इसी के साथ पूजा के समय 'ॐ द्वैमातुराय नमः' मंत्र का जप करें।

कर्क राशि – संकष्टी चतुर्थी की पूजा कर्क राशि के लोग बप्पा को दूर्वा घास अर्पित करें। इसके साथ ही 'ॐ प्रमुखाय नमः' मंत्र का जप करें।

सिंह राशि – एकदंत संकष्टी चतुर्थी के दिन इस राशि के लोगों को गणेश जी को पंचामृत अर्पित करना चाहिए और 'ॐ विष्णुप्रियाय नमः' मंत्र का जप करना चाहिए।

कन्या राशि – कृष्णपिङ्गल संकष्टी चतुर्थी के दिन 'ॐ सुखनिधये नमः' मंत्र का जप करें और गणेश जी को पीला चंदन लगाएं।

तुला राशि – आप संकष्टी चतुर्थी की पूजा के दौरान भगवान गणेश को पीला चंदन लगा सकते हैं। इसके साथ ही 'ॐ महावीराय नमः' मंत्र का जप करें।

वृश्चिक राशि – भगवान गणेश का दही और शहद से अभिषेक कर सकते हैं और 'ॐ प्रमधाय नमः' मंत्र का जप करें।

धनु राशि – इस राशि के जातक संकष्टी चतुर्थी की पूजा में 'ॐ भवात्मजाय नमः' मंत्र का जप करें। इसी के साथ गणेश जी को पीले रंग के फूल और पीले वस्त्र अर्पित करें।

मकर राशि – इस राशि के जातक संकष्टी चतुर्थी के दिन 'ॐ पार्वतीनन्दनाय नमः' मंत्र का जप करें और साथ ही गणेश चालीसा का भी पाठ करें।

कुंभ राशि – भगवान गणेश को दूर्वा घास चढ़ाएं और 'ॐ मोदकप्रियाय नमः' मंत्र का जप करें।

मीन राशि – पूजा के दौरान 'ॐ मङ्गलप्रदाय नमः' मंत्र का जप करें। साथ ही गणपति जी को खीर का भोग लगाएं।

नकारात्मक ऊर्जा से हो गए हैं परेशान, तो आषाढ़ माह में इन जगहों पर जलाएं दीपक, प्रसन्न होंगी मां लक्ष्मी

वैदिक पंचांग के अनुसार, आषाढ़ का महीना चौथा होता है। इस बार आषाढ़ के महीने की शुरुआत 12 जून से हुई है। वहीं, इस महीने का समापन 10 जुलाई को होगा। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस माह में भगवान विष्णु की पूजा करने से साधक को जीवन में शुभ परिणाम मिलते हैं। साथ ही सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है। इसके अलावा इस महीने में कुछ प्रमुख जगहों पर दीपक जलाने से व्यक्ति की किस्मत चमक सकती है। साथ ही घर में उत्पन्न नकारत्मक ऊर्जा से छुटकारा मिलता है।

मनचाहा मिलेगा करियर

आषाढ़ के महीने में पवित्र नदी में स्नान करना शुभ माना जाता है। अगर आप सुख-समृद्धि में वृद्धि चाहते हैं, तो आषाढ़ माह में गंगा स्नान करें और सूर्य देव एवं पितरों को अर्घ्य दें। साथ ही दीपदान करें। ऐसा माना जाता है कि इस उपाय को करने से पितृ दोष की समस्या से छुटकारा मिलता है। साथ ही सूर्य देव की कृपा से मनचाहा करियर मिलता है।

प्राप्त होगा भगवान विष्णु का आशीर्वाद

इसके अलावा आषाढ़ के महीने में जगत के पालनहार भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा-अर्चना करने का विधान है, तो ऐसे में रोजाना श्रीहरि की उपासना करें और मंदिर में देसी घी का दीपक जलाएं। ऐसा माना जाता है कि इस उपाय को करने से जीवन में सुख-शांति का आगमन होता है। साथ ही भगवान विष्णु का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

नहीं होगी धन की कमी

आषाढ़ के महीने में मां तुलसी की पूजा करना शुभ माना जाता है। अगर आप मां तुलसी की कृपा प्राप्त करना चाहते हैं, तो रोजाना तुलसी के पास देसी घी का दीपक जलाएं। साथ ही मां तुलसी से जीवन में सुख-शांति की प्राप्ति के लिए कामना करें। इस उपाय को करने से मां तुलसी के आशीर्वाद से जीवन में कभी भी धन की कमी नहीं होती है और धन लाभ के योग बनते हैं।

घर में होगा सकारात्मक ऊर्जा का वास

अगर आप घर में नकारत्मक ऊर्जा का सामना कर रहे हैं, तो आषाढ़ के महीने में रोजाना घर के मेन गेट पर दीपक जलाएं। ऐसा माना जाता है कि मेन गेट पर दीपक जलाने से घर में मां लक्ष्मी का आगमन होता है। साथ ही सकारात्मक ऊर्जा का वास होता है।

शुक्रवार को कपूर के टोटके : एक भी आजमा लें तो महालक्ष्मी की कृपा से जीवनभर रहेंगे मालामाल!

हिंदू धर्म में शुक्रवार के दिन विशेष रूप से धन की देवी माता लक्ष्मी की पूजा करना फलदायी माना गया है। ऐसा करने से व्यक्ति के जीवन में सदैव खुशहाली बनी रहती है और माता लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है। वहीं, शास्त्रों में सप्ताह के हर दिन के लिए उपाय और टोटके बताए गए हैं, जिन्हें बहुत असरदार माना जाता है। ऐसे में अगर आप शुक्रवार के दिन कपूर के टोटके कर लें, तो इससे जीवन में चल रही पैसों की तंगी से निजात मिल सकती है और मां लक्ष्मी के आशीर्वाद से कई संकटों से छुटकारा मिल सकता है।

घर से नकारात्मकता दूर करने का टोटका

अपने घर से नकारात्मकता दूर करने और सकारात्मकता लाने के लिए शुक्रवार के दिन माता लक्ष्मी की पूजा करने के साथ-साथ एक आसान टोटका भी किया जा सकता है। इसके लिए शाम के समय मां लक्ष्मी की पूजा व आरती करने के बाद एक छोटे पात्र में कपूर, लौंग और तेज पत्ता जलाएं। अब इसके धुएं को पूरे घर में दिखाएं और फिर, बची हुई राख को घर से कहीं दूर लेजाकर फेंक दें। शुक्रवार को शाम के समय इस टोटके को करने से घर से नकारात्मक ऊर्जा दूर होने लगती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इस एक छोटे से टोटके से घर में शांति का माहौल बना रहता है।

शुक्रवार को धन प्राप्ति का टोटका

अगर आप पैसों की तंगी का सामना कर रहे हैं, तो हर शुक्रवार के दिन माता लक्ष्मी की विधि-विधान से पूजा करनी चाहिए और जीवन में सुख-समृद्धि की कामना भी करें। इसके अलावा, धन प्राप्ति के लिए शुक्रवार को एक लाल रंग के साफ वस्त्र में लाल गुलाब, लौंग और कपूर को बांध लें। अब इस पोटली को अपनी तिजोरी या धन रखने वाले स्थान पर रख दें। साथ ही, हर सप्ताह इस पोटली को बदलते हैं। कपूर के इस टोटके को शुक्रवार के दिन करने से पैसों की तंगी से निजात मिल सकती है और घर की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। साथ ही, कपूर यह टोटका विधि पूर्वक करने से जातक माता लक्ष्मी की कृपा से धनवान बन सकता है।

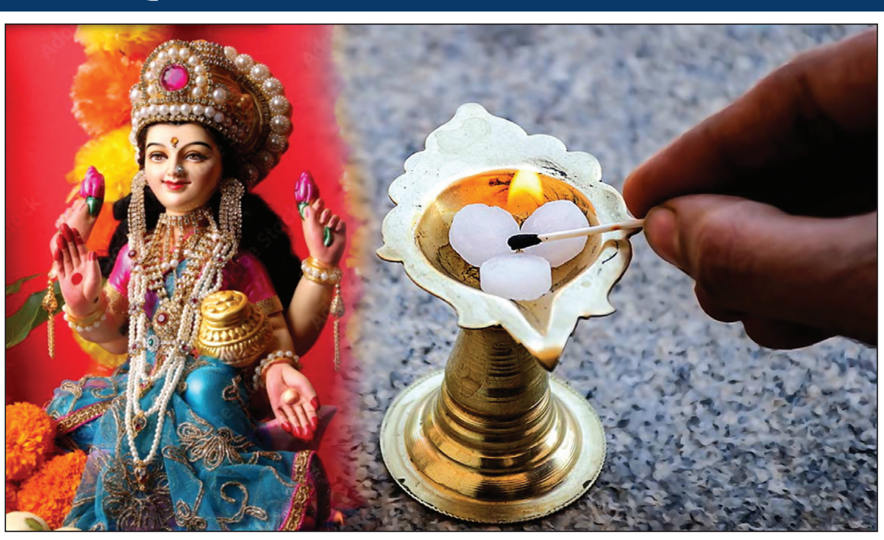

जीवन में सुख-समृद्धि के लिए कपूर का टोटका

शुक्रवार के दिन रात के समय सोने से पहले एक पात्र में कपूर, दालचीनी, लौंग और तेजपत्ता रखें। अब इसे अपने बिस्तर के नीचे रातभर रखा रहने दें। इसके बाद, अगले दिन सुबह सभी सामग्री को घर के बाहर जलाकर इसकी राख को कहीं दूर नदी में प्रवाहित कर दें। शुक्रवार के दिन इस टोटके को करने से जीवन में आने वाली समस्याओं से निजात मिल सकती है और वैवाहिक जीवन में भी खुशियां आने लगती है। अगर पति-पत्नी के बीच छोटी-छोटी बात पर झगड़े या मनमुटाव होते रहते हैं, तो इस टोटके को एक बार जरूर आजमाएं। इससे जीवनसाथी के साथ रिश्ते में मधुरता आती है और दोनों के बीच का प्रेम बढ़ता है। साथ ही, शुक्रवार को कपूर का यह टोटका करने से जीवन में हमेशा सुख-समृद्धि बनी रहती है।

गृह क्लेश दूर करने का टोटका

अगर आपके घर में छोटी-छोटी बातों पर अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहते हैं या परिवार के सदस्यों के बीच तनाव बना रहता है, तो शुक्रवार के दिन एक कपूर का एक आसान और असरदार टोटका आजमा सकते हैं। इसके लिए शाम के वक्त माता लक्ष्मी की विधिपूर्वक पूजा करें और इस दौरान एक कपूर को घी में डुबोकर जलाएं। हर शुक्रवार के दिन इस टोटके को जरूर करें। ऐसा करने से परिवार के सदस्यों को माता लक्ष्मी की कृपा प्राप्त हो सकती है और गृह क्लेश से भी निजात मिल सकती है। मान्यता है कि शुक्रवार के दिन पूजा के समय कपूर को घी में डुबोकर जलाने से घर का माहौल खुशनुमा बना रहता है।

किस्मत बदलने वाला कपूर का टोटका

कई बार कड़ी मेहनत और लाख प्रयास करने के बाद भी हमारे हाथ कामयाबी नहीं लगती है। शास्त्रों में इसके पीछे कई कारण बता सकते हैं। ऐसे में अपनी किस्मत चमकाने के लिए आप शुक्रवार के दिन कपूर का विशेष टोटका आजमा सकते हैं। इसके लिए शाम को माता लक्ष्मी की पूजा के बाद एक लाल रंग के साफ वस्त्र में 2 कपूर, गुड़हल का फूल और 5 लौंग बांध लें। अब इस पोटली को चुपचाप किसी सुनसान स्थान पर रख आएं। शुक्रवार को यह टोटका करने से जातक की सोई किस्मत चमक सकती है और करियर में तरक्की हासिल होती है। माना जाता है कि इस टोटके से कारोबार और नौकरी में भी सफलता हासिल हो सकती है।

संपादकीय

'अच्छे दिन' का इंतजार है

प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार ने 9 जून को सत्ता में 11 साल पूरे कर लिए हैं। लोकतंत्र में यह महत्वपूर्ण जनादेश और सरकारी स्थिरता का प्रतीक है। प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू और प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के बाद प्रधानमंत्री मोदी का कार्यकाल सबसे लंबा है। उनके मौजूदा कार्यकाल के अभी चार साल शेष हैं। भारत में प्रत्येक प्रधानमंत्री प्रशंसा और साधुवाद का पात्र है, क्योंकि आबादी 50 करोड़ रही हो अथवा अब 146 करोड़ से अधिक, विश्व में सर्वाधिक आबादी है, उनकी अपेक्षाओं और आकांक्षाओं को संतोषजनक रूप से संबोधित करना, हल करने का प्रयास करना, बेहद मुश्किल काम है। बहरहाल मौजूदा मोदी सरकार का प्रथमद्रष्ट्या आकलन करें, तो यकीनन ये बदलाव, विकास और विस्तार के 11 साल हैं। कांग्रेस का इन्हें 'नाकामियों के 11 साल' करार देना स्वाभाविक है, क्योंकि वह प्रमुख विपक्षी दल है, लेकिन इतने लंबे सालों के बाद आज भी 'अच्छे दिनों' का इंतजार है। मोदी सरकार के अनुच्छेद 370 निरस्त करने, तीन तलाक का कानून बनाने, उज्ज्वला योजना, हर नल में जल, महिला वंदन अधिनियम, कश्मीर में दुनिया का सबसे ऊंचे, 359 मीटर, केबल स्टे रेलवे पुल बनवाने और चांद पर सफलता से उतरने से लेकर नोटबंदी, कोरोना तालाबंदी, तीन कृषि कानून, आर्थिक असमानताओं, बेरोजगारी, महंगाई, कुपोषण आदि तक सरकार ने सफलताएं भी अर्जित की हैं और नाकाम भी साबित हुई है, लेकिन सरकार की सक्रियता निरंतर रही है। यकीनन घर-घर शौचालय बनवाना सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक बदलाव का प्रतीक है। भारत 1947 में आजाद हुआ था। तब से 2014 तक देश की जीडीपी 2 ट्रिलियन डॉलर थी, लेकिन इन 11 सालों के दौरान कुल जीडीपी 4.187 ट्रिलियन डॉलर हो गई और भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया। यह मोदी सरकार का करिश्मा नहीं है, बल्कि देश की बढ़ती आबादी का 'आउटपुट' है। जीडीपी का बुनियादी आधार जनसंख्या होती है, लेकिन चौथी अर्थव्यवस्था वाले देश की प्रति व्यक्ति आय 2.31 लाख रुपए है। विश्व की सर्वोच्च 10 अर्थव्यवस्था वाले देशों में भारत की प्रति व्यक्ति आय सबसे कम है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक की हालिया रपटों में खुलासा किया गया है कि भारत में करीब 27 करोड़ लोग 'अत्यधिक गरीबी' से बाहर आए हैं। नतीजतन गरीबी की औसत दर 5 फीसदी से कुछ ज्यादा तक लुढक़ आई है। जो रोजाना 250 रुपए के करीब खर्च कर सकता है, उसे 'गरीब घर' आंका गया है। आईएमएफ और विश्व बैंक की रपटों को नकारा नहीं जा सकता, लेकिन बार-बार यह सवाल उठता रहा है कि यदि भारत सरकार करीब 81 करोड़ 'गरीब भारतीयों' को हर माह 'मुफ्त राशन' नहीं बांटेगी, तो क्या वे भूखों मर जाएंगे? भारत में गरीबी-रेखा के आधार और परिभाषाएं भिन्न हैं, लिहाजा आरएसएस का 'स्वदेशी जागरण मंच' अब भी स्वीकार करता है कि देश में करीब 11 करोड़ लोग 'गरीबी रेखा के नीचे' हैं। भारत में यह आर्थिक विरोधाभास कब खत्म होगा? या इसे खत्म किया ही नहीं जा सकता? बेशक भारत ने विकास किया है, नतीजतन 11 साल की औसत आर्थिक विकास दर 6.4 फीसदी है। यह विश्व में सर्वाधिक है। भारत में नक्सलवाद अंतिम सांसें गिन रहा है, पूर्वोत्तर राज्यों में उग्रवाद नगण्य है और जम्मू-कश्मीर में लोकतांत्रिक चुनाव के बाद लोगों की अपनी सरकार अस्तित्व में है। अलगाववाद का सफाया हो चुका है। आतंकवाद के अवशेष अब भी हैं, लेकिन कश्मीर में आमूल परिवर्तन आया है। सवाल बुलेट ट्रेन, स्मार्ट सिटी, स्टार्टअप, स्टैंड अप, मैन्यूफैक्चरिंग, निर्यात को लेकर अब भी हैं। भारत के मात्र 18 शहर इन 11 सालों में कथित रूप से 'स्मार्ट सिटी' की परिभाषा के दायरे में आ पाए हैं। देश के कई हिस्सों में नल के पाइप आदि तो दिखाई देते हैं, लेकिन उनमें जल अब भी गायब है, लेकिन देश में विकास का विस्तार जरूर हुआ है। औसतन 35 किमी हररोज सडक़ और राजमार्ग बन रहे हैं। अलबत्ता 'अच्छे दिनों' के लिए प्रतीक्षारत जरूर हैं।

लोकतंत्र में यह महत्वपूर्ण जनादेश और सरकारी स्थिरता का प्रतीक है। प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू और प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के बाद प्रधानमंत्री मोदी का कार्यकाल सबसे लंबा है। उनके मौजूदा कार्यकाल के अभी चार साल शेष हैं। भारत में प्रत्येक प्रधानमंत्री प्रशंसा और साधुवाद का पात्र है, क्योंकि आबादी 50 करोड़ रही हो अथवा अब 146 करोड़ से अधिक, विश्व में सर्वाधिक आबादी है, उनकी अपेक्षाओं और आकांक्षाओं को संतोषजनक रूप से संबोधित करना, हल करने का प्रयास करना, बेहद मुश्किल काम है। बहरहाल मौजूदा मोदी सरकार का प्रथमद्रष्ट्या आकलन करें, तो यकीनन ये बदलाव, विकास और विस्तार के 11 साल हैं। कांग्रेस का इन्हें 'नाकामियों के 11 साल' करार देना स्वाभाविक है, क्योंकि वह प्रमुख विपक्षी दल है, लेकिन इतने लंबे सालों के बाद आज भी 'अच्छे दिनों' का इंतजार है। मोदी सरकार के अनुच्छेद 370 निरस्त करने, तीन तलाक का कानून बनाने, उज्ज्वला योजना, हर नल में जल, महिला वंदन अधिनियम, कश्मीर में दुनिया का सबसे ऊंचे, 359 मीटर, केबल स्टे रेलवे पुल बनवाने और चांद पर सफलता से उतरने से लेकर नोटबंदी, कोरोना तालाबंदी, तीन कृषि कानून, आर्थिक असमानताओं, बेरोजगारी, महंगाई, कुपोषण आदि तक सरकार ने सफलताएं भी अर्जित की हैं और नाकाम भी साबित हुई है, लेकिन सरकार की सक्रियता निरंतर रही है। यकीनन घर–घर शौचालय बनवाना सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक बदलाव का प्रतीक है।

आप का नजरिया

हिमाचल में सैलानी संघर्ष

जून आते ही पर्यटन भीड़ बन जाता और ट्रैफिक लाचारी में फंस जाती है। रिकार्ड के लिए सैलानी चाहिएं तो अटल टनल का घेराव बताता है कि पर्यटन उद्योग वहां कैसा संघर्ष कर रहा है। पर्यटन के संघर्ष की तासीर फिर भी सुधारी जा सकती है, लेकिन सैलानियों के संघर्ष की व्यथा हर बार भारी पड़ती है। कसौली-डलहौजी, मकलोडगंज-शिमला और मनाली के रास्तों पर ट्रैफिक जाम के सिलसिले अंततः हैं तो सैलानियों के संघर्ष ही। बेशक सफर में हिमाचल गतिशील दिखाई देता है, लेकिन रास्तों की खबर परेशान करती है। पर्यटन को मापने का एक यंत्र अटल टनल है, जहां करीब दो महीनों में दो लाख से अधिक वाहन गुजर गए। क्या हमने सोचा इस ट्रैफिक को संचालित करने के लिए कितनी ट्रैफिक पुलिस चाहिए। क्या ऐसे पर्यटन का हालचाल पूछने के लिए पर्यटन पुलिस की अवधारणा को साक्षात नहीं करना होगा। दूसरी ओर ट्रैफिक पेट्रोलिंग के इंतजाम कम से कम इस सीजन की रखवाली तो करें। पिछले और इस साल के पर्यटन की भिन्नता सडक़ पर है, तो सुविधाओं और सौहार्द में भी तो कुछ इजाफा होना चाहिए। मनाली से अटल टनल के सफर को ही सुविधाओं से जोड़ दें, तो अफरा-तफरी का आलम कम से कम पर्यटक को परेशान तो नहीं करेगा। पर्यटकों के बीच वरिष्ठ नागरिक और बच्चों की तादाद भी खूब होती है। सीनियर सिटीजन और बच्चों के पर्यटन से जुड़े विषयों पर हिमाचल ने क्या किया और अगर युवा पर्यटकों की तादाद एक सीमा से अधिक हो गई, तो उसके खतरों के नियंत्रण के लिए हमने क्या किया। कश्मीर की वर्तमान स्थिति ने हिमाचल को अवसर दिया है कि यह राज्य अपने भीतर के कश्मीर को दिखाए। हिमाचल की प्रकृति जिस मुकाम पर है, वहां कितने ही सुरक्षित पहलगाम और गुलमर्ग मौजूद हैं। झीलें, झरने, एग्रो टूरिज्म और जैव विविधता के कई आयाम मौजूद हैं, लेकिन कभी रेणुका झील के दर्द को जानें, सूखती खजियार और धर्मशाला डल के नसीब तो जानें। यहां कितने केदारनाथ बर्फ से लदी चोटियों पर मौजूद हैं, लेकिन हमारी योजनाएं तो पर्यटन मंत्रियों या प्रभारियों की विधानसभाओं में जगराता करती रहीं। पिछले तीन दशकों में पर्यटन के नाम खंडहर हुए परिसर बताते हैं कि हम कितने क्षमतावान हैं। है हमारे पास भी धरोहर। चंबा के अस्तित्व के हजार सालों का औचित्य क्या पर्यटन में साबित हुआ। सुजानपुर, पुराना कांगड़ा का किला, मसरूर मंदिर और गरली-परागपुर के धरोहर गांव आखिर पर्यटन की त्रासदी बनकर क्यों रह गए। कब तक शिमला के माल रोड, मनाली के माल रोड, मकलोडगंज के स्क्वेर या डलहौजी के चौक को बेचोगे। कहां है कला-संस्कृति विभाग। क्या कर रहे हैं हमारे म्यूजियम और हिमाचली कलाकारों को लेकर कौनसे कार्यक्रम पर्यटक स्थलों पर शुरू हो रहे हैं। आखिर भाषा विभाग के बजट से बने सभागारों में पर्यटक सीजन के लिए कौनसा सांस्कृतिक उत्सव चल रहा। हां, कुछ नए उत्सव जरूर शुरू हुए जो राजनीतिक दुकानदारी के सत्ता दोहन में पंजाबी या बाहरी कलाकारों की फरमाइश में मतदाताओं के सामने नेताओं के सिक्के उछाल रहे हैं। आखिर पर्यटक के घंटे बढेंग़े, तो रुकने के दिन भी बढेंग़े। वनखंडी में जू की कल्पना, पौंग, गोविंदसागर या कोल डैम में नौका विहार बेशक महापर्यटन को आमंत्रित करेंगे, लेकिन पर्यटक स्थलों पर मनोरंजन के लिए पार्क, सांस्कृतिक कार्यक्रम, हिमाचली बाजार तथा मनोरंजन व विज्ञान पार्क स्थापित करने होंगे। मनाली सिर्फ माल रोड की भीड़ नहीं, शांति की खोज भी है।

मोदी पर लगातार भरोसा जताया तो इसकी वजह है उनकी कार्यशैली। 2014 की जीत में लोगों की उम्मीदें थीं

मोदी सरकार की उपलब्धियों के ग्यारह साल

उमेश चतुर्वेदी

मोदी सरकार के कार्यकार में यह हुआ है कि भ्रष्टाचारियों पर शिकंजा कसता रहा है। इस शिकंजे से न तो अधिकारी बाहर हैं और न ही राजनेता। तकरीबन पूरे देश में सरकारी तंत्र के कामकाज का अपना तरीका रहा है, उसकी अपनी गति रही है। लेकिन मोदी के नेतृत्व में अब कामकाज का तरीका बदला है। इसे समझने के लिए हाल ही में हुए दुनिया के सबसे ऊंचे पुल के उद्घाटन समारोह को देख सकते हैं। चिनाब पुल के उद्घाटन के वक्त जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जब इस परियोजना की शुरूआत हुई, तब वे आठवीं में पढ़ रहे थे, अब वे पचपन साल के हैं और अब जाकर यह पूरा हो पाया है। मोदी के ग्यारह साल के शासन में तंत्र का कामकाज का तरीका बदला है।

नेहरू और इंदिरा के कार्यकाल के बाद लंबा कार्यकाल वाले प्रधानमंत्री की सूची में मोदी पहुंच चुके हैं। किसने सोचा था कि 1984 में महज दो लोकसभा सीटों तक सिमटने वाली भारतीय जनता पार्टी कभी लगातार तीन संसदीय चुनावों में बाजी मारती रहेगी। इसमें शक नहीं कि यह उपलब्धि भारतीय जनता पार्टी को मोदी के नेतृत्व से ही हासिल हुई है। अगर जनता ने मोदी पर लगातार भरोसा जताया तो इसकी वजह है उनकी कार्यशैली। 2014 की जीत में लोगों की उम्मीदें थीं। इन उम्मीदों की वजह विकास का उनका गुजरात मॉडल रहा। लोगों की उम्मीदों को पूरा करने की उन्होंने जो कोशिश की, 2019 में उसे जनता का भरपूर साथ मिला। उनमें भरोसे की वजह ही थी कि उन्हें और ज्यादा भारी बहुमत से रायसीना की पहाड़ियों के बीच शपथ लेने का मौका मिला। इस कड़ी में देखें तो 2024 में बहुमत से दूर रह जाना खटकता है। लेकिन नहीं भूलना चाहिए कि दस साल के कार्यकाल में आकांक्षाओं का उद्दाम होना स्वाभाविक है और सारी आकांक्षाओं का पूरा कर पाना भी संभव नहीं है। इसलिए कुछ लोग हो सकता है निराश भी रहे हों। जिसका असर चुनाव नतीजों पर दिखा। मोदी के कार्यकाल की कई उपलब्धियां हैं। मोटे तौर पर सबसे बड़ा जो बदलाव दिखता है, वह है कि इस पूरी अवधि में देश में कोई बड़ा भ्रष्टाचार नहीं दिखा। ऐसा नहीं कि सरकारी तंत्र से भ्रष्टाचार पूरी तरह खत्म हो गया है। जमीनी स्तर पर सरकारी तंत्र की सोच में पारंपरिक भ्रष्टाचारी गंध है। मोदी सरकार के कार्यकार में यह हुआ है कि भ्रष्टाचारियों पर शिकंजा कसता रहा है। इस शिकंजे से न तो अधिकारी बाहर हैं और न ही राजनेता। तकरीबन पूरे देश में सरकारी तंत्र के कामकाज का अपना तरीका रहा है, उसकी अपनी गति रही है। लेकिन मोदी के नेतृत्व में अब कामकाज का तरीका बदला है। इसे समझने के लिए हाल ही में हुए दुनिया के सबसे ऊंचे पुल के उद्घाटन समारोह को देख सकते हैं। चिनाब पुल के उद्घाटन के वक्त जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जब इस परियोजना की शुरूआत हुई, तब वे आठवीं में पढ़ रहे थे, अब वे पचपन साल के हैं और अब जाकर यह पूरा हो पाया है। मोदी के ग्यारह साल के शासन में तंत्र का कामकाज का तरीका बदला है। अब वह ज्यादा अनुशासित और लक्ष्यों को वक्त पर पूरा करने को लेकर ज्यादा प्रतिबद्ध हुआ है। नौकरशाही में संजीदापन तो आया है, लेकिन इस पूरी प्रक्रिया में नौकरशाही पर तंत्र के दूसरे अंगों की बजाय ज्यादा भरोसा बढ़ने की वजह से तटस्थ लोगों की नजर में ब्यूरोक्रेसी कई मामलों में बेलगाम भी हुई है। इसे संयोग ही कहेंगे कि जिस समय मोदी सरकार अपनी ग्यारहीं सालगिरह मनाने जा

रही है, उसी वक्त विश्व बैंक की एक रिपोर्ट आई है। इस रिपोर्ट के अनुसार, इस दौरान देश में गरीबों की संख्या 27.1 फीसद से घटकर 5.3 प्रतिशत रह गई है। इससे पहले बीते एक दशक में अत्यधिक गरीबी में जिंदगी गुजार रहे लोगों की दर 2011-12 में जहां 27.1 प्रतिशत रही, वह घट कर 5.3 फीसद रह गई है। यह तब हुआ है, जब विश्व बैंक ने गरीबी रेखा के लिए तीन डॉलर प्रतिदिन खर्च की सीमा कर दी है, जबकि इसके पहले यह सीमा 2.15 डॉलर प्रतिदिन थी। जाहिर है कि इसके पीछे 81 करोड़ लोगों को मुफ्त अन्न योजना के साथ ही उज्ज्वला, मुद्रा आदि योजनाओं की कामयाबी रही है। मोदी सरकार की कई उपलब्धियां है। देश ने मेडिकल कॉलेजों के मोर्चे पर बड़ी सफलता हासिल की है। साल 2014 में जहां इन कॉलेजों की संख्या 387 थी, वह 2025 में बढ़कर 780 हो गई है। इसी तरह एमबीबीएस की सीटें भी 51,348 से बढ़कर 2024 में 1.18 लाख हो गई हैं। मोदी सरकार के कार्यकाल में बीजेपी के दावे के अनुसार, 17.1 करोड़ नई नौकरियां निकलीं। इस दौरान स्टार्टअप से 1.61 लाख युवाओं को रोजगार मिला। बीजेपी के दावे के अनुसार, सरकार की कौशल विकास मिशन के तहत अब तक 2.27 करोड़ से अधिक युवाओं को ट्रेनिंग मिल चुकी है। उज्ज्वला योजना के तहत अब तक करीब दस करोड़ 28 लाख से ज्यादा गैस कनेक्शन दिए जा चुके हैं। मुद्रा योजना के तहत करीब 52करोड़ ऋण खाते खोले गए हैं, यानी करीब इतने लोगों को कर्ज मिल चुका है। इससे उद्यमशीलता को बढ़ावा मिला है। प्रधानमंत्री आवास, जन-धन और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं ने देश में बदलाव लाने में बड़ी भूमिका निभाई है। देशभर में बारह करोड़ शौचालयों का निर्माण भी मामूली उपलब्धि नहीं है। मोदी सरकार की इन योजनाओं के चलते देश में बदलाव हुआ है। सबसे बड़ा बदलाव डीबीटी यानी सीधे कैश ट्रांसफर की योजनाओं ने ग्रामीण और कमजोर वर्गों तक शासन की योजनाओं की पहुंच बढ़ाई है। जापान को पछाड़कर भारत हाल ही में दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। इसका भी श्रेय मोदी सरकार को ही जाता है। देश सिर्फ आर्थिक ही नहीं, सांस्कृतिक मोर्चे पर लगातार विकास कर रहा है। इस विकास में परंपरा, आधुनिकता और वैश्विक जुड़ाव का अद्भुत समावेश नजर आता है। मोदी सरकार की ही देन है कि काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, उज्जैन का महाकाल लोक, मां कामाख्या मंदिर, राम मंदिर अयोध्या, केदारनाथ धाम और जूना सोमनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार हुआ है। राममंदिर के निर्माण की उपलब्धि ही मोदी सरकार के खाते में जाती है। इसी दौरान उत्तराखंड में चारधाम राजमार्ग परियोजना, हेमकुंड साहिब रोपवे और बौद्ध सर्किट विकास जैसी योजनाएं शुरू हुईं। करतारपुर कॉरिडोर के चलते पाकिस्तान स्थित दरबार साहिब भारतीय सिखों के लिए सुलभ हुआ। इसी दौरान राष्ट्रनिर्माताओं को सम्मान देने की दिशा में प्रधानमंत्री संग्रहालय, राष्ट्रीय युद्ध स्मारक, राष्ट्रीय पुलिस स्मारक, जलियांवाला बाग स्मारक और 11 आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय जैसे संस्थान बनाए गए। मोदी के कार्यकाल में ही देश की खोई धरोहरों की वापसी का अभियान तेज हुआ। 2013 से पहले विदेशों में चोरी से गई सिर्फ 13 प्राचीन वस्तुओं की ही वापसी हुई थी, जबकि 2014 के बाद से अब तक 642 प्राचीन वस्तुएं भारत लौटाई गई हैं, जिनमें से अकेले अमेरिका से 578 कलाकृतियां लौटी हैं।आयुर्वेद और योग की वैश्विक मान्यता भी मोदी सरकार की ही उपलब्धि कही जाएगी। मोदी सरकार के ही कार्यकाल में आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस की नीति बनी और उसे लागू किया गया। ऑपरेशन सिंदूर उसका ही प्रतीक है। जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 का खात्मा, 2019 में पुलवामा हमले के जवाब में पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर सर्जिकल स्ट्राइक, जैसे कदम मोदी सरकार ने ही उठाए। मोदी के शासन काल में भारत ने ग्लोबल साउथ की अवधारणा को मजबूत करते हुए अफ्रीकी देशों से नए सिरे से संबंध बढ़ाए। रूस और यूक्रेन युद्ध और अमेरिकी रोक-टोक के बावजूद भारत रूस से सस्ती दरों पर पेट्रोलियम तेल खरीदने में सफल रहा। उत्तर पूर्वी राज्यों को देश की मुख्यधारा से जोड़ने की कोशिशें इसी दौर में तेजी से बढ़ीं। नक्सलवाद पर लगाम भी तेजी से इसी दौर में लगा। मोदी सरकार की उपलब्धियों की फेहरिस्त लंबी है। लेकिन भारत जैसे बहुभाषी, बहुरंगी देश में अब भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। आर्थिक आय की असमानता में संतुलन आज की बड़ी जरूरत है। भारत को यूरोप की तर्ज पर विकसित करने, प्रति व्यक्ति आय को बढ़ाने की जरूरत अब भी है। उम्मीद की जानी चाहिए कि आने वाले दिनों में भारत इन उपलब्धियों को भी हासिल करने में सफल रहेगा।

देश दुनिया से

मिट्टी के बर्तन अब मिट्टी में ही मिल गए

आदिकाल से ही मनुष्य ने अपने पेट की भूख को शांत करने के लिए सबसे पहले भोजन की तलाश की। कच्चे भोजन की उपलब्धता होने के बाद उसे पकाकर खाने की आवश्यकता महसूस हुई। इससे बर्तनों का आविष्कार हुआ। इसलिए बर्तनों का अस्तित्व प्राचीन काल से जुड़ा हुआ माना जाता है। शुरुआत खाना पकाने के बर्तन से हुई होगी तथा फिर अन्य बर्तन अस्तित्व में आए होंगे। समय के साथ ही बर्तनों के आकार-प्रकार में परिवर्तन हुआ और यह जीवन का अभिन्न अंग बन गए। पाषाण काल में पत्थर के बर्तन रहे होंगे। लेकिन समय बीतने के साथ ही मिट्टी के बर्तन अस्तित्व में आए होंगे। बीती शताब्दी के पूर्वाद्र्ध तक मिट्टी के बर्तनों का व्यापक प्रचलन रहा। इन बर्तनों को पवित्र (सुच्चा) माना जाता था। रसोईघर में अधिकतर बर्तन मिट्टी के ही होते थे। उन बर्तनों का निर्माण कुम्हार करता है। लेकिन अब इनका प्रचलन बहुत कम हो गया है। इसलिए बहुत से कारीगरों ने यह काम छोड़ दिया है। अब पूरे क्षेत्र में एक या दो व्यक्ति ही इस काम को कभी-कभार लोगों की मांग अनुसार ही करते हैं। बहुत कम लोग अब विवाह-शादी, धार्मिक अनुष्ठान, करवा चौथ व दीपावली आदि शुभ अवसरों के अलावा मृतक के किरया-करम में प्रयोग होने वाले छोटे-बड़े बर्तनों को साई देकर कुम्हार से बनवाते हैं। उन बर्तनों में मिट्टी की मंद-मंद खुशबू आती है। यह बहुत कारागिरी व परिश्रम का काम होता है। कुम्हार सबसे पहले अच्छी किस्म की चिकनी मिट्टी को इकठ्ठा करके उसे हत्थोड़ानुमा औजार से पीट-पीटकर बारीक करता है। बर्तन बनाने से पहले उसमें आश्यकतानुसार पानी मिलाकर गारा बनाया जाता है। गारा इतना मुलायम होता है कि कुम्हार उससे अपनी इच्छानुसार आकार देकर बर्तन बनाता है। बर्तन बनाने के लिए चाक नामक उपकरण प्रयोग में लाया जाता है। चाक का निचला भाग बैलगाड़ी के पहिए की तरह का होता है। पहिए के बीच मोटे डाय की गोल लकड़ी लगी होती है। चाक को घुमाया जाता और ऊपरी डाय वाले भाग पर गारे का पेड़ा दोनों हाथों से पकड़ कर रखा जाता। चाक को लगातार घुमाया जाता है और हाथों में पकड़े मिट्टी के गारे को बर्तन का आकार दिया जाता है। उस पर बेल पत्तियां आदि चित्र उकेरे जाते। पहले कच्चे बर्तन को धूप में सुखाया जाता और बाद में उसे आवा में रखा जाता। आवे में जली आग के अंगारों में बर्तन पक जाते हैं, लेकिन कई बार आवा में आंच (सेंक) ठीक नहीं होती। इससे आवे में रखे सारे बर्तन ही खराब हो जाते। इसको लेकर समाज में एक कहावत है। किसी का परिवार या बच्चे ठीक न हों तो कहा जाता है कि 'ये तां आवा ई ऊत आ।' घड़े में विशेषकर गर्मियों के दिनों पानी ठंडा रहता है। इसलिए इसे गरीबों का फ्रिज भी कहा जाता है। घड़े, घड़ोलू या घड़ोली का प्रचलन अब नाममात्र है। कुम्हार बड़े आकार के घड़े (माट) से लेकर छोटे दीपक (दियुठी) तक के सभी प्रकार के बर्तन बनाते थे। लेकिन मेहनत के अनुसार कीमत न मिलने के कारण अब मिट्टी के बर्तन बनाने का यह हुनर भी लुप्त होने के कगार पर है। बीती शताब्दी के पूर्वाद्र्ध तक घर में अधिकतर बर्तन मिट्टी के ही होते थे। उन बर्तनों को चूल्हे पर रखकर पानी भी गरम किया जाता था। उस समय खुले मुंह वाले बड़े-बड़े घड़ों में पानी जमा रखा जाता था। राह चलते मुसाफिरों को पानी पिलाना बहुत पुण्य का काम समझा जाता था। गांव की कुछ दूरी पर पीपल या वटवृक्ष के विशालकाय पेड़ों के नीचे तीन चार बड़े घड़े पानी से भर कर प्याऊ लगाए जाते थे। गांव का धार्मिक प्रवृत्ति का कोई व्यक्ति प्रतिदिन उन घड़ों के लिए पानी भरता था। आते-जाते राहगीर वहां ठंडा पानी पीते तथा प्याऊ लगाने वाले को अनगिनत आशीषें देते। माट (घड़ा) से छोटा घड़ा होता है। जब बावड़ी से पानी लाया जाता था, तब पुरुष ही उसमें पानी भर कर लाते थे। घड़ोलू या घड़ोली घड़े से छोटी होती थी। उसमें महिलाएं पानी भर कर लाती थी। साल या छह माह बाद जब घड़े या घड़ोली में पानी ज्यादा ठंडा नहीं रहता था, तब उसे दूध छोलने (बिलोरने) के काम में लाया जाता था। घड़े के ऊपर मिट्टी से बनी कुप्पी रखी जाती थी तथा दही को डालकर उसे बार-बार उस समय तक हिलोरे दिए जाते, जब तक उसमें माखन इक_ा नहीं जाता। पहले आम व गलगल आदि का आचार भी मिट्टी के घड़े या मिट्टी के अन्य बड़े बर्तन में डाला जाता था। दूध काढने के लिए भी खुले मुंह वाला मिट्टी का घड़ानुमा बर्तन प्रयोग में लाया जाता था। उसे दधोणु कहा जाता था। दूध कढने के बाद उसके निचले तल में रबड़ी की तरह पदार्थ जम जाता था। उसे घरोड़ी कहा जाता था। उसे खुरसने के लिए मिट्टी का ही कड़छीनुमा छोटा सा पात्र होता था। उसे घरोडणु कहा जाता था। बच्चे घरोड़ी को बड़े चाव से खाते थे। दूध काढने के बाद उसे बड़ी कुणाली में डाला जाता था। यह बर्तन पतीले की तरह होता था, लेकिन बनावट में उसे अंदर-बाहर दोनों ओर से गोलाई दी गई होती थी। उसके तल का ऊपर की अपेक्षा नीचे का कम डाय होता था। दूध को मीठी आंच में गर्म किया जाता तथा बाद में कुणाली में डालते। उबाले गए दूध के थोड़ा ठंडा होने पर उसमें कटोरी भर छाछ डाली जाती। उसे जगैण कहा जाता है। आठ-दस घंटे बाद उसका दही बन जाता। दही को बिलोरने के बाद जो माखन निकलता है, उसे छोटे आकार की कुणाली में तथा छाछ को मांगी में रखा जाता था। मांगी छोटे आकार का घड़ा जैसी होती थी। सप्ताह भर के बाद सारे माखन को कड़ाही में उबाला जाता है। उससे निकलने वाले झाग और कड़ाही के तल में जमने वाले पदार्थ को उठाकर किसी छोटे बर्तन में अलग रखा जाता। उसे मेहडू कहा जाता था। महिलाएं इसे पहले सिर नहाने के काम में लाया करती थी। इससे बाल नरम रहते थे। मात्रा के अनुसार गर्म घी में गलगल पेड़ के पते डाले जाते थे। उससे इसमें अलग खुशबू आती थी। घी को ठंडा होने पर मिट्टी के बर्तन में रखा जाता था। पहले जब घी बहुत अधिक मात्रा में होता था, उसे बड़े घड़े में डाला जाता था। उसे घीड़ा कहा जाता था। कम मात्रा में घी होने पर उसे मांगी में डाला जाता था। एक समय था जब दाल भी मिट्टी की हंडी में बनाई जाती थी। सुहागिन महिलाओं के व्रत करवाचौथ के करवे सभी मिट्टी के ही होते हैं।

कुछ अलग

छिमा जुडिशरी को चाहिए

देखिए जनाब! आप हमें जितना कोसना चाहें, कोस लीजिए। जितना लताडऩा चाहें, लताड़ लीजिए। जितना प्रताडऩा चाहें, प्रताड़ लीजिए। आपकी ताड़, प्रताड़ का हम पर कोई असर नहीं होने वाला। हम तो चिकने घड़े हैं जी! टॉप फिसलन वाली राजनीतिक जमीन पर खड़े हैं। जिस तरह जवानी में एक से एक संयमी जवान कहीं भी फिसल जाते हैं, उसी तरह हम बूढ़ राजनीतिक जवान कहीं भी फिसल जाते हैं। हम तो राजनीतिक पार्टियां बदलते विवादित बयान देते ही पले बढ़े हैं। हमने घाट घाट का नहीं, पार्टी पार्टी का पानी पिया है जनाब! हम पाउडर शाउडर से नहीं, विवादित बयानों से ही हम अपने को चमकाते हैं जनाब! हम विवादित बयानों से ही अपनी राजनीति का रथ सरपट दौड़ाते हैं। विवादित बयानों से ही यहां राजनीतिक युद्ध लड़े जाते हैं। जनाब! जब तक हम कोई विवादित बयान नहीं दे लेते, हमें खाना हजम नहीं होता। चाहे वह कितना ही पाच्य सुपाच्य क्यों हो। कान में कहते हैं जनाब! हम अपने बयान को लेकर सब कुछ होने वाले हैं, पर हम शर्मसार बिल्कुल नहीं होने वाले। हमारे यहां से शर्म काजनाजा कभी का उठ चुका है। शर्मसार हों वे जिनमें अभी भी शर्म बची हो। जनाब! आप तो जानते ही हैं कि सत्ता का नशा सब नशों में सबसे नशीला ही नहीं जहरीलाहोता है।

जनाब! चरस में वह नशा नहीं जो सत्ता में होता है।

जनाब! गांजे में वह नशा नहीं जो सत्ता में होता है।

जनाब! चूरा पोस्त में वह नशा नहीं जो सत्ता में होता है।

जनाब! चिट्टा चुट्टा तो सत्ता के नशे के आगे कहीं भी नहीं ठहरता। जनाब! शराब, वोडका, व्हिस्की का नशा तो अब बाबा आदम के जामने का नशा हो गया है जनाब! जनाब! अब रही बात तंबाकू, खैनी, गुटखे की, तो इन्हें तो अब लेबर क्लास भी नहीं लेती। उनके बच्चे तो क्यों ही लेंगे। जनाब! ड्रग्स की महारानी कही जाने वाली हेरोइन में भी वह नशा नहीं जो पावर की मात्र एक चुटकी में रहता है। ये आज के कोकीन शोकीन, एलसीडी, स्पीड स्पुड बॉल, एमडीएमए, केटामाइन, क्रिस्टलमेथ भी कुर्सी के नशे के आगे पानी भी नहीं भरते जनाब! जनाब! इन्हें लेकर ही जब बड़े से बड़ा नशेड़ी बदजुबान, बदइंसान हो जाता है तो सोचो जनाब! सत्ता के नशे में चूरों का क्या होता होगा! सत्ता का नशा करने के बाद हमारी जुबान ही नहीं, हम पूरे लडखड़ा जाते हैं जनाब! मत पूछो तब हमें अपने को कितना संभालना पड़ता है। माफी चाहूंगा जनाब! नेता हैं तो कुर्सी के नशे से दूर रहते भी करना ही पड़ता है। वोटर नहीं कि रोटी से भी दूर रहें। दूसरी ओर सत्ता का न करें तो जनता लानत देती है। खुद को ही खुद से बदबू आती है। बीवी थू थू करती है। अब आप ही सजेस्ट करो जनाब! ऐसे में हम क्या कहें, क्या न कहें? अब जो आप अधिक ही प्रेशर डालते हैं तो लीजिए जनाब! हंसते हुए स्वीकारते हैं, हमारा बयान विवादित था। पर हमारे कहने का मतलब वह नहीं था जो लिया गया। बहुधा हमारे साथ होता ही ऐसा है कि हम कहते कुछ हैं और उसका अर्थ लिया कुछ जाता है।

दृष्टि कोण

समर्पण और त्याग के अविस्मरणीय उदाहरण

ऐसा समय जब स्वार्थ और अहम की विकृतियों के कारण अधिसंख्य मनुष्य निजी कल्याण के बारे में भी कत्र्तव्यनिष्ठ न हों, तब एक क्षण के लिए भी कुछ सोचे-समझे बिना अपने सहकर्मी अग्निवीर सैनिक के प्राण बचाने तेज बहती नदी में कूद जाना और इस प्रयास में उसके प्राण सुरक्षित करते हुए अपने जीवन की बलि दे देना, मानवीय तथा भावनात्मक रूप में मरणासन्न हो चुकी दुनिया में बलिदान का श्रेष्ठ उदाहरण है। ऐसे बलिदानी तथा महान सेनानी ही अपनी कत्र्तव्यनिष्ठा के प्रदर्शन द्वारा वैश्विक समाज के लिए परोपकार के सर्वोच्च मानक बनते हैं। मानव का जीवन जिन-जिन सिद्धांतों के आधार पर श्रेष्ठता प्राप्त करता है, ऐसा महान बलिदान उनमें अग्रणी है। बलिदान की यह घटना बृहस्पतिवार 22 मई 2025 की है। भारतीय सेना की सिक्किम स्काउट्स यूनिट एक अभियान के लिए उत्तरी सिक्किम में कार्यनियुक्त है। यह यूनिट एक तकनीकी परिचालन आधारशिविर की ओर बढ़ते हुए मार्ग बनाने की निगरानी कर रही थी। आधारशिविर को एक महत्त्वपूर्ण संरचना के रूप में तैयार किया जा रहा था ताकि भविष्य में ये सैन्यदल के लिए एक विशिष्ट शिविर बन सके। इस संपूर्ण कार्यक्रम का वास्तविक नेतृत्व लेफ्टिनेंट शशांक तिवारी कर रहे थे, जो 14 दिसंबर 2024 को ही भारतीय सेना में कमिशन प्राप्त कर लेफ्टिनेंट पद पर नियुक्त हुए थे। मात्र तेईस वर्षीय सेनाधिकारी के नेतृत्व में सैन्य निगरानी दल मध्याहन 11 बजे जब नदी के ऊपर बने एक लकड़ी के पुल से होते हुए आगे बढ़ रहा था, तभी अग्निवीर स्टीफन सुब्बा का चरणचालन असंतुलित हुआ और वे पर्वतीय शिखरों के बीच से होकर तीव्र प्रवाह में बहती जलधारा में गिर गए। शशांक तिवारी भी क्षण व्यर्थ किए ही उसी दिशा में कूद पड़े जहां सुब्बा गिरे थे। देखादेखी नायक पुकार कटेल ने भी सुब्बा और शशांक की सुरक्षा हेतु जलधारा में छलांग लगा दी। शशांक और पुकार के संयुक्त प्रयास से सुब्बा के प्राण तो बच गए, किंतु शशांक स्वयं नदी की तीव्रधार में डूबते हुए आगे बह गए। उनके निगरानी दल ने उन्हें खोजने-बचाने का यथासंभव प्रयास किया, किंतु उसे सफलता नहीं मिली और मध्याहन 11.30 बजे उनकी निष्प्राण काया घटनास्थल से लगभग 800 मीटर दूर ठहरी हुई मिली। युवा सेना अधिकारी का ऐसा प्राणोत्सर्ग न केवल सेना के लिए, अपितु संपूर्ण भारतवर्ष के लिए गर्व का प्रतीक है। शांतिकाल में सेनानी का ऐसा परोपकारी कर्मकत्र्तव्य यही अनुभूति कराता है कि भारतभूमि में जन्म लेने वाला ऐसा महान व्यक्तित्व प्रत्येक युवा के लिए प्रेरणा बनना चाहिए। शशांक ने अपने जीवित अस्तित्व के उच्च परोपकारी आदर्शों द्वारा न केवल अपने अभिभावकों, मित्रों व संबंधियों का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया, अपितु उन्होंने सेना व भारतवर्ष को भी अप्रतिम गर्वानुभूति प्रदान की। साहस, वीरता, पराक्रम, बलिदान और परोपकार की यह घटना संपूर्ण मानवता के लिए एक स्वप्निल आदर्श-मानक को सच होते हुए देखने के समान है। युवा सैन्याधिकारी की वीरगति सेना के इस आदर्श को भी सशक्त करती है कि सेनादल में परस्पर सहयोग, सहकार, सद्भाव और सहायता की भावनाएं उच्च व निम्न पद का भेद नहीं करतीं। यह सच है कि बलिवेदी पर ऐसे महापुरुष का केवल शरीर ही व्यतीत होता है, जबकि अपने श्रेष्ठतम कत्र्तव्यों के माध्यम से वह सदैव के लिए अमर बलिदानी में परिवर्तित हो जाता है। दुनिया में जब तक भारत, भारतीय तंत्र, सेना तंत्र और सामाजिक-पारिवारिक इकाइयों का अस्तित्व रहेगा, तब तक शशांक का बलिदान अनुगूंजित होता रहेगा। विश्व में जब तक इतिहास वर्णित होता रहेगा और उसमें मनुष्यों की उच्चतम मान-मर्यादाओं व कार्य-कत्र्तव्यों का वर्णन होता रहेगा, तब तक स्टीफन सुब्बा के प्राणरक्षक दिवंगत शशांक तिवारी भी गर्वभाव के साथ संस्मरण में संवर्णित होते रहेंगे। साथ ही उनके दल के सैनिक, नायक पुकार कटेल का भी मान-सम्मान होता रहेगा। परोपकार में अपना सर्वस्व अर्पित करने की ऐसी ही एक घटना 6-7 अगस्त 2020 को अमरीका के कैलिफोर्निया नगर में घटी थी। वहां तीन बच्चे खेलते-खेलते नगर की किंग्स नदी में गिर गए थे। दो आठ वर्षीय लड़कियों और एक दस वर्षीय लडक़े को तेज बहाव पानी में डूबता देख भारतीय मूल के अमरीकी नागरिक मंजीत सिंह ने तुरंत नदी में छलांग लगा दी थी। वे तीन बच्चों को बचाने में तो सफल हो गए, परंतु स्वयं नदी की तेज धारा में बह गए।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आकस्मिक मुनाफ़े या सट्टेबाज़ी के ज़रिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे। पुराने परिचितों से मिलने–जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताज़ा करने के लिए अच्छा दिन है। सैर–सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा। कामकाज में थोड़ी मुश्किल के बाद आपको दिन में कुछ अच्छा देखने को मिल सकता है। अगर आप ख़रीदारी पर जाएँ तो ज़रूरत से ज़्यादा जेब ढीली करने से बचें। आज का दिन उन्माद में घिर जाने का है; क्योंकि आप अपने जीवनसाथी के साथ प्रेम के चरम का अनुभव करेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

सेहत अच्छी रहेगी। आपके पास आज पैसा भी पर्याप्त मात्रा में होगा और इसके साथ ही मन में शांति भी होगी। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल–जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। आपके लिए अपने प्रिय से दूर रहना बहुत मुश्किल होगा। आज आपके बॉस का बढ़िया मिज़ाज पूरे कार्यालय के माहौल को अच्छा बना देगा। अपने व्यक्तित्व और रंग–रूप को बेहतर बनाने का कोशिश संतोषजनक साबित होगी। आपके जीवनसाथी की ओर से मिला कोई ख़ास तोहफ़ा आपके खिन्न मन को ख़ुश करने में काफ़ी मददगार साबित होगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज अपनी सेहत के चिंता करने की क़तई ज़रूरत नहीं है। आपके आस–पास के लोग आपको प्रोत्साहित करेंगे व सराहेंगे। नया आर्थिक क़रार अंतिम रूप लेगा और धन आपकी तरफ़ आएगा। घरेलू कामकाज आपको ज़्यादातर वक़्त व्यस्त रखेंगे। आपका महबूब आज आपको बड़ी ख़ूबसूरती से कुछ ख़ास करके चौंका सकता है। आज कुछ नया और सृजनात्मक करने के लिए अच्छा दिन है। अगर हाल में आप व आपका जीवनसाथी बहुत ख़ुश महसूस नहीं कर रहे थे, तो आज हालात बदल सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

भागमभाग भरे दिन के बावजूद आपकी सेहत पूरी तरह दुरुस्त रहेगी। जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आज के दिन अपने किसी करीबी की कोई सलाह मिल सकती है जिससे उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है। आपकी आकर्षक छवि मनचाहा परिणाम देगी। आज के दिन काम करते वक़्त आपको कोई ख़ास दिक़्क़त नहीं आएगी और आप एक विजेता की तरह उभरेंगे। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है। आपको अपने जीवनसाथी की ओर से कुछ ख़ास देखने को मिल सकता है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

किसी सृजनात्मक काम में ख़ुद को व्यस्त रखना बेहतर रहेगा। साथ ही बीमारी से जूझने के लिए ख़ुद को उत्साहित करते रहें। आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। पुराने दोस्त मददगार और सहयोगी साबित होंगे। आपको उदार और स्नेह से भरे प्यार का तोहफ़ा मिल सकता है। सहकर्मियों और वरिष्ठों से मिला सहयोग आपके उत्साह में इज़ाफ़ा करेगा। आपको और आपके जीवनसाथी को कोई बहुत सुखद ख़बर सुनने को मिल सकती है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। समय और धन की कद्र आपको करनी चाहिए नहीं तो आने वाला वक्त परेशानियों भरा रह सकता है। परिवार और बच्चों के साथ बिताया समय आपको फिर ऊर्जा से लबरेज़ कर देगा। यह दिन प्रसन्नता और ज़िन्दादिली के साथ किसी ख़ास संदेश को भी देगा । अगर आप सीधा जवाब नहीं देंगे तो आपके सहयोगी आपसे नाराज़ हो सकते हैं। आज आपको अपने कामों को समय पर निपटाने की कोशिश करनी चाहिए।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

स्वास्थ्य का ख़याल रखें, नहीं तो लेने के देने पड़ सकते हैं। आज आप घर से बाहर तो बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड खराब हो सकता है। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। आज आपने जो नई जानकारी हासिल की है, वह आपको अपने प्रतिस्पर्धियों पर बढ़त दिलाएगी। असजता की वजह से आप वैवाहिक जीवन में ख़ुद को फँसा हुआ अनुभव कर सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अपनी ऊर्जा का इस्तेमाल किसी मुश्किल में फँसे इंसान की मदद करने के लिए करें। दोस्तों की मदद से वित्तीय कठिनाईयाँ हल हो जाएंगी। बच्चे आपके दिन को बहुत मुश्किल बना सकते हैं। प्यार–दुलार के हथियार का इस्तेमाल कर उन्हें समझाएँ और अनचाहे तनाव से बचें। कार्यक्षेत्र में प्रगतिशील और बड़े बदलाव करने में सहकर्मी आपका पूरा सहयोग करेंगे। आपको भी तेज़ी से क़दम उठाने के लिए तैयार रहना चाहिए। अंजान लोगों से बात करना ठीक है लेकिन उनकी विश्वसनियता जाने बिना उनको अपने जीवन की बातें बताकर आप अपना वक्त ही जाया करेंगे और कुछ नहीं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

खेलों और आउटडोर गतिविधियों में भागीदारी आपकी खोयी ऊर्जा को फिर से इकट्ठा करने में आपकी मदद करेगी। ग्रह नक्षत्रों की चाल आपके लिए आज अच्छी नहीं है, आज के दिन आपको अपने धन को बहुत सुरक्षित रखना चाहिए। परिवार के सदस्य कई चीज़ों की मांग कर सकते हैं। किसी दिलचस्प इंसान से मिलने की प्रबल संभावना है। बहादुरी भरे क़दम और फ़ैसले आपको अनुकूल पुरुस्कार देंगे। घर के कामों को पूरा करने के बाद ऐसा लगता है कि आपके जीवनसाथी आज आपके ऊपर ख़ास ध्यान देंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आर्थिक दृष्टि से आज का दिन मिलाजुला रहने वाला है। आज आपको धन लाभ तो हो सकता है लेकिन इसके लिए आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। अपने जीवन–साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। आपकी वजह से जिसे नुक़सान हुआ हो, उससे माफ़ी मांगने की ज़रूरत है। वक्त की नाजाकत को समझते हुए आज आप सब लोगों से दूरी बनाकर एकांत में वक्त बिताना पसंद करेंगे। ऐसा करना आपके लिए हितकर भी होगा। अपने जीवनसाथी के साथ आप आज एक शानदार शाम गुज़ार सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज प्राप्त हुआ धन आपकी उम्मीद के मुताबिक़ नहीं होगा। एक ख़ुशनुमा और बढ़िया शाम के लिए आपका घर मेहमानों से भर सकता है। अपने प्रेम–प्रसंग के बारे में इधर–उधर ज़्यादा बातें न करें। कुछ लोगों को कार्यक्षेत्र में तरक़्क़ी मिलेगी। बिना किसी को बताए आज आप अकेले वक्त बिताने घर से बाहर जा सकते हैं। लेकिन आप अकेले तो होंगे लेकिन शांत नहीं आपके दिल में आज के दिन कई चिंताएं हैं होंगी। जीवनसाथी से बिना पूछे योजना बनाएंगे, तो उनकी ओर से नकारात्मक प्रतिक्रिया मिल सकती है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

सेहत अच्छी रहेगी। जिन व्यापारियों के संबंध विदेशों से हैं उन्हें आज धन हानि होने की संभावना है इसलिए आज के दिन सोच समझकर चलें। घर वालों के साथ समय बिताना ख़ुशनुमा अनुभव रहेगा। आप महसूस करेंगे कि आपकी रचनात्मकता कहीं खो गयी है और फ़ैसले करने में आपको ख़ासी दिक़्क़त का सामना करना पड़ेगा। जिन रिश्तों को आप अहमियत देते हैं उन्हें समय देना भी आपको सीखना होगा नहीं तो रिश्ते टूट सकते हैं। आपको महसूस होगा कि आपका वैवाहिक जीवन बहुत ख़ूबसूरत है।

आज का पंचांग

दिनांक : 13 जून 2025 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आषाढ़ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : द्वितीया दोपहर 03:21 तक
नक्षत्र : पूर्वाषाढा रात्रि 11:21तक
योग : शुक्ल दोपहर 01:47 तक
करण : गर दोपहर 03:21 तक
चन्द्रराशि : धनु रात्रि 05:39 तक
सूर्योदय : 05:41 , सूर्यास्त 06:50 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:53 , सूर्यास्त 06:46 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:44 , सूर्यास्त 06:40 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:34 , सूर्यास्त 06:40 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : भद्रा रात्रि 03:36

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

अहमदाबाद विमान हादसे में राजस्थान के 11 लोगों की मौत

उदयपुर/जयपुर, 12 जून (एजेंसियां)। 12 जून 2025... तारीख़, जो राजस्थान के कई परिवारों की किस्मत में मातम लिख गई। अहमदाबाद से लंदन के लिए उड़ा विमान हादसे का शिकार हो गया और इस दुर्घटना ने राजस्थान के 11 लोगों की सांसें छीन लीं। जिन घरों में कल तक हंसी–ठिठोली गूंजती थी, वहां आज चीत्कार है। जिन आँखों में लंदन के सपने पल रहे थे, आज वे बंद हो चुकी हैं।

बांसवाड़ा के एक पूरे परिवार का साया छिन गया...

डॉ. कोनी व्यास... बांसवाड़ा की जानी–मानी डॉक्टर। पति के साथ लंदन बसने का सपना था। इस्तीफ़ा दिया, दुनिया छोड़ दी। उनके साथ पति प्रदीप जोशी, बेटा प्रद्युत, बहू मिराया और पोता नकुल... पूरे परिवार के लिए वह सफ़र लौटना नहीं लिखा था। अब बांसवाड़ा के उस मकान में वीरानी पसरी है, जहाँ कभी बच्चों की किलकारियाँ गूंजती थीं।

उदयपुर के मार्बल व्यवसायी संजीव मोदी के बेटे शुभ मोदी और बेटी शगुन मोदी के अलावा वल्लभनगर के वरदीचंद मेनारिया, रोहिड़ा (सिरोही) के प्रकाश मेनारिया और बालोतरा की खुशबू राजपुरोहित शामिल थीं। हादसे के बाद पूरे राजस्थान में शोक की लहर है। क्रैश हुए विमान में उदयपुर के सहेली नगर निवासी मार्बल व्यवसायी संजीव मोदी के बेटे शुभ और बेटी शगुन मोदी इस फ्लाइट में सवार थे। दोनों लंदन घूमने जा रहे थे। एमबीए करने के बाद दोनों भाई–बहन पिता के कारोबार में हाथ बंटा रहे थे। हादसे की सूचना मिलते ही उदयपुर जिला कलेक्टर नमित मेहता उनके घर पहुंचे। परिजनों और रिश्तेदारों का जमावड़ा भी घर पर लग गया है। संजीव मोदी हादसे की सूचना मिलते ही अहमदाबाद के लिए रवाना हो गए।

खुशबू की आख़िरी मुस्कान... पिता के साथ सेल्फी, जो अब 'याद' बन गई...

बालोतरा की खुशबू राजपुरोहित... जनवरी में ब्याह हुआ था। पति लंदन में डॉक्टर हैं। वह पहली बार जा रही थी ससुराल। बाप के साथ अहमदाबाद पहुंची थी। पिता मदन सिंह उसे एयरपोर्ट तक छोड़ लौट रहे थे कि हादसे की ख़बर मिल गई। पिता–पुत्री की एयरपोर्ट की जो आख़िरी फोटो है, वही अब पूरे गांव में वायरल है। हर कोई देख रहा है, हर आंख भीग रही है। किसे पता था कि यह आख़िरी 'विदाई' है?

वल्लभनगर के वरदीचंद, रोहिड़ा के प्रकाश... लंदन में पसीना बहाकर पेट पालने निकले थे...

वरदीचंद मेनारिया और प्रकाश मेनारिया... दोनों दोस्त... दोनों कुकिंग का काम करते थे लंदन में। 20 जनवरी को छुट्टी पर आये थे। कुछ दिन परिवार के साथ बिताए... और अब लौट रहे थे। मगर यह वापसी 'परम वापसी' बन गई। उनके गांवों में सन्नाटा है। बूढ़ी मां, बिलखते बच्चे, बेसुध पत्नी... इस मंज़र को शब्द बयां नहीं कर सकते।

पूर्व विधायक के दोहिते अभिनव परिहार भी नहीं बचे...

बीकानेर के श्रीडूंगरगढ़ के पूर्व विधायक किशनाराम नाई के नाती अभिनव परिहार भी इस विमान में थे। लंदन में बिज़नेस करते थे। दादा को अपनी कामयाबी का सपना दिखाने वाले अभिनव आज ख़ुद कहानी बन गए हैं... अधूरी कहानी।

कहाँ से लाऊं वो शब्द जो इस पीड़ा को बयां कर सकें...

एक ही हादसा... राजस्थान के 11 परिवारों का दीप बुझ गया। हर शहर, हर गांव, हर मोहल्ला रो रहा है। किसी के इकलौते बेटे की अर्थी उठी, कहीं बाप–बेटा दोनों चले गए, कहीं बहन–भाई साथ लंदन जाने के लिए निकले थे और अब साथ ही ताबूत में लौटेंगे।

अहमदाबाद विमान हादसे पर मुख्यमंत्री भजनलाल ने जताया गहरा शोक

विजय रूपाणी के निधन पर जताई संवेदनाएं

जयपुर, 12 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को अहमदाबाद विमान दुर्घटना पर गहरा दुःख जताते हुए इस भीषण हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। शर्मा ने हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के निधन पर भी संवेदनाएं जतायी हैं।

शर्मा ने कहा कि यह हादसा अत्यंत दुःखद एवं हृदय विदारक है। इस कठिन समय में मैं दिवंगत लोगों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं। ईश्वर उनके परिजनों को इस असहनीय पीड़ा को सहन करने की शक्ति प्रदान करे। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना भी की। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस दुर्घटना में मारे गए सभी लोग हमारे अपने थे। दुःख की इस घड़ी में केन्द्र सरकार और राज्य सरकारें हर तरह से उनके परिजनों के साथ खड़ी हैं। गुजरात सरकार और केंद्र सरकार इस हादसे से उत्पन्न स्थिति को संभालने में जुटी हुई हैं और पड़ोसी राज्य होने के नाते राजस्थान सरकार भी हरसंभव सहयोग को तैयार है।

शर्मा ने कहा कि अब तक इस विमान में राजस्थान के 11 यात्रियों के सवार होने की जानकारी मिली है। ये यात्री उदयपुर, बांसवाड़ा, बीकानेर और बालोतरा जिलों के निवासी थे। उन्होंने दूरभाष के माध्यम से परिजनों से बात कीं और ढांढ़स बंधाया। वहीं, जिला प्रशासन लगातार मृतकों के परिजनों के संपर्क में है और उनकी हरसंभव सहायता सुनिश्चित कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने सभी कार्यक्रम निरस्त किए

अहमदाबाद विमान दुर्घटना की जानकारी मिलते ही शर्मा ने मुख्यमंत्री निवास पर प्रस्तावित सभी बैठकों सहित अन्य कार्यक्रम निरस्त कर दिए। मुख्यमंत्री जयपुर में कल 13 जून को आयोजित होने वाले योग महोत्सव में भी शिरकत भी नहीं करेंगे। वहीं, शुक्रवार को बांसवाड़ा में प्रस्तावित प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के राज्य स्तरीय कार्यक्रम को भी रद्द कर दिया गया है।

विमान हादसे पर पूर्व सीएम अशोक गहलोत समेत अन्य नेताओं ने जताया दुःख

जयपुर, 12 जून (एजेंसियां)। गुजरात के अहमदाबाद में गुरुवार दोपहर एयर इंडिया की फ्लाइट हादसे का शिकार हो गई। विमान के टेकऑफ के दौरान दीवार से टकराने की इस घटना ने सभी को दहला दिया। घटना की जानकारी मिलते ही राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत समेत कई दिग्गज नेताओं ने चिंता और दुख जताया। सभी ने यात्रियों और क्रू मेंबर्स की सलामती के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है।

पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने एक्स पर लिखा–अहमदाबाद में हुए विमान हादसे का समाचार अत्यंत दुखद और व्यथित करने वाला है। मैं इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में सभी यात्रियों एवं स्टाफ की कुशलता और सुरक्षित होने की कामना करता हूं।

डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा ने जताई चिंता

राजस्थान के उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने भी एक्स पर लिखा–अहमदाबाद में यात्री विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने का समाचार सुनकर मन व्यथित है। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में सभी यात्रियों और चालक दल के सदस्यों की सुरक्षा और कुशलता के लिए ईश्वर से प्रार्थना करता हूं।

कैबिनेट मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ की पोस्ट

राज्य सरकार में कैबिनेट मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने लिखा–अहमदाबाद में एयर इंडिया के विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की खबर से मैं बहुत चिंतित हूं। विमान में सवार सभी लोगों की सुरक्षा और कुशलता के लिए प्रार्थना करता हूं।

कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने कही ये बात

कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने लिखा–अहमदाबाद में एयर इंडिया के विमान का टेकऑफ़ के दौरान दीवार से टकराकर क्रैश होने का समाचार बेहद पीड़ादायक है। मेरी ईश्वर से प्रार्थना है कि विमान में सवार सभी यात्री एवं एयरलाइंस स्टाफ पूरी तरह सुरक्षित और सकुशल हों।

मन अत्यंत व्यथित, मेरी गहरी संवेदनाएं : राठौड़

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने अहमदाबाद विमान दुर्घटना पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि अहमदाबाद में एअर इंडिया के बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की खबर से मन अत्यंत व्यथित है। इस दुखद घटना में जिन अनमोल जीवनों की क्षति हुई, वह अपूरणीय है। शोकाकुल परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें और शोक संतप्त परिजनों को यह दुःख सहने की शक्ति दें। हम सब इस कठिन घड़ी में एकजुट हैं। भारतीय जनता पार्टी राजस्थान की ओर से सभी दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी और विमान हादसे में सवार यात्रियों के असामयिक निधन से अत्यंत दुःख हुआ। वहीं इस दुखद हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के निधन की खबर से राजनीति जगत में भी शोक की लहर दौड़ गई है। विजय रूपाणी लंदन जा रहे थे।दुख की इस घड़ी में उनके परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएँ।

महापौर डॉ.गुर्जर की गहरी संवेदना, योग महोत्सव के कार्यक्रम किए रद्द

गुजरात के अहमदाबाद में एयर इंडिया के विमान हादसे की खबर से पूरे देश में शोक की लहर है। इसी घटना पर जयपुर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से सभी यात्रियों एवं विमान कर्मियों के सकुशल होने की प्रार्थना की है।

महापौर ने अपने शोक संदेश में कहा कि इस दुर्घटना की खबर अत्यंत दुखद और व्यथित करने वाली है। संकट की इस घड़ी में वे पीड़ितों एवं उनके परिवारों के साथ हैं। इस हादसे के मद्देनजर महापौर डॉ. गुर्जर ने जयपुर योग महोत्सव 2025 के तहत शुक्रवार को प्रस्तावित सभी योग शिविरों तथा उद्घाटन एवं शिलान्यास कार्यक्रमों को स्थगित करने का निर्णय लिया है। महापौर ने कहा कि इस समय शहर में शोक और संवेदनशीलता का वातावरण है, ऐसे में आयोजन करना उचित नहीं होगा।

शब्दों से चले वार, ओमप्रकाश धनखड़ ने मल्लिकार्जुन खड़गे को दी नसीहत

चंडीगढ़, 12 जून (एजेंसियां)। राजनीति में शब्द भी हथियार होते हैं, जब मल्लिकार्जुन खड़गे और ओमप्रकाश धनखड़ जैसे नेता सामने खड़े हों, तो लड़ाई सिर्फ जुबानी जंग नहीं होती, बल्कि बयानों की जंग भी होती है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी की आलोचना की और उनकी 33 'गलतियां' गिनाईं। फिर क्या था, भाजपा की तरफ से राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़ ने जवाबी मोर्चा संभाल लिया, उनकी जुबान भी तलवार से कम नहीं थी।

भाजपा राष्ट्रिय सचिव ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि राजनीति में शुचिता सिर्फ भाषणों में नहीं, बल्कि आचरण में भी दिखनी चाहिए। धनखड़ ने कहा, 'देश उनकी सुनता है, जो मर्यादा के भीतर बोलते हैं।' जो मर्यादा लांघते हैं, उन्हें वोट की ताकत से मारा जाता है। ओमप्रकाश धनखड़ ने प्रधानमंत्री के सम्मान की रक्षा करते हुए कहा कि न तो देश खड़गे का आकलन मांग रहा है और न ही प्रधानमंत्री मोदी को इसकी जरूरत है। यह वही मोदी हैं जिनकी ईमानदारी और इच्छाशक्ति को देश हर चुनाव में दोबारा चुनता है, उन्हें खड़गे के आंकड़ों की नहीं बल्कि जनता के विश्वास की जरूरत है।

धनखड़ ने अपने भाषण में आतंकवाद की समस्या पर भी निशाना साधा और कहा, आतंकवाद का समर्थन करने वाले देश की हर मंच पर निंदा होनी चाहिए। हालांकि कांग्रेस का रिकॉर्ड बताता है कि वह चुप रहना ही पसंद करेगी। और चुप रहना सबसे बड़ा अपराध है।

कांग्रेस के जिला अध्यक्षों के चयन को लेकर खड़गे ने सार्वजनिक रूप से अपनी बात रखी थी। इस पर धनखड़ ने खुशी जताते हुए कहा, भाजपा में नेता बंद कमरे में नहीं, बल्कि बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं से बनते हैं।

विमान हादसे पर हरियाणा विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने शोक व्यक्त किया

चंडीगढ़, 12 जून (एजेंसियां)। अहमदाबाद से लंदन जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट एआई–171 के भीषण हादसे में हुई अप्रत्याशित जनहानि पर हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने गहरा शोक व्यक्त किया है। इस हृदय विदारक दुर्घटना में यात्रियों की असामयिक मृत्यु से पूरा देश स्तब्ध है। अपने शोक संदेश में कल्याण ने कहा कि यह हादसा बेहद पीड़ादायक और हृदय विदारक है। इसमें अनेक भारतीय नागरिकों समेत विभिन्न देशों के यात्रियों और क्रू मेंबर्स की दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु हुई है। इस कठिन घड़ी में मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत आत्माओं को शांति और उनके परिजनों को यह असहनीय दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गुरुवार, दि. 12 जून को राजभवन में हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय को उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत राजभवन में पौधारोपण किया। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू, गृह मंत्री अमित शाह, पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साई, भारी उद्योग राज्य मंत्री भूपतिराजू श्रीनिवास राजू वर्मा ने हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय को फोन पर जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

आठ साल में बदली स्कूली शिक्षा की तकदीर और तस्वीर : योगी

सीएम ने मेधावी छात्रों को दिए एक लाख रुपए, टैबलेट, प्रशस्ति पत्र और मेडल

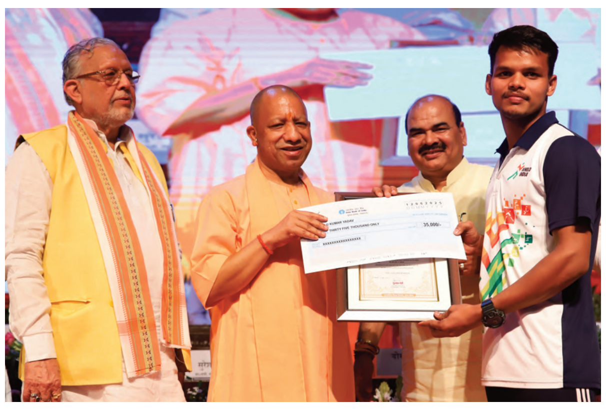

लखनऊ, 12 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को लखनऊ में केंद्र व राज्य स्तरीय बोर्ड परीक्षाओं में उच्च अंक प्राप्त मेधावियों का सम्मान करने और टैबलेट वितरण के साथ ही 68वीं राष्ट्रीय विद्यालयी खेल प्रतियोगिता 2024-25 में प्रदेश के स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ियों को मुख्यमंत्री विद्यालयी खेल पुरस्कार से सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि पिछले 8 वर्ष में हम माध्यमिक शिक्षा और स्कूली शिक्षा की तकदीर और तस्वीर को बदलने में सफल हुए हैं। 2017 के पहले बेसिक एजुकेशन लगभग बंदी की ओर जा रही थी। लगातार छात्र संख्या में गिरावट आ रही थी। माध्यमिक शिक्षा नकल का अड्डा बन गई थी। आप सौभाग्यशाली हैं कि ऐसे समय में करियर को बना रहे हैं जब प्रदेश के नौजवानों के सामने पहचान का संकट नहीं है। आज का उत्तर प्रदेश बीमारू राज्य से भारत का ग्रोथ इंजन बन चुका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों ने उत्तर प्रदेश में दो नए बिजनेस खोले थे। एक नकल के नाम पर और दूसरा ट्रांसफर पोस्टिंग का। प्रदेश में थोक के भाव में नकल के अड्डे संचालित होते थे। बाहरी छात्र केवल फॉर्म भरते थे और उनके नाम पर कोई दूसरा परीक्षा दे देता था। वहीं, यहां ट्रांसफर-पोस्टिंग का भी एक उद्योग चलता था। डबल इंजन की सरकार ने इन दोनों प्रकार के अनाचार को रोक करके पारदर्शी और निष्पक्ष प्रणाली को प्रदेश में अपनाया। आज प्रदेश में हमने तय किया है कि परीक्षा वहीं होगी जहां सीसीटीवी कैमरे होंगे बाउंड्री वाल होगी, इंफ्रास्ट्रक्चर और फर्नीचर होगा। अब परीक्षा 2-3 महीने नहीं चलती, बल्कि 13-14 दिन के अंदर सम्पन्न होती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हर एक क्षेत्र में 8 लाख से अधिक युवाओं को हमने पारदर्शी तरीके से सरकारी नौकरी दी है। 15 जून को 60 हजार 244 पुलिस कार्मिकों की नियुक्ति का कार्यक्रम करने जा रहे हैं, जिसमें केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह जी मुख्य अतिथि होंगे। इन 60000 में 12000 से अधिक बेटियां हैं। 1947 से 2017 के बीच केवल 10000 बेटियों की भर्ती हुई थी, लेकिन यहां एक बार में ही 12000 से अधिक बेटियां भर्ती हो रही हैं। यह दिखाता है सरकार में काम करने की इच्छा शक्ति होनी चाहिए। परीक्षा छात्रों को परेशान करने के लिए नहीं, बल्कि उनके अंदर एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का भाव पैदा करने का माध्यम होना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने हंगामा करने वाले छात्रों को नसीहत देते हुए कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ एक-दूसरे के प्रति सम्मान का भाव भी होना चाहिए। समाज के प्रति और राष्ट्र के अपनी जिम्मेदारियों का भाव होना चाहिए। राष्ट्रीय सम्पत्ति को नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए। जो नुकसान करता है उसको टोकिए। अगर कमजोर पड़ रहे हैं तो उसकी कंप्लेंट करिए। उसकी फोटो वायरल करिए, बाकी उसकी वसूली हम कर लेंगे। यह सार्वजनिक सम्पत्ति राष्ट्र की सम्पत्ति है और हम सब की सामूहिक जवाबदेही का हिस्सा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के परिणाम बड़े चौंकाने वाले रहे हैं। नतीजे बताते हैं कि बालिकाएं ज्यादा मेहनत करती हैं, जबकि बालक मेहनत करने में थोड़ा पीछे हैं। जिन छात्रों ने यहां पर मेरिट में स्थान प्राप्त किया है उन्हें 100000 रुपए नकद, एक टैबलेट, एक प्रशस्ति पत्र और मेडल प्रदान किया गया है। इसी तरह, जनपद स्तर पर मेरिट में आए बच्चों को 21000 रुपए की धनराशि, एक टैबलेट, प्रशस्ति पत्र और मेडल प्रदान किया जा रहा है। यही नहीं, हमारी युवा प्रतिभा ने प्रधानमंत्री जी के खेलो इंडिया खेलो और फिट इंडिया मूवमेंट से प्रेरित होकर नेशनल लेवल के गेम्स में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है।

68वीं राष्ट्रीय विद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश के 363 खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिसमें 179 पदक इन्होंने प्राप्त किए हैं। इसमें 51 स्वर्ण पदक, 46 रजत पदक और 82 कांस्य पदक शामिल हैं। स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले खिलाड़ी को 75000 रुपए, रजत पदक प्राप्त करने वाले खिलाड़ी को 50000 रुपए और कांस्य पदक प्राप्त करने वाले खिलाड़ी को 30000 रुपए प्रदेश सरकार की ओर से प्रोत्साहन के रूप में प्रदान किए जा रहे हैं। टीम गेम्स में जिन छात्रों ने स्वर्ण पदक जीता, उन्हें 35000 रुपए, रजत पदक पर 25000 रुपए और कांस्य पदक पर 15000 रुपए की राशि प्रदान की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद और माध्यमिक संस्कृत शिक्षा निदेशालय के नए भवन की आधारशिला भी रखी गई है।

2001 में माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद का गठन हुआ था, लेकिन पिछले 24 वर्षों में इसके पास अपना भवन नहीं था। इस पर 42 करोड़ 42 लाख 20000 रुपए खर्च होंगे। इसमें संस्कृत की भव्य लाइब्रेरी भी होगी, जिसमें संस्कृत से जुड़ी रोचक जानकारियां होंगी और प्रशिक्षण, संभाषण समेत अन्य कार्यक्रम भी यहां पर होंगे। लखनऊ में जगत नारायण रोड पर जो राजकीय बालिका इंटरमीडिएट कॉलेज है, प्रोजेक्ट अलंकार के तहत उसका नवीन भवन 48 करोड़ 92 लाख 80000 रुपए से बनने जा रहा है। ऐसे ही राजकीय बालिका इंटर कॉलेज मलिहाबाद के नवीन भवन के लिए 10 करोड़ 36 लाख रुपए उपलब्ध कराए जा रहे हैं। चंदौली और भदोही में संस्कृत के दो नवीन विद्यालय (छात्रावास के साथ) के लिए भी करीब 20 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं। यह संस्कृत के उन्नयन और उत्थान के लिए सरकार के द्वारा अपनी ऋषि संस्कृति के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का प्रयास है। संस्कृत को प्रोत्साहित किए जाने की आवश्यकता है। यह भारतीय संस्कृति की आत्मा और आधारशिला है।

उन्होंने कहा कि माध्यमिक शिक्षा परिषद और टाटा नेल्को व जापान की कंपनी यासकावा के साथ एक एमओयू भी किया है। यह एमओयू प्रधानमंत्री मोदी जी के विजन के अनुरूप है, जिसमें आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ स्किल डेवलपमेंट को भी अंगीकार किया गया है। यानी स्केल के साथ स्किल को भी सीखने का अवसर मिलेगा। इसके अंतर्गत माध्यमिक शिक्षा से जुड़े सरकारी विद्यालयों में डिजाइन, रोबोटिक और इलेक्ट्रॉनिक्स लैब की स्थापना का कार्य होगा। लगभग 162 करोड़ 72 लाख रुपए से यह कार्यक्रम चलेगा। यह हब एंड स्पोक मॉडल पर आधारित होगा,जिसके तहत एक संस्थान में लैब स्थापित होगी और उसे तीन संस्थानों से जोड़ा जाएगा। इसके माध्यम से यहां का नौजवान ट्रेंड होकर स्किल मैनपॉवर के रूप में खुद को स्थापित कर पाएगा। यह एक नया अभियान है, एक नया अभिनव प्रयोग है।

इस अवसर पर वित्त एवं संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, अपर मुख्य सचिव माध्यमिक शिक्षा एवं वित्त दीपक कुमार और डीजी स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा मौजूद रहे। माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी संभल से वर्चुअली कार्यक्रम से जुड़ीं।

यूपी फॉरेस्ट फोर्स का होगा आधुनिकीकरण

वन संरक्षण, प्रबंधन और वन अपराध रोकने के लिए जरूरी

लखनऊ, 12 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश वन एवं वन्यजीव विभाग ने सीएम योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप यूपी फॉरेस्ट फोर्स के आधुनिकीकरण की कार्ययोजना तैयार की है। यूपी के वन एवं वन्य जीव विभाग के संबंधित अधिकारी ने बताया कि प्रदेश में वन संरक्षण, प्रबंधन, और वन्यजीव अपराधों की रोकथाम के लिए यूपी फॉरेस्ट फोर्स को आईटी और एआई तकनीकी एवं सेंसर युक्त कैमरे, जीपीए, ट्रैकिंग डिवाइस के प्रयोग से आधुनिकृत किया जाएगा।

इसके साथ ही एकीकृत वन प्रबंधन प्रणाली और रीयल-टाइम निगरानी के लिए एक केंद्रीकृत कमांड सेंटर की स्थापना करना भी शामिल है। यह पहल न केवल प्रदेश में वन संरक्षण और प्रबंधन को बढ़ावा देगी, बल्कि डेटा-आधारित निर्णय और त्वरित कार्रवाई से वन अपराधों में कमी को भी सुनिश्चित करेगी। उत्तर प्रदेश, जो अपनी समृद्ध जैव-विविधता और वन संपदा के लिए जाना जाता है, लंबे समय से अवैध कटाई, वन्यजीव तस्करी और मानव-वन्यजीव संघर्ष जैसी चुनौतियों का सामना कर रहा है। इन समस्याओं से निपटने के लिए प्रदेश के वन एवं वन्यजीव विभाग ने सीएम योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में आधुनिक तकनीकों और उपकरणों के प्रयोग से यूपी फॉरेस्ट फोर्स को अधिक सतर्क और सुदृढ़ बनाने की कार्य योजना तैयार की है।

वन एवं वन्य जीव विभाग प्रदेश के जंगलों, टाइगर रिजर्व, सफारी और नेशनल पार्कों में रीयल-टाइम निगरानी के लिए एक केंद्रीकृत कमांड सेंटर की स्थापना करने जा रहा है। ये केंद्रीकृत कमांड सेंटर, डिजिटल नियंत्रण प्रणाली के जरिए वन एवं वन्यजीव प्रबंधन से संबंधित सभी प्रमुख कार्यों की निगरानी करेगा और उनका डेटा एकत्रित करेगा। कमांड सेंटर में एकत्रित डेटा के एनालिसिस से वन अपराधों, आग की घटनाओं, और वन्यजीवों की आवाजाही की तत्काल जानकारी उपलब्ध होगी।

जो कि इन अप्रत्याशित घटनाओं एवं आपराधिक गतिविधियों के संबंध में त्वरित एवं प्रभावी निर्णय लेने में सहायक होगा। वन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हमारा लक्ष्य आधुनिक तकनीक के उपयोग से प्रदेश में वन प्रबंधन और संरक्षण को अधिक कुशल और त्वरित बनाना है। उन्होंने बताया कि आईएफएमएस और केंद्रीकृत कमांड सेंटर के जरिए हम न केवल वन अपराधों को कम कर पाएंगे, बल्कि मानव-वन्यजीव संघर्ष को भी नियंत्रित कर सकेंगे।

यूपी वन निगम बना लाभदायक निकाय, 243.31 करोड़ आय हुई

लखनऊ, 12 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश वन निगम ने योगी सरकार के कुशल नेतृत्व में न केवल आर्थिक रूप से लाभकारी निकाय के रूप में अपनी पहचान बनाई है, बल्कि सामाजिक उत्थान और पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वर्ष 2024-25 में यूपी वन निगम ने 243.31 करोड़ रुपए की आय अर्जित की, जो इसकी वित्तीय सुदृढ़ता और प्रबंधकीय दक्षता का प्रमाण है।

इसके साथ ही, निगम ने प्रदेश के जनजातीय समुदायों को आजीविका प्रदान करने, महाकुंभ जैसे विशाल आयोजन में सहयोग, और वैश्विक मानकों पर खरा उतरने में अभूतपूर्व सफलता हासिल की है। साथ ही यूपी वन निगम ने काष्ठ आधारित उत्पादों के निर्यात में वृद्धि से विदेशी मुद्रा अर्जित की है। यह उपलब्धि वन निगम की पर्यावरणीय जिम्मेदारी

और टिकाऊ वन प्रबंधन के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उत्तर प्रदेश वन निगम प्रदेश में स्थाई वानिकी, पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से वन प्रबंधन का कार्य करती है।

इसके अतिरिक्त वन निगम वनोपज के संग्रह, विक्रय के साथ ही वन पर आश्रित जनजातीय समुदाय के सामाजिक एवं आर्थिक रूप से लाभकारी तरीकों को प्रोत्साहित करता है। सीएम योगी आदित्यनाथ के कार्यकाल में उनके विजन के अनुरूप कार्य करते हुए यूपी वन निगम ने कई उल्लेखनीय सफलताएं हासिल की हैं।

वर्तमान में यूपी वन निगम पूरी तरह एक लाभकारी संस्था बन चुका है। वन निगम ने जहां वर्ष 2023-24 में 246.29 करोड़ रुपए तो वहीं वर्ष 2024-25 में 243.31 करोड़ रुपए की आय अर्जित की है। वहीं वन निगम ने वर्ष 2020-21 में 150.55 करोड़, 2021-22 में 151.65 करोड़, 2022-23 में 227.66 करोड़ रुपए की आय अर्जित की है।

पिछले कई वर्षों से परिचालन लाभ में निरंतर वृद्धि वन निगम की कार्यकुशलता और आर्थिक स्थिरता का परिचायक है। यूपी वन निगम ने योगी सरकार के मार्गदर्शन में न केवल आर्थिक लाभ अर्जित किया, बल्कि सामाजिक और पर्यावरणीय क्षेत्र में भी उल्लेखनीय योगदान दिया है। वन निगम ने तेंदूपत्ता संग्रहण के माध्यम से लगभग 02 लाख जनजातीय परिवारों को आजीविका भी प्रदान की है।

विभाग के संबंधित अधिकारियों ने बताया कि इस वर्ष लगभग 04 लाख मानक बोरा तेंदूपत्ता का उत्पादन किया गया। जिससे बीड़ी उद्योग से जुड़े छोटे-बड़े ठेकेदारों और श्रमिकों के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित हुए। यह पहल न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत कर रही है, बल्कि जनजातीय समुदायों के सशक्तिकरण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। सनातन आस्था के महापर्व, महाकुंभ 2025 में यूपी वन निगम ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए जलौनी लकड़ी के विक्रय की व्यवस्था की। जिसके तहत प्रयागराज में अस्थाई रूप से बसी महाकुम्भ नगरी में यूपी वन निगम में 17 टालों के माध्यम से 27,000 क्विंटल जलौनी लकड़ी का विक्रय किया। यह प्रयास न केवल पर्यावरणीय दृष्टिकोण से टिकाऊ रहा, बल्कि करोंड़ो श्रद्धालुओं और कल्पवासियों की आस्था को भी पूरा करने में भी सहायक सिद्ध हुआ। यह पहल कुंभ मेले की व्यवस्थाओं में महत्वपूर्ण योगदान के रूप में देखी जा रही है।

हाईटेक होगी राम नगरी की सुरक्षा

संदिग्ध का स्केच डालते ही लोकेशन बता देगा सॉफ्टवेयर

अयोध्या, 12 जून (एजेंसियां)। अयोध्या में हर रोज आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए नगर की सुरक्षा और हाईटेक की जाएगी। सुरक्षा के लिए अब एआई सॉल्यूशंस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल किया जाएगा। रामनगरी अयोध्या की सुरक्षा व्यवस्था अब एआई सॉल्यूशंस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिये हाईटेक की जाएगी। इसके तहत अयोध्या में विभिन्न माध्यमों में लगे 10 हजार सीसीटीवी कैमरे एक सॉफ्टवेयर से जोड़े जाएंगे। इसकी मदद से पल भर में ही किसी भी संदिग्ध की गर्दन तक पुलिस पहुंच सकेगी।

राम मंदिर/ बाबरी मस्जिद विवाद की शुरुआत होने के समय से ही अयोध्या अति संवेदनशील रही है। राम की नगरी समय-समय पर आतंकी संगठनों के निशाने पर भी रही है। 500 वर्ष के विवाद के पटाक्षेप

के बावजूद बीच-बीच में आतंकी हमले व अन्य गतिविधियों को लेकर धमकियां मिलती रहती हैं। पांच जुलाई 2005 को राम मंदिर पर फिदायीन हमला भी हो चुका है।

इसके अलावा जिले में हर समय रामलला के दर्शन पूजन के लिए वीआईपी दौरे भी होते रहते हैं। इस लिहाज से भी सुरक्षा तंत्र मजबूत किया गया है। अब इसमें तकनीक का अधिक उपयोग करने की योजना है। इसके लिए पुलिस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी उपयोग करेगी। अयोध्या के आईजी प्रवीण कुमार ने बताया कि इस तकनीक से फेस रिकॉग्नाइज आसानी से हो सकेगा। किसी भी संदिग्ध का स्केच सॉफ्टवेयर में डालते ही उसकी सटीक लोकेशन पता चल जाएगी। संदिग्ध व्यक्ति की कपड़े से पहचान हो सकेगी। किसी विशेष रंग के कपड़े वाले व्यक्ति को खोजने के लिए सॉफ्टवेयर की मदद से संबंधित इलाके में विशेष रंग के कपड़े पहनने वाले व्यक्ति चिन्हित हो जाएंगे। उनकी जांच के बाद अपराधी तक पहुंचा जा सकेगा।

सीसीटीवी कैमरे में अपराधियों का चेहरा कैद होते ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से कंट्रोल रूम भी अलर्ट हो जाएगा। आईजी प्रवीण कुमार ने बताया कि इन सब आधुनिक तकनीक के बावजूद जो मैन्युअल मुखबिर हैं, उनको भी नकारा नहीं जा सकता है। स्थानीय लोग, मल्लाह, नाविक, गोताखोर भी सूचना देते हैं। ये भी सूचना तंत्र का एक अहम हिस्सा माने जाते हैं।

मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना

11690 किसानों को मिली 5.61 अरब की सहायता

लखनऊ, 12 जून (एजेंसियां)। योगी सरकार अन्नदाता किसानों के हर सुख-दुख में सदैव साथ खड़ी है। दुर्घटना में किसी किसान की मृत्यु या दिव्यांग होने पर आश्रितों/परिवारों के लिए मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना संबल बनी है। किसी अप्रिय घटना में आश्रित परिवार पर आर्थिक संकट खड़ा हो जाता है, जिससे परिवार वालों को जीवन यापन में अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है, ऐसे में संकट के समय इस योजना के माध्यम से योगी सरकार ऐसे परिवारों के लिए संबल प्रदान कर रही है। यह योजना 14 सितंबर 2019 से लागू हुई थी। योजना के अंतर्गत दुर्घटनावश मृत्यु-विकलांगता की दशा में अधिकतम पांच लाख रुपए दिए

जाने का प्रावधान है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 के तहत शुक्रवार (13 जून) को अंबेडकर नगर के शिवबाबा मैदान में जनपद के 431 लोगों को सहायता राशि का चेक प्रदान करेंगे। इसमें 408 लोगों को पांच लाख रुपए की सहायता प्रदान की जाएगी। 10 लोगों को ढाई लाख, एक किसान परिवार को 1.25 लाख व 12 लाभार्थियों को एक-एक लाख रुपए की सहायता राशि का डेमो चेक प्रदान किया जाएगा। कुल राशि 20 करोड़, 78 लाख, 25 हजार रुपए (लगभग 21 करोड़) है। यह राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे खाते में जाएगी।

मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 के तहत अब तक प्रदेश के सभी 75 जनपदों में 11690 लोगों के आ-वेदन स्वीकृत किए गए हैं। इन्हें योगी सरकार द्वारा 5 अरब, 61 करोड़, 86 लाख, 28,200 रुपए की सहायता प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना 14 सितंबर 2019 से लागू हुई थी। योगी सरकार ने सत्र 2020-21 में इसके लिए 500 करोड़ रुपए का बजट आवंटित किया था। इसके बाद किसानों के लिए हर वित्तीय वर्ष में बजट बढ़ता गया।

आयात शुल्क घटाने से खाने के तेल के गिरे भाव

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां) ।

केंद्र सरकार ने खाने के तेलों के सीमा शुल्क में 50 फीसदी की कटौती का ऐलान किया है। कच्चे सूरजमुखी, सोयाबीन और पाम ऑयल पर शुल्क को 20 फीसदी से 10 फीसदी कम कर दिया गया है। इसके परिणामस्वरूप, कच्चे और रिफाइंड खाद्य तेलों के बीच आयात शुल्क में अंतर 8.75 फीसदी से 19.25 फीसदी हो गया है।

सरकार ने कंपनियों को अपने ग्राहकों को भी इस लाभ का हिस्सा बनाने का निर्देश दिया है। खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के सचिव ने प्रमुख खाद्य तेल उद्योग संघों और उद्योग हितधारकों के साथ बैठक आयोजित की,

कंपनियों को एमआरपी कम करने के मिले निर्देश

जिसमें शुल्क कटौती के फायदे को उपभोक्ताओं तक पहुंचाने का निर्देश दिया गया। सरकार ने 31 मई को पाम तेल, कच्चे सोयाबीन तेल और कच्चे सूरजमुखी तेल पर आयात शुल्क में 50 फीसदी की कटौती कर इसे 20 से 10 फीसदी पर ला दिया था। अधिकारियों ने कहा, 19.25 प्रतिशत शुल्क का अंतर घरेलू रिफाइनिंग क्षमता उपयोग को प्रोत्साहित करने और रिफाइंड तेलों के आयात को कम करने में मदद करेगा।खाना पकाने वाले तेलों की कीमतें एक साल में 25 फीसदी से तक बढ़ी हैं। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के अनुसार, वनस्पति तेल का भाव बुधवार को 155 रुपये लीटर था, जो एक साल पहले 126 रुपये था।

अदाणी ग्रुप ने बनाई 20 अरब डॉलर का सालाना निवेश की योजना

मुंबई। देश के एक अग्रणी कारोबारी अदाणी समूह ने आंतरिक संसाधनों और कर्ज के माध्यम से 20 अरब डॉलर की वार्षिक पूंजीगत व्यय का इंतजाम करने का ऐलान किया है। समूह के शीर्ष अधिकारी ने इसकी जानकारी दी और बताया कि यह व्यय मुख्य रूप से बिजली पारेषण और वितरण क्षेत्र में निवेश के लिए उपयोग होगा। अदाणी समूह के पूंजीगत व्यय की योजना के मुताबिक, समूह की करीब 8.5 अरब डॉलर की मुक्त नकद प्रवाह से तकरीबन 3 अरब डॉलर कर्ज का पुनर्वित्त और 3 से 4 अरब डॉलर नई उधारी से जुटाई जाएगी। इसके साथ ही वित्त वर्ष 2026 तक 1.6 से 1.8 अरब डॉलर का वित्त विकास कार्यों के मुनाफे से आने की उम्मीद है। अदाणी समूह के सीएफओ ने बताया कि समूह का 55 से 58 फीसदी पूंजीगत निवेश पारेषण और बिजली क्षेत्र में किया जाएगा, जबकि 20 से 30 फीसदी निवेश परिवहन एवं लॉजिस्टिक क्षेत्र में किया जाएगा। समूह की यह रणनीति उद्यमिता और विकास में नई ऊंचाइयाँ छूने का उत्साह दर्शाती है।

न्यूज ब्रीफ

रेमंड अपना रियल एस्टेट कारोबार करेगा सूचीबद्ध

नई दिल्ली। रेमंड लिमिटेड अपने रियल एस्टेट कारोबार को चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में शेयर बाजारों में सूचीबद्ध करने पर विचार कर रहा है। कंपनी ने विकास अवसरों का लाभ उठाने के लिए इस कारोबार को अलग किया है। रेमंड लिमिटेड ने सभी विनियामक अनुमोदन प्राप्त करने के बाद रियल एस्टेट कारोबार को सफलतापूर्वक अलग कर दिया है और अब वह इंजीनियरिंग कारोबार पर ध्यान केंद्रित करेगी। रेमंड लिमिटेड ग्रुप के एक मुख्य वित्तीय अधिकारी ने विश्लेषकों से कहा कि हमने अपने रियल एस्टेट व्यवसाय को सफलतापूर्वक अलग कर लिया है और सभी आवश्यक अनुमोदन प्राप्त कर लिए हैं। हमें उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में हम रियल एस्टेट व्यवसाय को सूचीबद्ध कर देंगे। मुंबई स्थित रेमंड लिमिटेड देश की अग्रणी रियल एस्टेट कंपनियों में से एक है।

जियोब्लैकरॉक इन्वेस्टमेंट को मिला सेबी से लाइसेंस

मुंबई । जियो फाइनेंशियल सर्विसेज और ब्लैकरॉक की साझेदारी से बनी कंपनी जियोब्लैकरॉक इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स को भारतीय बाजार में निवेश सलाहकार सेवाएं शुरू करने की मंजूरी मिल गई है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) और बीएसई लिमिटेड ने कंपनी को भारत में रजिस्टर्ड इन्वेस्टमेंट एडवाइजर (आआईए) के रूप में काम करने की अनुमति दी है। यह मंजूरी 26 मई को जियोब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट को म्युचुअल फंड मैनेजर के तौर पर मिली मंजूरी के बाद आई है। अब कंपनी भारत में निवेशकों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए एक डिजिटल-फर्स्ट प्लेटफॉर्म शुरू करेगी। इस प्लेटफॉर्म पर निवेश सलाह को सरल, पारदर्शी और विशेषज्ञता से भरपूर बनाया जाएगा। जियोब्लैकरॉक ने बताया कि वह लॉन्च के करीब अपनी इनोवेटिव सेवाओं से जुड़ी जानकारी साझा करेगा। ब्लैकरॉक के एक अधिकारी ने कहा कि भारत दुनिया के सबसे तेज़ी से बढ़ते निवेश बाज़ारों में से एक है। उन्होंने आगे कहा कि जियोब्लैकरॉक को हमारी ग्लोबल विशेषज्ञता और टेक्नोलॉजी का फायदा मिलेगा, वहीं जियो की डिजिटल पहुंच और लोकल समझ इस साझेदारी को और मज़बूत बनाएगी। हमारा लक्ष्य भारत के करोड़ों निवेशकों को बेहतर भविष्य देने की दिशा में काम करना है। भारत में एडवाइजरी बिज़नेस की शुरुआत करेगा ज्वॉइंट वेंचर है।

यूनियन, केनराऔर इंडियन ओवरसीज बैंक ने घटाई ब्याज दरें

मुंबई । रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने हाल ही में भारतीय अर्थव्यवस्था को स्थिर करने के लिए कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। बैंकों ने अपने ऋणों पर ब्याज दरों में 0.50 फीसदी तक की कमी की घोषणा की इन निर्णयों में सबसे महत्वपूर्ण निर्णय है रेपो रेट में 0.50 फीसदी की कटौती करने का। इस फैसले के बाद, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, केनरा बैंक और इंडियन ओवरसीज बैंक जैसी तीन प्रमुख सरकारी बैंकों ने अपने ऋणों पर ब्याज दरों में 0.50 फीसदी तक की कमी की घोषणा की है। इसके साथ ही, यह बैंकों के डीडब्ल्यू को 8.25 प्रतिशत कर देगा रेपो आधारित ब्याज दरों में भी कमी करने के लिए कहा जा रहा है, इससे लोन की सुविधा सस्ती होगी। इस कदम से होम लोन, ऑटो लोन, पर्सनल लोन और एमएसएमई लोन सस्ते होने की संभावना है, जिससे आम उपभोक्ताओं को बड़ी सहायता मिलेगी। इसका असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर भी दिखाई देगा, और लोगों की जेब पर बोझ कुछ कम होगा। इन निर्णयों से लोगों के लिए आर्थिक स्थिति में सुधार की उम्मीदें भी बढ़ी हैं।

व्यापार समझौते के लिए भारत और यूरोपीय संघ के बीच गैर-टैरिफ बाधाओं को दूर करना महत्वपूर्ण : गोयल

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां) ।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए गैर-शुल्क बाधाओं का समाधान ढूंढना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष इन मुद्दों का हल निकालने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं।

भारत-स्वीडन उच्च स्तरीय व्यापार और निवेश नीति फोरम में स्वीडिश उद्यम परिसंघ को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते के लिए वार्ता को अंतिम रूप देने के काफी करीब हैं। भारत और यूरोपीय संघ दोनों पक्षों की कंपनियों के लिए कारोबार को सुचारू बनाने के समाधान ढूंढने के लिए सक्रिय रूप से चर्चा कर रहे हैं।

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने एक्स पोस्ट पर जारी बयान में लिखा है, ' 'भारत-स्वीडन उच्च स्तरीय व्यापार और निवेश नीति फोरम में स्वीडिश उद्यम परिसंघ को संबोधित करने और अग्रणी स्वीडिश और भारतीय व्यवसायों के साथ जुड़ने पर प्रसन्नता हुई। दोनों पक्षों के बीच सहयोग की अपार संभावनाओं पर चर्चा की। इस कार्यक्रम में जारी प्रस्तावित भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते पर संयुक्त पत्र, मजबूत आर्थिक संबंधों और समावेशी विकास के भविष्य को बनाने के लिए हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।' 'उन्होंने कहा कि भारत-स्वीडन साझेदारी इस बात का एक मॉडल है कि कैसे दो विविध अर्थव्यवस्थाएं साझा दृष्टिकोण और सहयोग के जरिए पारस्परिक लाभ पैदा कर सकती हैं।

इन विचार-विमर्शों को ठोस अवसरों में बदलने की उम्मीद है। इससे पहले केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने स्वीडन की कंपनी टेट्रापैक के एमडी मैरी सैंडिन के साथ बैठक की। इस दौरान टिकाऊ पैकेजिंग समाधानों में सहयोग बढ़ाने पर विचारों का आदान-प्रदान किया। इसके साथ ही, भारत में अनुसंधान एवं विकास पहलों के विस्तार और उन्नत उपकरण निर्माण में क्षमताओं को मजबूत करने के अवसरों पर चर्चा की। इसके अलावा स्वीडन-भारत व्यापार परिषद और भारतीय दूतावास द्वारा आयोजित रात्रिभोज में स्वीडिश व्यापार जगत के नेताओं के साथ बातचीत की। इस दौरान उन्होंने भारत में निवेश के महत्वपूर्ण अवसरों पर प्रकाश डाला।

उल्लेखनीय है कि भारत और 27 देशों के यूरोपीय संघ के बीच आठ साल से अधिक समय के अंतराल के बाद जून 2022 में फिर से वार्ता शुरू हुई। बाजारों को खोलने के स्तर पर मतभेदों के कारण 2013 में यह वार्ता रुक गई थी। गोयल, स्वीडन की अपनी आधिकारिक दौरे पर यहां पहुंचे है। इस यात्रा के दौरान वह दोनों देशों के बीच व्यापार एवं निवेश को बढ़ावा देने के लिए स्वीडन के अपने समकक्ष तथा कंपनियों के प्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे।

भारत का डिजिटल बुनियादी ढांचा विकास ला सकता है बड़ा बदलाव: डेटाब्रिक्स

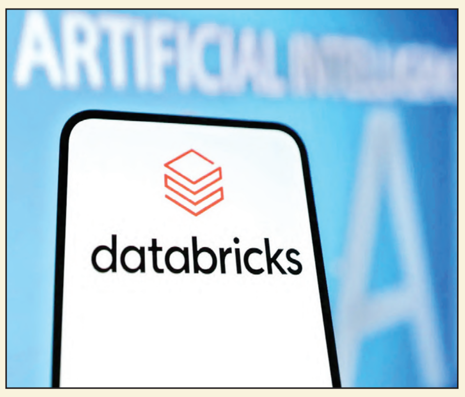

सैन फ्रांसिस्को । देश के डेटा एवं एआई क्षेत्र में अग्रणी कंपनी डेटाब्रिक्स के एक मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने बताया कि भारत ऐसे समय में उन्नति कर रहा है, जब दुनिया भर में मंदी की समस्या है। उन्होंने बताया कि भारत अब अन्य देशों से अग्रणी है जब बात डिजिटल बुनियादी ढांचे की हो। अधिकारी ने कहा कि भारत ने पिछले दशक में एक व्यापक डिजिटल ढांचा किया है जिससे देश में भ्रष्टाचार और उद्योग क्षेत्र में केवल मंदगति से निकल सकता है। उन्होंने यह भी उजागर किया कि डेटाब्रिक्स नई कंपनियों के साथ साझेदारी करने के लिए तैयार है और भारत को एशियाई बाजारों में भारी निवेश करने की योजना बना रही है। उन्होंने उम्मीद की कि भारत के डिजिटल ढांचे से नवाचारिक उपयोग करना और विकास करना आसान होगा। उन्होंने इसके साथ ही उत्साहित होते हुए देखा कि अप्रवासियों और कंपनियों की आवश्यकताओं का ध्यान रखना एक महत्वपूर्ण चुनौती होगी।

महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में देशी-विदेशी शराब की बिक्री पर बढ़ाया टैक्स

मुंबई, 12 जून (एजेंसियां) ।

महाराष्ट्र सरकार ने आय बढ़ाने के लिए राज्य में देशी और विदेशी शराब की बिक्री पर टैक्स बढ़ाने का फैसला किया है। इससे राज्य में में देशी, विदेशी शराब की कीमतों में और इजाफा होगा।

टैक्स बढ़ाने की अनुमति से करीब 14,000 करोड़ रुपये की ज्यादा आय होगी। टैक्स चोरी रोकने और निगरानी प्रणाली मजबूत करने के लिए सरकार ने एक समिति का गठन किया था। महाराष्ट्र सरकार के फैसले के बाद बियर और वाइन बनाने वाली कंपनियों के शेयरों में तेजी देखने को मिली।

महाराष्ट्र सरकार ने शराब पर एक्साइज ड्यूटी बढ़ाने और बियर और वाइन को इस टैक्स से बाहर रखने के फैसले के बाद सुला वाइनयार्ड्स लिमिटेड, जीएम ब्रुअरीज लिमिटेड के शेयरों में तेजी देखने को मिली।

बीएसई में जीएम ब्रुअरीज लिमिटेड के शेयरों में कारोबारी सत्र के दौरान 20 फीसदी तक की तेजी देखने को मिल। बीएसई में जीएम

बियर, वाइन बनाने वाली कंपनियों के शेयर उछले

ब्रुअरीज लिमिटेड के शेयर 10.8 फीसदी, सुला वाइनयार्ड्स लिमिटेड के शेयर 8 फीसदी, एसओएम डिस्टीलिरीस एंड ब्रुअरीज के शेयर 2.6 फीसदीऔर बीसीएल इंडस्ट्रीज के शेयरों में 13 फीसदी की तेजी देखने को मिली।

हालांकि यूनाइटेड स्पिरिट्स 6.6 फीसदी, तिलकनगर इंडस्ट्रीज 4.7 फीसदी और एलाइड ब्लेंडर्स के शेयरों में 4.5 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। राज्य उत्पादन शुल्क विभाग के राजस्व वृद्धि के उपायों को मंत्रिमंडल बैठक में मंजूरी दी गई। प्रस्ताव के अनुसार, शराब पर टैक्स बढ़ाने और एमआरपी फार्मूले में बदलाव कर अब 180 मिलीलीटर के देशी शराब का क्वार्टर 80 रुपये, महाराष्ट्र निर्मित शराब (एमएमएल) का क्वार्टर 148 रुपये, भारत में निर्मित विदेशी शराब का क्वार्टर 205 रुपये तथा विदेशी शराब के प्रीमियम ब्रांड के क्वार्टर की कीमत 360 रुपये हो जाएगी।भारत निर्मित विदेशी शराब (आईएमएफएल) के 260 रुपये प्रति बल्क लीटर तक के उत्पादन मूल्य वाली घोषित शराब पर उत्पादन शुल्क की दर उत्पादन मूल्य से 3 गुना से बढ़ाकर 4.5 गुना कर दी है।

देश की दिग्गज आईटी कंपनियों के चौथी तिमाही के नतीजे उत्साहनजक नहीं

देश की दिग्गज आईटी कंपनियों के चौथी तिमाही के नतीजे बहुत उत्साहनजक नहीं रहे। बड़ी कंपनियों के राजस्व में गिरावट दर्ज की। ऐसा कोरोना महामारी के बाद पहली बार देखने को मिला। इस गिरावट के पीछे प्रोजेक्ट्स में देरी, चुनिंदा सेक्टर्स में कमजोर प्रदर्शन और टैरिफ वार के चलते डिमांड में कमी जैसी वजहें रही। अच्छे मुनाफे के लिए टीसीएस, कोफोर्ज समेत कई स्टॉक्स पर ब्रोकरेज की बीयूवाय रेटिंग ब्रोकरेज फर्म च्वाइस इक्विटी ब्रोकिंग ने आईटी सेक्टर्स पर अपनी रिजल्ट रिव्यू रिपोर्ट में कहा है कि वित्त वर्ष 25 की सुस्त चाल के बाद आईटी कंपनियों को 26 में भी सीमित ग्रोथ की उम्मीद है।

भारत ऊर्जा भंडारण सप्ताह में 200 से अधिक कार विनिर्माता भागीदारी करेंगे

आठ जुलाई से 10 जुलाई तक नई दिल्ली के यशोभूमि कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर में होगा आयोजन

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां) ।

भारत ऊर्जा भंडारण सप्ताह (आईईएसडब्ल्यू) में 200 से अधिक घरेलू यात्री कार विनिर्माता और अंतरराष्ट्रीय इलेक्ट्रिक वाहन कंपनियों के भागीदारी करने की संभावना हैं। बयान के अनुसार, उद्योग निकाय इंडिया एनर्जी स्टोरेज अलायंस (आईईएसए) आठ जुलाई से 10 जुलाई तक नई दिल्ली के यशोभूमि कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर में आईईएसडब्ल्यू के 11वें संस्करण की मेजबानी करेगा। आईईएसडब्ल्यू 2025 में 200 से अधिक घरेलू यात्री कार विनिर्माताओं और अंतरराष्ट्रीय इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) विनिर्माताओं के आने का अनुमान है, जिससे भारत के वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने के दृष्टिकोण को बल मिलेगा। भारत खुद को दुनिया के सबसे बड़े इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर (ई-3डब्ल्यू) बाजारों में से एक के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण प्रगति कर रहा है। यशोभूमि कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर में आयोजित होने वाले आईईएसडब्ल्यू 2025 कार्यक्रम में ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, फ्रांस, ब्रिटेन, फिनलैंड, कनाडा, अमेरिका, इज़राइल और दक्षिण कोरिया के 150 से अधिक प्रमुख साझेदारों, प्रदर्शकों और 1,000 से अधिक कंपनियों के हिस्सा लेने की उम्मीद है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली,12 जून (एजेंसियां) ।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान कमजोरी के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। वहीं एशियाई बाजारों में भी मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिका में उम्मीद से बेहतर खुदरा महंगाई के आंकड़ों के कारण बाजार में आई तेजी के बाद पिछले सत्र के दौरान ऊपरी स्तर से मुनाफा वसूली होती नजर आई, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक लाल निशान में बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.27 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 6,022.×0 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 99.11 अंक यानी 0.50 प्रतिशत की गिरावट के साथ 19,615.88 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 110.59 अंक यानी 0.26 प्रतिशत टूट कर 42,755.18 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.1× प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,864.×5 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत सीएसी इंडेक्स ने 0.×7 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,775.90 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.16 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2×,948.90 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में भी मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ बाजार में से पांच के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 4 सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.09 प्रतिशत की तेजी के साथ 25,22×.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.17 प्रतिशत की मजबूती के साथ ×,925.74 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा कोस्पी इंडेक्स 0.89 प्रतिशत उछल कर 2,9××.05 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.10 प्रतिशत की बढ़त के साथ ×,405.58 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

दूसरी ओर, निक्केई इंडेक्स 205.05 अंक यानी 0.5× प्रतिशत की कमजोरी के साथ ×8,216.14 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 141.40 अंक यानी 0.6× प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,×28.70 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा हैंग सेंग इंडेक्स 109.98 अंक यानी 0.45 प्रतिशत फिसल कर 24,256.96 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.44 प्रतिशत लुढ़क कर 1,1×6.51 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक कमजोरी के साथ 7,221.58 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

महिला टेनिस खिलाड़ियों को प्रजनन प्रक्रिया के दौरान मिलेगा संरक्षित रैंकिंग का लाभ : डब्ल्यूटीए

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां) ।

महिला टेनिस की शासी संस्था डब्ल्यूटीए (डब्ल्यूटीए) ने बुधवार को घोषणा की कि जो महिला खिलाड़ी प्रजनन संरक्षण प्रक्रिया (फर्टिलिटी प्रोटेक्शन प्रोसीजर) से गुजरना चाहती हैं, उन्हें खेल से समय लेने की अनुमति दी जाएगी और वे वापसी पर संरक्षित रैंकिंग के साथ प्रतिस्पर्धा में लौट सकेंगी। डब्ल्यूटीए के इस नए नियम का उद्देश्य महिला खिलाड़ियों को पारिवारिक लक्ष्यों और पेशेवर करियर के बीच संतुलन बनाने में सहायता करना है। यह कदम डब्ल्यूटीए द्वारा तीन महीने पहले घोषित उस नीति के बाद आया है, जिसमें खिलाड़ियों को 12 महीने तक का सशुल्क मातृत्व अवकाश देने की बात कही गई थी। डब्ल्यूटीए ने एक बयान में कहा, नए नियम के तहत खिलाड़ी अब अंडाणु या भ्रूण को सुरक्षित रखने जैसी प्रजनन संरक्षण प्रक्रिया के लिए पेशेवर टेनिस से समय ले सकती हैं और संरक्षित रैंकिंग के साथ सुरक्षित रूप से प्रतियोगिता में लौट सकती हैं। इस निर्णय को महिला खिलाड़ियों के लिए एक सकारात्मक बदलाव के रूप में देखा जा रहा है, जिससे वे अपने व्यक्तिगत जीवन और खेल करियर दोनों को बेहतर ढंग से संभाल सकेंगी।

पोंटिंग ने वेबस्टर की बल्लेबाजी की जमकर प्रशंसा की

लंदन। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने नये बल्लेबाज ब्यू वेबस्टर की अर्धशतकीय पारी की जमकर प्रशंसा की है। वेबस्टर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल की पहली पारी में दबाव के बीच भी 72 रन बनाये। उनकी पारी की सहायता से ही ऑस्ट्रेलियाई टीम अपनी पहली पारी में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 212 रनों तक पहुंच पायी। वेबस्टर ने इस साल की शुरुआत में भारत के खिलाफ सिडनी में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में डेब्यू किया था। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इस बल्लेबाज ने 92 गेंदों पर 72 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से पहली पारी में यह किसी भी बल्लेबाज का सबसे अधिक स्कोर रहा। पोंटिंग ने कहा, आप इस युवा के बनाये रनों को हटा दें, तो स्कोरकार्ड काफी कम दिखेगा। मुझे लगता है कि यह इस बारे में बहुत कुछ बताता है कि वह अभी अपने खेल में कितना सहज है और यहां तक कि ऑस्ट्रेलियाई मध्य क्रम में होने पर भी वह कितना सहज है।

न्यूज़ ब्रीफ

भारतीय टेस्ट टीम में वापसी पर करुण नायर ने कहा-बहुत खास है ये मौका

नई दिल्ली। भारतीय बल्लेबाज़ करुण नायर की टीम इंडिया में टेस्ट क्रिकेट में वापसी हुई है। नायर ने आखिरी बार भारत के लिए मार्च 2017 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैच खेला था। 2016 में चेन्नई टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ तिहरा शतक लगाने वाले नायर का फॉर्म बाद में गिर गया और उन्हें टीम में जगह नहीं मिल पाई थी। अब नायर को एक बार फिर मौका मिला है और उन्होंने बीसीसीआई के एक्स हैंडल पर जारी एक वीडियो में अपनी भावनाएं साझा कीं। उन्होंने कहा, बहुत खास महसूस हो रहा है। इस मौके को फिर से पाने के लिए मैं आभारी और सौभाग्यशाली हूं। अब इसे दोनों हाथों से लपकने की कोशिश करूंगा। इस समय जो भावनाएं हैं, उन्हें शब्दों में बयां कर पाना मुश्किल है। यह बहुत खास एहसास है। टीम के सीनियर खिलाड़ी केएल राहुल ने भी करुण की वापसी पर खुशी जताई। उन्होंने कहा, मैं नायर को बहुत समय से जानता हूं। मैंने उसे यूके में काउंटी क्रिकेट खेलते हुए देखा है, जहां उसने कड़ी मेहनत की और अकेले संघर्ष किया। उसका टीम में लौटना न केवल उसके लिए, बल्कि उसके परिवार और हम दोस्तों के लिए भी बेहद खास है। उसका अनुभव और सीखना निश्चित रूप से टेस्ट मैचों में टीम के काम आएगा।

लेवांडोव्स्की के विरोध के बाद पोलैंड कोच मिशाल प्रोबिएर्ज़ ने दिया इस्तीफा

वारसॉ। पोलैंड की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच मिशाल प्रोबिएर्ज ने गुरुवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। यह फैसला तब आया जब टीम के स्टार स्ट्राइकर रॉबर्ट लेवांडोव्स्की ने यह साफ कर दिया कि वह अब उनके नेतृत्व में टीम के लिए नहीं खेलेंगे। 36 वर्षीय लेवांडोव्स्की, जो वर्तमान में बार्सिलोना क्लब से जुड़े हैं, ने हाल ही में आरोप लगाया था कि उनके साथ विश्वासघात हुआ है। उन्होंने कहा कि कप्तानी छीने जाने की सूचना उन्हें एक संक्षिप्त फोन कॉल के जरिए दी गई थी, जब वह अपने बच्चों को सुला रहे थे। इसके बाद जल्द ही यह खबर पोलैंड फुटबॉल संघ की वेबसाइट पर जारी कर दी गई। प्रोबिएर्ज़ ने लेवांडोव्स्की को हटाकर मिडफील्डर पियोटर ज़िलिंस्की को नया कप्तान नियुक्त किया था। इस्तीफा देते हुए प्रोबिएर्ज ने एक बयान में कहा, मुझे लगता है कि मौजूदा हालात को देखते हुए राष्ट्रीय टीम के हित में मेरा इस्तीफा देना ही सबसे बेहतर फैसला होगा। इस पद पर काम करना मेरे करियर का सबसे बड़ा सपना और सम्मान था। मिशाल प्रोबिएर्ज की कोच के रूप में आखिरी मैच फिनलैंड के खिलाफ था, जिसमें पोलैंड को 1-2 से हार का सामना करना पड़ा।

फीफा क्लब वर्ल्ड कप 2025 के लिए इंटर मियामी की टीम घोषित, मेसी संभालेंगे कमान

नई दिल्ली। इंटर मियामी ने बुधवार को फीफा क्लब वर्ल्ड कप 2025 के लिए अपनी 26 सदस्यीय टीम की

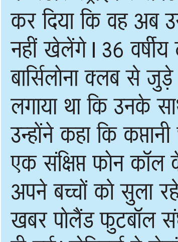

घोषणा कर दी है। अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी इस टीम की अगुवाई करेंगे। उनके साथ उनके पुराने साथियों लुइस सुआरेज़ और सर्जियो बस्केट्स को भी स्क्वाड में शामिल किया गया है। फीफा क्लब वर्ल्ड कप 2025 इस बार बदले हुए फॉर्मेट में खेला जाएगा, जिसमें कुल 32 टीमें हिस्सा लेंगी। यह टूर्नामेंट अमेरिका में 14 जून से 13 जुलाई के बीच खेला जाएगा। अगले साल होने वाले फीफा वर्ल्ड कप से पहले यह टूर्नामेंट एक तरह से अभ्यास और माहौल परखने का अवसर भी होगा। इंटर मियामी की पूरी टीम गोलकीपर : ड्रेक कैलेंडर, रोको रियोस नोवो, ऑस्कर उस्तारी, विलियम यारब्रू। डिफेंडर : जोरदी आल्बा, नोआ एलन, टॉमस अविलेस, इस्राएल बोटराइट, मैक्सीमिलियानो फाल्कोन, इयान फ्रे, गोंजालो लुहान, टायलर हॉल, डेविड मार्टिनेज, रयान सेलर, मार्सेलो वेगांट। मिडफील्डर : यैनिक ब्राइट, सर्जियो बस्केट्स, बेनजामिन क्रेमास्की, सैंटियागो मोरालेस, फेडरिको रेडोंडो, बाल्तासार रोड्रिगेज, डेविड रूइज़, टेलास्को सेगोविया। फॉरवर्ड : लियो अफोंसो, तादेओ एलेंदे, लियोनेल मेसी, एलेन ओबांडो, फाफा पिकॉल्ट, लुइस सुआरेज़।

डब्ल्यूटीसी फाइनल : पहले दिन गेंदबाजों का रहा बोलबाला, 14 विकेट गिरे

लंदन, 12 जून (एजेंसियां) ।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के पहले दिन का खेल गेंदबाजों के नाम रहा। लंदन के ओवल मैदान पर खेले जा रहे इस हाई-वोल्टेज मुकाबले में कुल 14 विकेट गिरे, जिससे मुकाबले का रोमांच और भी बढ़ गया है। पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया की टीम 212 रन पर सिमट गई, जिसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका ने स्टंप्स तक 4 विकेट पर 43 रन बनाए हैं। अफ्रीकी टीम अब भी 169 रन पीछे है।

ऑस्ट्रेलिया की लड़खड़ाती शुरुआत, स्मिथ-वेबस्टर ने संभाली पारी - टॉस जीतकर दक्षिण अफ्रीका ने गेंदबाजी का फैसला किया और कगिसो रबाडा व मार्को यानसेन की अगुवाई में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजी को झकझोर कर रख दिया। ट्रेविस हेड, मार्नस लाबुशेन और एलेक्स कैरी जैसे प्रमुख बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर सके। उस्मान ख्वाजा तो खाता भी नहीं खोल सके। हालांकि स्टीव स्मिथ (66 रन) और ब्यू वेबस्टर (72 रन) ने संघर्ष करते हुए टीम को किसी तरह 200 के पार पहुंचाया। विकेट कीपर एलेक्स कैरी ने भी 23 रन का योगदान दिया। ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 212 रन के योग पर समाप्त हुई।

ऑस्ट्रेलिया 212 पर ढेर, दक्षिण अफ्रीका भी संघर्ष में

ऑस्ट्रेलिया ने अपने अंतिम 5 विकेट मात्र 20 रन के भीतर गंवा दिए। दक्षिण अफ्रीका के लिए रबाडा ने 5 विकेट, जबकि जानसेन ने 3 विकेट हासिल किया। केशव महाराज और एडन मारक्रम को एक-एक सफलता मिली।

दक्षिण अफ्रीका की भी बैटिंग में हालत खराब - हालांकि शानदार गेंदबाजी के बाद जब दक्षिण अफ्रीका ने बल्लेबाजी शुरू की, तो ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने उनकी जमकर परीक्षा ली। एडन मार्करम पहले ही ओवर में बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। इसके बाद रायन रिकल्टन (16), वियान मुल्डर (6) और ट्रिस्टन स्टब्स (2) भी जल्दी आउट हो गए। स्टंप्स के समय तक कप्तान टेंबा बावुमा 3 रन (37 गेंद) और डेविड बेडिंगहम 8 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे। ऑस्ट्रेलिया की ओर से मिचेल स्टार्क ने 2 विकेट, जबकि जोश हेजलवुड और पैट कमिंस ने 1-1 विकेट लिया।

गेंदबाजों के दबदबे वाला पहला दिन - पहले दिन के खेल को देखें तो यह साफ है कि दोनों टीमों के बल्लेबाजों को तेज और स्विंग गेंदों से जूझना पड़ा है। ओवल की पिच गेंदबाजों की मददगार साबित हो रही है और दोनों टीमों को मजबूत स्कोर तक पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी।

शुचि उपाध्याय की जगह राधा यादव इंग्लैंड दौरे के लिए टीम इंडिया में शामिल

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां) ।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम को इंग्लैंड दौरे से पहले एक बड़ा झटका लगा है। टीम की खिलाड़ी शुचि उपाध्याय को चोट के कारण दौरे से बाहर कर दिया गया है। उनकी जगह अब राधा यादव को टीम इंडिया के टी20 और वनडे स्कॉड में शामिल किया गया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसआई) ने गुरुवार को बताया कि शुचि को यह चोट बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में आयोजित प्री-टूर कैंप के दौरान लगी थी।

जांच में पाया गया कि उनकी बाईं टिबिया (निचले पैर की एक हड्डी है, जिसे पिंडली की हड्डी के रूप में भी जाना जाता है) में चोट है, जिसके बाद मेडिकल टीम ने उन्हें आराम की सलाह दी। अनुभवी स्पिन गेंदबाज़ राधा यादव अब इंग्लैंड दौरे पर भारत की दोनों सीमित ओवरों की टीमों का हिस्सा होंगी।

भारत की अपडेटेड टी20 टीम:

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रॉड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), हरलीन देओल, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, श्री चरणी, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गाऊद, सायली सतघरे, राधा यादव।

भारत की अपडेटेड वनडे टीम:

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), प्रतिका रावल, हरलीन देओल, जेमिमा रॉड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), तेजल हसाबनीस, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, श्री चरणी, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गाऊद, सायली सतघरे, राधा यादव।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

गिरते ही आग ...

हम अलर्ट पर हैं और मैं निजी तौर पर हालात की समीक्षा कर रहा हूं। सभी उड्डयन आपात एजेंसियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे समन्वय तरीके से और तेजी से कार्रवाई करें। बचाव टीमों को भी मौके पर भेजा गया है और चिकित्सा सुविधाओं को भी अलर्ट किया गया है। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं विमान में सवार लोगों और उनके परिजनों के प्रति हैं। राम मोहन नायडू ने बताया कि वे डीजीसीए, एएआई के शीर्ष अधिकारियों के संपर्क में हैं।राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विमान हादसे की घटना पर गहरा दुख जताते हुए कहा, विमान हादसे के बारे में जानकर मैं बहुत व्यथित हूं। यह एक हृदय विदारक आपदा है। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं प्रभावित लोगों के साथ हैं। इस दुख की घड़ी में पूरा देश उनके साथ खड़ा है। उपराष्ट्रपति डॉ. जगदीप धनखड़ ने हादसे पर दुख जताते हुए कहा, अहमदाबाद में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना ने हमें एक विनाशकारी मानवीय त्रासदी का सामना करने पर मजबूर कर दिया है। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उन सभी लोगों के साथ हैं जो इस घटना से प्रभावित हुए हैं। दुख की इस घड़ी में, पूरा देश उनके साथ एकजुटता से खड़ा है। विमान हादसे पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, कांग्रेस नेता राहुल गांधी सहित कई नेताओं ने दुख जताया है और प्रभावितों के परिवारों के लिए प्रार्थना की है।एयर इंडिया के विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद सरदार वल्लभभाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सभी उड़ानों का परिचालन अस्थायी रूप से रोक दिया गया था। लेकिन कुछ देर के बाद उड़ान परिचालन फिर से शुरू कर दिया गया। एयरपोर्ट ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे हवाई अड्डे पर जाने से पहले अपनी संबंधित एयरलाइनों से ताजा अपडेट के लिए संपर्क करें। एयर इंडिया के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने भी विमान हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने कहा कि इस समय हमारा ध्यान उन सभी लोगों की मदद करने पर है जो इस हादसे में प्रभावित हुए हैं और उनके परिवारों को हर तरह की सहायता देने की कोशिश की जा रही है।विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) गुरुवार को अहमदाबाद हवाई अड्डे पर एयर इंडिया विमान दुर्घटना की जांच करेगा। दुर्घटना में शामिल एयर इंडिया के ड्रीमलाइनर बोइंग 787 विमान में 12 चालक दल के सदस्यों सहित 242 लोग सवार थे। अधिकारी ने कहा कि एएआईबी के महानिदेशक और एजेंसी में जांच निदेशक सहित अन्य लोग अहमदाबाद के लिए रवाना होंगे। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के तहत, एएआईबी भारतीय हवाई क्षेत्र में परिचालन करने वाले विमानों से जुड़ी सुरक्षा घटनाओं को दुर्घटनाओं और गंभीर घटनाओं में वर्गीकृत करने के लिए जिम्मेदार है। यह दुर्घटनाओं की विस्तृत जांच करता है और सुरक्षा में सुधार के उपाय भी सुझाता है। बोइंग ने एक बयान में कहा, हम शुरुआती रिपोर्टों से अवगत हैं और अधिक जानकारी जुटाने के लिए काम कर रहे हैं।

पुतिन सहित कई...

सहायता प्रदान करने के लिए काम कर रहा है। इसने वाणिज्य दूतावास सहायता के लिए एक संपर्क नंबर भी जारी किया। एफसीडीओ ने कहा, जिन ब्रिटिश नागरिकों को कांसुलर सहायता की आवश्यकता है या जिन्हें मित्रों या परिवार के बारे में चिंता है, वे 020 7008 5000 पर कॉल कर सकते हैं।

जर्मनी के विदेश मंत्री जोहान वेडफुल ने कहा कि जर्मनी अहमदाबाद में एयर इंडिया विमान दुर्घटना की चौंकाने वाली तस्वीरों पर नजर रख रहा है और भारत के लोगों के लिए प्रार्थना कर रहा है। वेडफुल ने कहा, हम अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हुए एयर इंडिया के विमान की चौंकाने वाली तस्वीरों पर नजर रख रहे हैं। चूंकि हम अभी विवरण जान रहे हैं, इसलिए मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं भारत में हमारे मित्रों और वर्तमान में अपने प्रियजनों के लिए आशा कर रहे सभी लोगों के साथ हैं।भारत में चीन के राजदूत जू फेइहोंग ने अहमदाबाद विमान हादसे पर दुख व्यक्त किया और प्रभावित सभी लोगों के साथ एकजुटता व्यक्त की है। उन्होंने कहा, अहमदाबाद में हुए दुखद विमान हादसे से बहुत दुखी हूं। हमारी संवेदनाएं यात्रियों और उनके परिवारों के साथ हैं। हम इस मुश्किल समय में प्रभावित सभी लोगों के साथ एकजुटता से खड़े हैं। भारत में फ्रांस के राजदूत थिएरी मथौ ने कहा, अहमदाबाद में विमान हादसे की खबर से फ्रांस बहुत दुखी है और इस मुश्किल समय में पूरी एकजुटता व्यक्त करता है। हमारी संवेदनाएं पीड़ितों और उनके प्रियजनों के साथ हैं।

हम इस मुश्किल समय में अपनी पूरी एकजुटता व्यक्त करते हैं।भारत में रूस के राजदूत डेनिस अलीपोव ने पीड़ितों के परिवारों और उनके करीबियों के प्रति संवेदना व्यक्त की। अलीपोव ने कहा, अहमदाबाद से दिल दहला देने वाली खबर आ रही है।

इस दुखद आपदा पर पीड़ितों के परिवारों और उनके करीबियों और सभी भारतीय लोगों और भारत सरकार के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना है।यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा, अहमदाबाद में विमान दुर्घटना की दुखद खबर आई है। इस भयानक नुकसान से पीड़ित परिवारों और प्रियजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। हम आपके दर्द को साझा करते हैं। यूरोप इस दुख की घड़ी में आपके और भारत के लोगों के साथ एकजुटता से खड़ा है।

फिर डीजीसीए ने...

इस तरह के गंभीर सवालों और विवादों में फंसे विमान को उड़ान भरने की डीजीसीए ने इजाजत क्यों दी, यह गंभीर सवाल है। लेकिन इस सवाल पर केंद्र सरकार ने कभी ध्यान नहीं दिया।

अहमदाबाद में 37...

पालम एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान तमिलनाडु के चेन्नई से नई दिल्ली आ रहा बोइंग 737 विमान तूफान और बारिश में कम दृश्यता में लैंडिंग के दौरान हाई टेंशन तारों में उलझ गया। इसके बाद यह विमान क्रैश हो गया और विमान में सवार 65 में से 48 लोगों की जान चली गई। इस घटना में चार अमेरिकी, तीन ब्रिटिश और एक यमनी महिला की मौत हो गई थी। 12 अक्टूबर 1976 को मुंबई में इंडियन एयरलाइंस का विमान (फ्लाइट 171) क्रैश हो गया था। इस हादसे में 85 लोग मारे गए थे। बॉम्बे (मुंबई) से मद्रास (अब चेन्नई) जा रहा बोइंग विमान उड़ान भरने के ठीक बाद ही इंजन में खराबी का शिकार हो गया। पायलट ने इमरजेंसी लैंडिंग की अनुमति मांगी। इस दौरान प्लेन में आग भड़क गई और पायलट ने विमान का नियंत्रण खो दिया। घटना में कोई नहीं बचा था।

1 जनवरी 1978 तो बॉम्बे में बांद्रा के पास एयर इंडिया फ्लाइट 855 दुर्घटनाग्रस्त हो गया। उस हादसे में सभी 213 लोग मारे गए। कॉकपिट में यंत्र की विफलता के बाद कैप्टन के दिशा भ्रम के कारण हादसा हुआ था। 14 फरवरी 1990 को बेंगलुरु एयरपोर्ट पर लैंडिंग के वक्त इंडियन एयरलाइंस का विमान (फ्लाइट 605) दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे 92 लोगों की मौत हो गई थी। 16 अगस्त 1991 को इंफाल के पास इंडियन एयरलाइंस का विमान (फ्लाइट 257) क्रैश हो गया, जिसमें सभी 69 लोग मारे गए थे। 26 अप्रैल 1993 को महाराष्ट्र के औरंगाबाद में इंडियन एयरलाइंस का विमान (फ्लाइट 491) टेकऑफ के दौरान रनवे पर ट्रक से टकरा गया। इस हादसे में 55 लोगों की मौत हो गई थी।12 नवम्बर 1996 को दिल्ली के पास हरियाणा के चरखी दादरी में दो विमान हवा में ही टकरा गए थे। एक विमान सऊदी एयरलाइंस (फ्लाइट 763) और दूसरा कजाकिस्तान एयरलाइंस (फ्लाइट 1907) था। इस हादसे में दोनों विमानों में सवार कुल 349 लोगों की मौत हो गई थी। यह इतिहास की सबसे भयावह मिड-एयर टक्कर मानी जाती है। यह हादसा कजाकिस्तान के पायलट की गलती की वजह से हुआ था।बिहार की राजधानी पटना में 17 जुलाई 2000 को एलायंस एयर का बोइंग 737-2ए8 विमान हादसे का शिकार हो गया था। इस दुर्घटना में 56 यात्रियों की मौत हो गई थी। इनमें से 51 के शव विमान में मिले थे और 5 ज़मीन पर पाए गए थे। लैंडिंग के दौरान विमान सरकारी आवासीय कॉलोनी पर क्रैश हो गया था। 22 मई 2010 कर्नाटक के मैंगलोर में एयर इंडिया का एक्सप्रेस बोइंग 737-800 नाम का प्लेन क्रैश हो गया था। इस घटना में 158 यात्रियों की मौत हुई थी। विमान में 160 यात्री और क्रू मेंबर सवार थे। इनमें से केवल 8 बच पाए थे। हादसे की वजह खराब मौसम के कारण रनवे ओवर रन बताया गया था। प्लेन घाटी में गिर गया था और दो हिस्सों में टूट गया था।

7 अगस्त 2020 को केरल के कोझिकोड (कालीकट) में एयर इंडिया एक्सप्रेस बोइंग 737-800 विमान हादसे का शिकार हो गया था। इस दुर्घटना में 17 यात्री और क्रू मेंबर (दोनों पायलट सहित) की मौत हो गई थी और 138 लोग घायल हो गए थे। यह हादसा रनवे पर रुकने में असफल होने के कारण विमान 100 फीट गहरी घाटी में गिर गया था। इस हादसे में प्लेन के तीन टुकड़े हो गए थे। भारी बारिश और खराब दृश्यता के कारण विमान हादसे का शिकार हुआ था।

अहमदाबाद विमान...

अगस्त 2016 में आनंदीबेन पटेल के जाने के बाद वह सीएम बने थे। वह भाजपा अध्यक्ष अमित शाह के नजदीकी माने जाते हैं। जैन समुदाय से ताल्लुक रखने वाले रुपाणी को शीर्ष पद देकर भाजपा आलाकमान ने अल्पसंख्यकों में भी संदेश देने की कोशिश की है। रुपाणी का सौराष्ट्र के इलाके में प्रभाव माना जाता है। राजनीतिक तौर पर यह इलाका बेहद संवेदनशील माना जाता है। इस विधानसभा चुनाव में भाजपा को कांग्रेस से इसी इलाके में कड़ी टक्कर का सामना करना पड़ा था।रुपाणी साल 2006 से 2012 के बीच राज्यसभा के सदस्य रहे। वह जल संसाधन, खाद्य जैसे विभिन्न संसदीय कमेटियों के हिस्सा रहे हैं। वह 2013 में गुजरात म्युनिसिपल फाइनेंस बोर्ड के चेयरमैन बने थे। अक्टूबर 2014 में वह राजकोट पश्चिमी सीट पर हुए उप-चुनाव में बड़े अंतर से जीते थे। तत्कालीन विधायक वजूभाई रुपाला के गवर्नर बनने से सीट खाली हो गई थी। फरवरी 2016 में रुपाणी राज्य भाजपा अध्यक्ष बने। रुपाणी आनंदीबेन सरकार में ट्रांसपोर्ट मंत्री के तौर पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। राजनीति में उनकी एंट्री कॉलेज के दिनों में हुई। यहां वह एबीवीपी में शामिल हुए और 70 के दशक में नवनिर्माण आंदोलन का हिस्सा बने। वह जयप्रकाश नारायण के आह्वान पर हुए छात्रों के प्रदर्शन में शामिल होने वालों में सबसे आगे रहे। रुपाणी इमरजेंसी के दौरान भुज और भुवनेश्वर की जेलों में भी रहे। वह 1987 में पहली बार राजकोट नगर निगम में पार्षद बने। बाद में शहर की भाजपा इकाई के अध्यक्ष बने।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 13 जून, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

ईसीआईएल में प्रोफेशनल कौशल पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

अनुभवशील होकर तकनीकी ज्ञान का प्रसार करना चाहिए : सी. मुरलीधर

हैदराबाद, 12 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल), हैदराबाद, में उप महाप्रबंधक (डीजीएम) स्तर के अधिकारियों के लिए प्रोफेशनल कौशल पर दो दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ईसीआईएल के कॉरपोरेट प्रशिक्षण एवं विकास केन्द्र में आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ सी. मुरलीधर, कार्यपालक निदेशक-मानव संसाधन ने किया। उन्होने अपने अभिभाषण में कहा कि उप महाप्रबंधक स्तर के अधिकारियों को अधिक से अधिक अनुभवशील हो कर अपने तकनीकी अनुभवों को अपनी टीम के सदस्यों के साथ प्रसारित करना चाहिए।

इस स्तर के अधिकारियों को अपने प्रोफेशनल कौशल को बढ़ाने के लिए अपने साथ-साथ टीम को भी विकसित तथा सशक्त करना चाहिए। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे दिन कर्नल रविदीप सिंह छाबड़ा (से.नि.) ने प्रशिक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि व्यक्तिगत एवं कॉरपोरेशन के प्रोफेशनल जीवन में प्रशिक्षण अत्यंत सकारात्मक एवं प्रभावी भूमिका निभाता है। कॉरपोरेट प्रशिक्षण एवं विकास केन्द्र के प्रबंधक एवं प्रभारी डॉ. राजनारायण अवस्थी ने उपस्थित अधिकारियों को कॉरपोरेशन की विभिन्न प्रशिक्षण संबंधी गतिविधियों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि प्रोफेशनल तकनीकी एवं विभिन्न व्यवहारिक प्रशिक्षण के आयोजन का प्रमुख उद्देश्य अधिकारियों की कौशल क्षमता को विकसित एवं सशक्त करना है।

इसके लिए विभिन्न विकसित किए गए माड्यूल से अधिकारियों को परिचित कराया गया। कार्यक्रम में कॉन्फिडेमी के किरण चंदर को प्रशिक्षक के रूप में आमंत्रित किया गया। उन्होंने कम्युनिकेशन की विभिन्न मनोवैज्ञानिक गतिविधियों के माध्यम से अधिकारियों को प्रशिक्षित किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन समारोह में प्रतिभागी अधिकारियों ने प्रशिक्षण की प्रभावी उपयोगिता पर अपने विचार प्रस्ताव किए। कार्यक्रम के सफल आयोजन में जंगम विद्या, उप प्रबंधक, आर.स्वामी, उप अधीक्षक, बी. विद्यासागर तथा सीएलडीसी के प्रशिक्षुओं ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा का 108 कलशों से हुआ भव्य शाही जल स्नान

हैदराबाद, 12 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। जगन्नाथद्वारा खाकी अखाड़ा मठ मंदिर शंकर बाजार, बेगम बाजार में महंत अमृत दास खाकी के नेतृत्व में वेदपाठी ब्राह्मणों के मंत्रोच्चार के साथ भगवान जगन्नाथ बलभद्र और सुभद्रा जी की जलयात्रा उत्सव में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। लोगों ने भगवान बुद्ध अवतार दर्शन किए। इस अवसर पर आयोजित भजन संध्या के साथ प्रसादी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महंत राहुल दास, महंत अरूण दास, महंत योगी प्रशांतदास, उप सचिव टी. तुलसी कुमारी, बंदोबस्ती धर्मस्व विभाग तेलगाना सरकार गोपाल दरक, गोपाल राठी, संजय तोतला, गिरिराज मिश्रा, बिहारी लाल यादव, अनिल मूंदड़ा, विजय कुमार तोतला, शुभम तोतला, रमेश यादव, दीपक मिश्रा, नीलेश मूंदड़ा, राज मूंदड़ा, केशव तोतला, श्याम सुन्दर दायमा, पुष्पेंद्र शुक्ला, शत्रुध्न दायमा, पुजारी श्रीकांत, पुजारी श्याम शर्मा, सूरज महराज, महेश गौतम प्रेमराज, एडवोकेट कमलेश द्विवेदी मनीष मनीष मलानी, आनन्द, पवन एवं अन्य उपस्थित थे। गुरुवार से 15 दिनों के लिए भगवान एकांतवास में रहेंगे। 15 दिनो तक काढ़ा पिलाया जाएगा और 26 जून को भगवान पुनः भक्तों को दर्शन देंगे और 27 जून को जगन्नाथ रथ यात्रा निकाली जाएगी।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत गुरुवार को नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर -सतीश गुप्ताआशा अग्रवाल,रामप्रकाश अग्रवाल,जगत नारायण अग्रवाल,महेश अग्रवाल,महेश गुप्ता,सुशील गुप्ता,अशोक गुप्ता एस.जे,आरती गुप्ता,रोहित अग्रवाल,संजय गोयल,गोपाल गोयल,नंदकिशोर अग्रवाल,भगतराम गोयल,ई जगन (चंपा पालतू), कैलाश चंद केडिया, निर्मला केडिया एवं राधे राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

अग्रवाल समाज हैदरगुड़ा शाखा और वैभवी नारी शक्ति की संयुक्त बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 12 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज, हैदरगुड़ा शाखा एवं वैभवी नारी शक्ति के पदाधिकारियों की संयुक्त बैठक एबिड्स स्थित सीए मनोज कुमार अग्रवाल के कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक का शुभारंभ महाराजा अग्रसेन जी की पूजा-अर्चना से हुआ।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में पवन कुमार अग्रवाल ने बताया कि नव-निर्वाचित शाखा अध्यक्ष महेश कनोडिया ने सभी पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए समाज की भावी योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में संयुक्त मंत्री रितेश अग्रवाल ने आगामी सावन की सैर यात्रा की जानकारी दी, जिसमें इस वर्ष समाज के सदस्य भीमाशंकर और घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन करेंगे तथा लोनावला की हरियाली का भी आनंद उठाएँगे। यात्रा संबंधी जानकारी व्हाट्सएप द्वारा साझा की जाएगी। शाखा अध्यक्ष महेश कनोडिया, संयुक्त मंत्री रितेश अग्रवाल, वैभवी नारी शक्ति शाखा अध्यक्ष ऋतू अग्रवाल इसके संयोजक हैं।

शाखा उपाध्यक्ष सीए मनोज कुमार अग्रवाल ने बताया कि इस वर्ष भी समाज की ओर से जरूरतमंद स्कूलों एवं अनाथाश्रमों में दो डिजिटल क्लासरूम स्थापित किए जाएंगे। वहीं कोषाध्यक्ष निरंजन पित्ती ने समाज के लिए एक पॉडकास्ट एवं यूट्यूब चैनल शुरू करने की योजना साझा की, जिसमें सामाजिक सुधार, पारिवारिक समाधान, वैवाहिक चर्चा एवं सांस्कृतिक विषयों पर संवाद होंगे। इसके लिए संपादकीय समिति गठित की जाएगी।

पूर्व अध्यक्ष गोपालदास अग्रवाल ने पॉडकास्ट को निशा हैंडीक्राफ्ट्स द्वारा प्रायोजित करने का आश्वासन दिया।

वैभवी नारी शक्ति की अध्यक्ष रितु अग्रवाल ने घोषणा की कि दिसंबर या जनवरी माह में समाज द्वारा अभिभावक दिवस (माता-पिता सम्मान समारोह) का आयोजन किया जाएगा।

शाखा मंत्री रमाकांत गोयल ने जानकारी दी कि हैदरगुड़ा शाखा एवं लायंस भोजनालय के सहयोग से लायन कमल किशोर अग्रवाल द्वारा नामपल्ली स्थित शिव मंदिर में 680 दिनों से अन्न प्रसाद वितरण सेवा अनवरत संचालित की जा रही है। अब यह सेवा प्रत्येक सप्ताह समाज के तीन सदस्यों के सहयोग से और सुचारु रूप से चलाई जाएगी। प्रतिदिन 300-350 लोगों को निशुल्क भोजन कराया जाता है। समाज के सदस्य अपने विशेष अवसरों जैसे जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ, पुण्यतिथि आदि पर 5000 रुपये की सहयोग राशि से एक दिन का भोजन प्रायोजित कर सकते हैं। इच्छुक सदस्य कमल किशोर अग्रवाल (मो.: 98490 99368) से संपर्क कर सकते हैं।महेश कनोडिया ने बताया कि वर्ष 2021 से समाज द्वारा णीश ठर्ंीिप इरीळी पर निशुल्क मेडिकल इक्विपमेंट सेवा चलाई जा रही है। इस सेवा में ऑक्सीजन कंसंट्रेटर, सिलेंडर, बायपैप मशीन, व्हीलचेयर, पेशेंट बेड आदि उपलब्ध हैं। इन उपकरणों का उपयोग न केवल हैदराबाद बल्कि केदारनाथ, अमरनाथ, चारधाम, अयोध्या एवं सरकारी अस्पतालों तक अनुदान स्वरूप किया गया है।केंद्रीय समिति सदस्य अनिल अग्रवाल ने समाज के सदस्यों से आग्रह किया कि यदि उनके पास कोई भी अनुपयोगी मेडिकल उपकरण जैसे हियरिंग एड, पेशेंट बेड, व्हीलचेयर आदि हो तो उसे समाज को दान करें। शाखा उस उपकरण को दानकर्ता के घर से गोडाउन तक लाने की जिम्मेदारी लेगी।किसी भी सेवा संबंधी आवश्यकता या सहयोग के लिए इस समिति में महेश कनोडिया (मो. 9966994499), सीए मनोज कुमार अग्रवाल (मो. 9393066923), रविंद्र गोयल (बंटी भाई), रामकांत गोयल (मो. 9391034050), मनीष अग्रवाल (आटापुर) (मो. 9246571921), संजय सिंह (मो. 9848017193) एवं अनिल अग्रवाल (मो. 9347055211) से संपर्क ककिया जा सकता है। मेडिकल आपातकालीन सेवा या आर्थिक सहायता के लिए कमल किशोर अग्रवाल (9030775930) से संपर्क किया जा सकता है। अंत में, वैभवी नारी शक्ति की मंत्री सतवंती सरायवाला के धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक का समापन हुआ, जिसके पश्चात सभी सदस्यों ने जलपान का आनंद लिया।इस बैठक में शाखा संयुक्त मंत्री रितेश अग्रवाल के पिताजी स्वतंत्र कुमार अग्रवाल विशेष आमंत्रित के रूप में उपस्थित रहे।

इस अवसर पर राजकुमार सरायवाला, जयप्रकाश गोयल, अरविंद अग्रवाल, दीपक गुप्ता, अजय कुमार अग्रवाल, अनुपमा गुप्ता, विकास गुप्ता, एडवोकेट संतोष अग्रवाल, सपना अग्रवाल, सचिन अग्रवाल, संजय कनोडिया, कमल अग्रवाल एवं सुधांश अग्रवाल सहित कई गणमान्य सदस्य उपस्थित थे।

शेयर मार्केट

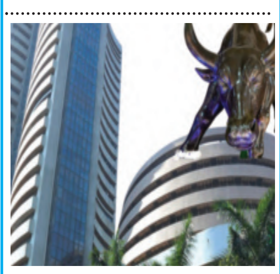

बीएसई : 81,691.98
-823.16 -1.00% ↓
एनएसई :24,888.20
-253.20 (-1.01%) ↓

सर्राफा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)
सोना : 1,00,520/- (प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 1,08,510/- (प्रति किलोग्राम)

मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला शाखा सिकंदराबाद द्वारा शाखा की अध्यक्षता शीतल जैन के नेतृत्व में नारी चेतना के अंतर्गत गवर्नमेंट प्राइमरी गर्ल्स स्कूल में सेनेटरी पैड, साबुन और कुछ जरूरत की सामग्री दान की गई। इसके लाभार्थी शाखा की सदस्या सीता गांधी और मेघा सिंघी रहे हैं। कार्यक्रम मेंशाखा मंत्री सुमन घोड़ेला, स्मिता सेठिया, मीना दूगड़, सुनीता डूंगरवाल, उर्मिला ढल्ला, प्रियंका जैन, पूनम बोहरा, अर्चना बोहरा, सुरेखा गांधी, पुष्पा कोठारी, हितेश शर्मा, दिशिता शर्मा, बबीता शर्मा, सरोज जैन,चंदा मोदी, आशा लुणावत, गायत्री और रिया सिंघी एवं अन्य उपस्थित थे। संयोजिका अंकिता जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया।

अहमदाबाद विमान हादसे में विजय रूपाणी की मौत पर जैन माइनॉरिटी काउंसिल ने जताया दुख

हैदराबादा, 12 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। गुजरात के अहमदाबाद एयरपोर्ट से उड़ान भरने के तुरंत बाद लंदन जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट एआई171 गुरुवार को दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में विमान में सवार भाजपा के वरिष्ठ नेता और गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की मौत हो गई। रूपाणी की मौत पर गुजराती समाज में शोक की लहर दौड़ गई। कई सामाजिक संस्थाओं ने उनकी मौत पर दुख जताया। जैन माइनॉरिटी काउंसिल ने दुख जताते हुए लिखा कि विमान हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता विजय रूपाणी का निधन अत्यंत दुखद और पीड़ादायक है।

आंध्रप्रदेश के मंत्रियों एवं अधिकारियों से की शिष्टाचार भेंट

हैदराबाद, 12 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्रप्रदेश के अमरावती स्थित प्रदेश सचिवालय मे राज्य के मंत्रीयो एवं अधिकारीयो से श्री अयोध्या राम चेरीटेबल ट्रस्ट व धर्माचार्य पिठम की ओर से स्वामी कमलेश महाराज ने शिष्टाचार भेट कर सनातन धर्म संबंधीत विभिन्न मुद्दो पर बातचीत की।

आज यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ती मे प्रचार प्रसार संयोजक रिद्धीश जागीरदार ने बताया कि स्वामी कमलेश महाराज एवं शेषाभट्टाचार्य महाराज ने अमरावती मे आंध्रप्रदेश राज्य के कौशल विकास मंत्री अच्चम नायुडु, धर्मस्व विभाग मंत्री रामनारायण राव, धर्मस्व विभाग मुख्य सचीव एवं आयुक्त मोहन रामचंद्रा से भेट कर हिन्दू मंदिरो से संबधीत समस्यो से अवगत कराया गया जिसमे मुख्य समस्या मंदिरो मे दैनिक पूजा, अर्चना से है कई मंदिरो मे धन के अभाव के कारण, प्रातः एवं सायं धूप, दीप नैवध्य जैसी व्यवस्था की भी टोटे है एवं पूर्व मे मंदिरवाय.एस.आर. सरकार से मंदिर के अर्चको को पारितोष बंद कर दिया गया जब की यह पारितोष तेलुगु देशम सरकार से सभी मंदिर के अर्चको को कुछ ना कुछ उनकी आजिवाका चलाने हेतु मानदेय का भुगतान कर रही थी उसे वापस प्रारंभ करने का निवेदन किया गया। स्वामी कमलेश महाराज ने राज्य सरकार से आग्रह किया कि सभी हिन्दू मंदिरो मे कार्य करने वाले कर्मचारी हिन्दूओ को ही नियुक्त किया जाये खासकर तिरूमला तिरूपती देवस्थानम द्वारा संचालित जो देश के बडे बडे राज्य मे मंदिर है उसमे भी हिन्दूओ को ही नियुक्त किया जाये।

प्रभावती जोन की सामूहिक मासिक गोष्ठी सम्पन्न

हैदराबाद, 12 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रभावती जोन ने शांति सामयिक जोन के साथ मेडचल की जैन इंटरनेशनल स्कूल के प्रांगण में स्थित भक्तामर जैन मन्दिर में सामूहिक सामयिक की ।यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में श्रीमती प्रभा दुग्गड़ ने बताया कि स्थानीय महिला मंडल के तत्व-ावधान में हैदराबाद में लगभग 25 सामायिक जोन है।जिनमें प्रतिमाह व्यवस्थित रूप से सामायिक एवं केंद्र द्वारा निर्देशित करणीय कार्य सुचारू रूप से गतिमान है ।इसी कड़ी में आज प्रभावती जोन की बहनों ने जागृति की बहनों के साथ मिलकर 11बजे से 1.30 बजे तक सामूहिक रूप से लगभग 30 सदस्यों ने मिल कर प्रत्येक सदस्य ने दो-दो सामयिक की। सामयिक में नित नेम एवं मंगल भावना के पश्चात् लयबद्ध मधुर स्वर लहरी में भक्तामर स्त्रोत का बड़ी तन्मयता से पाठ किया गया ऊँ ह्रीं श्रीं अर्हम ऋषभाय नम:की एक माला के साथ,चारों दिशाओं में चार लोगस्स का ध्यान किया गया।आदिनाथ प्रभु, शांतिनाथ प्रभु, पार्श्वनाथ प्रभु, महावीर प्रभु, गौतम स्वामी एवं चौबीस तीर्थंकरों की स्तुति की गई । प्रेक्षा कल्याण वर्ष के अंतर्गत कारखाना सिकंदराबाद प्रेक्षा वाहिनी के सदस्यों को श्रीमती सुमन जी सेठिया ने ध्यान स्वाध्याय कायोत्सर्ग वह समताल प्रेक्षा का प्रयोग करवाया सत्य की वंदना की एवं सभी ने अर्हम का जप किया । मंडल की मंत्री श्रीमती सुशीला मोदी में नगर में विराजित साध्वी श्री गवेषणाश्रीजी आदि ठाणा -4 के नगर विचरण के कार्यक्रम के बारे में बताते हुए 16 जून को होने वाली साधारण सभा के बारे में जानकारी दी तथा सभी को साध-ारण सभा में उपस्थित होने का आग्रह किया। आज की सामूहिक सामयिक में सभी को बहुत आनंद आया। अंत में श्रीमती सरोज लोढा एवं मंजुला पटावरी ने आभार ज्ञापन किया ।

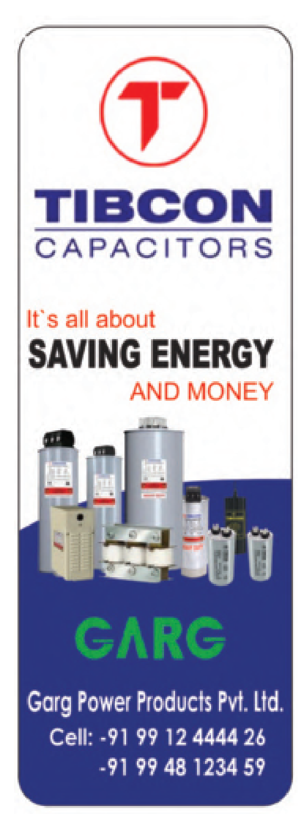

तालागड्डा में रिलायन्स हाईटेक जूनियर कॉलेज का भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में गोशामहल विधायक टी. राजा सिंह ने भाग लिया एवं कॉलेज का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विशेष अतिथियों में पार्षद लाल सिंह, एलकेएसपी अध्यक्ष एम. महेश सिंह, पूर्व पार्षद परमेश्वर, कॉलेज के निदेशक टी. जितेंद्र सिंह, कॉलेज प्रिन्सिपल निशा सिंह, चंद्रशेखर, बी. नरेश सिंह एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। ज्ञातव्य रहे कि रलायन्स हाईटेक जूनियर कॉलेज में युवक एवं युवतियों की कक्षाएं अलग-अलग रखी गई हैं। जिसमें सभी विषय एवं सुविधाजनक परिसर के साथ उपलब्ध है।

इरिसेट में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 175वीं बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 12 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय रेल सिगनल इंजीनियरी व दूरसंचार संस्थान / सिकंदराबाद में आज दि.12.06.2025 को महानिदेशक श्री शरद कुमार श्रीवास्तव जी की अध्यक्षता में इरिसेट राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 175 वीं बैठक, इरिसेट सभागृह में आयोजित की गई। बैठक के आरंभ में राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष श्री शरद कुमार श्रीवास्तव जी ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में इरिसेट में हो रही राजभाषा प्रगति एवं आरंभ किए गए 'हम आप की सेवा में', कार्यक्रम का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए कहा कि इरिसेट स्थित विभिन्न प्रयोगशालाओं, अनुभागों और यूनिटों में राजभाषा से जुडे कर्मचारी संपर्क कर उन्हें राजभाषा में कार्य करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं, जिससे राजभाषा के प्रयोग-प्रसार के लिए अनुकूल वातावरण बन रहा है, इसे बनाए रखने की आवश्यकता पर उन्होंने बल दिया।

साथ ही वार्षिक कार्यक्रम की विभिन्न मदों का अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होने कहा कि सभी अधिकारीगण अपने दैनंदिन सरकारी काम-काज में हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करें।

श्री पी. वी. राजाशेखर, अपर महानिदेशक ने अपने संबोधन में 'जीवन शैली संबंधी रोग और उनकी रोकथाम' विषय पर हिंदी में आयोजित सेमिनार की प्रशंसा की और कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम जो ज्ञानवर्धन के साथ-साथ हिंदी के प्रचार-प्रसार में भी बढ़ोत्तरी करते हैं, भविष्य में भी आयोजित होनी चाहिए।

श्री सी.नीलकंठ रेड्डी, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं वरिष्ठ आचार्य प्रशिक्षण ने अपने संबोधन में कहा कि सभी अधिकारी, संकाय सदस्य और कर्मचारी गृह मंत्रालय एवं रेलवे बोर्ड द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम के अनुसार राजभाषा कार्यान्वयन का शत-प्रतिशत अनुपालन कर रहे हैं।

राजभाषा कार्यान्वयन को सुचारू बनाने के लिए सभी राजभाषा कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं में सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उत्साह पूर्वक भाग लेने के लिए अनुरोध किया है।

इरिसेट संस्थान के सभी अधिकारी, संकाय सदस्य, अनुभाग / प्रयोगशाला प्रभारी तथा पर्यवेक्षक इस बैठक में उपस्थित थे। इस बैठक को सफलतापूर्वक संपन्न करने में इरिसेट राजभाषा अनुभाग के श्रीमती सल्मा शरीफ, वरिष्ठ अनुवादक, श्री राहुल कुमार साव, कनिष्ठ अनुवादक, ने अपना सराहनीय योगदान दिया।

श्री अखिलेश शर्मा, राजभाषा अधिकारी ने बैठक का संचालन किया और कार्यान्वयन के विभिन्न मदों पर विस्तार से चर्चा करते हुए राजभाषा से संबंधित रिपोर्ट पॉवर पाइंट के माध्यम से प्रस्तुत की।

पुलिस ने हत्या की साजिश नाकाम की, राउडीशीटर और गिरोह को हथियारों के साथ गिरफ्तार किया

हैदराबाद, 12 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के साउथ जोन की कमिश्नर टास्क फोर्स ने बंदलागुडा पुलिस के साथ मिलकर एक बड़ी सफलता हासिल की है। इस गिरोह का नेतृत्व कुख्यात बदमाश मोहम्मद जाबिर कर रहा था। पुलिस ने इस अभियान के दौरान 12 नारियल के छिलके काटने वाले चाकू, 5 मोबाइल फोन और एक मारुति कार जब्त की है।

मुख्य आरोपी, मो. जाबेर (43) , आरआर जिले के पहाड़ी शरीफ का निवासी है, जो एक जाना-माना बदमाश है, जिसका लंबा आपराधिक इतिहास है, जिसमें हत्या, जबरन वसूली, स्नैचिंग और हथियार से जुड़े अपराधों से लेकर 12 मामले शामिल हैं । वह पहले पूर्व बदमाश मो. मुर्तुजा अली का करीबी सहयोगी था, लेकिन बाद में व्यक्तिगत मतभेदों के कारण उसका प्रतिद्वंद्वी बन गया।

जाबेर को पहले ही निवारक निरोध (पीडी) अधिनियम के तहत दो बार हिरासत में लिया जा चुका है और वर्तमान में लैंगर हाउस पुलिस स्टेशन में दर्ज एक अन्य हथियार मामले में वह वांछित है।

आरोपियों ने जाबेर के प्रतिद्वंद्वी मो. मुर्तुजा अली को खत्म करने की साजिश रची थी। पुलिस के अनुसार, उन्होंने अपनी योजना के तहत नारियल के खोल से बने चाकू खरीदे थे। 2019 में मुर्तुजा अली की हत्या के एक पिछले प्रयास में भी जाबेर को गिरफ्तार किया गया था।

विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर, पुलिस ने संदिग्धों को पकड़ लिया और लैंगर हाउस पुलिस स्टेशन में सीआर संख्या 182/2025 यू/सेक 25(1)(बी)(3) आर्म्स एक्ट और 61(2) बीएनएस (पूर्व में 120-बी आईपीसी) के तहत मामला दर्ज किया।

पुलिस ने पुष्टि की है कि गिरफ़्तार किए गए गिरोह के कई सदस्यों का पहले भी आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। जांच जारी है और आगे भी गिरफ़्तारियाँ होने की उम्मीद है।यह ऑपरेशन एस. राघवेंद्र, इंस्पेक्टर (दक्षिण क्षेत्र टास्क फोर्स) और के. गुरुनाथ, इंस्पेक्टर (बंडलागुडा पीएस) के पर्यवेक्षण में दोनों टीमों के समर्पित कर्मचारियों और उप-निरीक्षकों के साथ किया गया।

नारायणपेट में कर्नाटक-हैदराबाद बस और ट्रक में टक्कर, 18 लोग घायल

नारायणपेट, 12 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। गुरुवार सुबह राष्ट्रीय राजमार्ग 167 पर एक निजी लग्जरी बस और ट्रक के बीच हुई टक्कर में कम से कम 18 यात्री घायल हो गए, जिनमें से कई की हालत गंभीर है। यह दुर्घटना नारायणपेट जिले के नरसीरेड्डीपल्ली और जकलेर गांवों के बीच हुई।

यह बस कर्नाटक के शिवमोगा से हैदराबाद जा रही थी और इसमें 29 यात्री सवार थे। यह हादसा सुबह के समय हुआ, जिससे यात्रियों और स्थानीय निवासियों में दहशत फैल गई।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, टक्कर की वजह से बस का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया । शुरुआती जांच से पता चला है कि बस की गति बहुत तेज थी और इसी दौरान वह उसी दिशा में जा रहे एक ट्रक के पिछले हिस्से से टकरा गई ।

शुरुआत में घायल यात्रियों को प्राथमिक उपचार के लिए मकथल सरकारी अस्पताल ले जाया गया। बाद में उन्हें बेहतर इलाज के लिए रायचूर और महबूबनगर के अस्पतालों में भेज दिया गया। गंभीर रूप से घायलों में बस चालक भी शामिल है , जिसे फिलहाल निगरानी में रखा गया है।

चौंकाने वाली बात यह है कि दुर्घटना के तुरंत बाद ट्रक चालक मौके से भाग गया । मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस ने ट्रक की पहचान करने और दुर्घटना के सही कारण का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है ।

चेवेल्ला सांसद ने गिरफ्तार गौरक्षकों का समर्थन किया, 'पक्षपातपूर्ण' पुलिसिंग की आलोचना की

हैदराबाद, 12 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। चेवेल्ला के सांसद कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी ने गुरुवार 12 जून को चंचलगुडा केंद्रीय कारागार का दौरा किया और उन गौरक्षकों से मुलाकात की, जिन्हें साइबराबाद पुलिस ने रविवार को अट्टापुर और मैलारदेवपल्ली में हिंसा करने के आरोप में गिरफ्तार किया था।मैलारदेवपल्ली और अट्टापुर में हुई हिंसक घटनाओं के बाद साइबराबाद पुलिस ने विभिन्न मामलों में 21 गौरक्षकों को गिरफ्तार कर रिमांड पर लिया।असामाजिक तत्वों ने कथित तौर पर मैलारदेवपल्ली के दुर्गानगर रोड पर जानवरों की हड्डियाँ ले जा रहे दो डीसीएम वाहनों को आग लगा दी और चालक को जान से मारने की कोशिश की। भीड़ ने मौके पर पहुँची पुलिस पर भी पथराव किया।अट्टापुर में, गौरक्षकों ने कथित तौर पर एक ऑटो ट्रॉली के ड्राइवर पर हमला किया था जो दो बैलों को अट्टापुर में एक स्थान पर ले जा रहा था। भीड़ ने पुलिस पर भी पथराव किया, जिसमें दो पुलिसकर्मी घायल हो गए। मैलारदेवपल्ली और अट्टापुर पुलिस थानों में चार मामले दर्ज किए गए और 21 लोगों को गिरफ्तार किया गया, जबकि कुछ फरार हैं।

तिरुपति : 12 घंटे तक लगातार चला उपनिषद प्रवचन अंतर्राष्ट्रीय वंडर बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में शामिल

तिरुपति (आंध्र प्रदेश), 12 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) यहां बुधवार को अन्नामाचार्य कलामंदिरम में उपनिषदों के संदेशों पर आयोजित 12 घंटे का निरंतर प्रवचन अंतर्राष्ट्रीय वंडर बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में शामिल हो गया।

यह कार्यक्रम राष्ट्रीय गीता प्रचार समिति द्वारा दुनिया के सबसे बड़े हिंदू आध्यात्मिक संस्थान तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) और हिंदू धर्म प्रचार परिषद के सहयोग से आयोजित किया गया था।

एचडीपीपी के कार्यक्रम सहायक और प्रसिद्ध विद्वान पोन्ना कृष्णमूर्ति ने सुबह 7 बजे से शाम 7 बजे तक बिना रुके व्याख्यान दिया।उनकी इस उपलब्धि को लंदन स्थित अंतर्राष्ट्रीय वंडर बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने मान्यता दी।

सीएसआईआर-आईआईसीटी द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस 2025 पर

संधारणीय कृषि प्रौद्योगिकियों पर कार्यशाला आयोजित

हैदराबाद, 12 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। सीएसआईआर-भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान (सीएसआईआर-आईआईसीटी) ने 12 जून 2025 को विश्व पर्यावरण दिवस 2025 समारोह के भाग के रूप में किसानों के लिए पर्यावरण की दृष्टि से अनुकूल कृषि पद्धतियाँ: अवायवीय पाचन से किण्वित जैविक खाद और कीट नियंत्रण के लिए फेरोमोन पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की।

कार्यशाला का उद्देश्य संधारणीय कृषि, अपशिष्ट से ऊर्जा समाधान और ग्रामीण आजीविका का समर्थन करने वाली नवीन, क्षेत्र-तैयार प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन करके विज्ञान और समाज के बीच की खाई को पाटना था।इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्री एम. रघुनंदन राव, आईएएस, एपीसी और तेलंगाना सरकार, कृषि मंत्रालय के सचिव उपस्थित थे। अपने संबोधन में उन्होंने किसानों की ज़रूरतों को पूरा करने में सीए-सआईआर-आईआईसीटी जैसे राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थानों के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कृषि क्षेत्र में प्रौद्योगिकियों के प्रभावी हस्तांतरण को सुनिश्चित करने के लिए इस तरह की कार्यशालाओं में भाग लेने वाले किसानों के महत्व को भी बताया। उन्होंने मिट्टी के स्वास्थ्य पर इसके गहन प्रभाव के कारण रासायनिक उर्वरक के उपयोग को कम करने की महत्वपूर्ण आवश्यकता पर भी बल दिया। अंत में, उन्होंने किसानों से हानिकारक पर्यावरणीय प्रभावों को कम करने के लिए कृषि अपशिष्ट को जलाने के बजाय हरित ऊर्जा उत्पादन के संसाधन के रूप में उपयोग करने का आग्रह किया। अपने स्वागत भाषण में, सीएसआईआर-आईआईसीटी के निदेशक डॉ श्रीनिवास रेड्डी ने सीएसआईआर-आईआईसीटी की बहुमुखी भूमिका पर जोर दिया, जो रासायनिक प्रौद्योगिकी से परे है, बल्कि कृषि विज्ञान और किसानों की जरूरतों को पूरा करने वाला एक संस्थान भी है। उन्होंने 'कचरे से धन' पहल में संस्थान के महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डाला, विशेष रूप से डॉ ए गंगाग्नि राव और उनकी टीम की एक तकनीक (एनारोबिक गैस लिफ्ट रिएक्टर (एजीआर) तकनीक) विकसित करने के लिए सराहना की, जो जैविक कचरे को बायोगैस और बायोमेन्योर में परिवर्तित करती है उन्होंने वैक्सीन सहायक विकास, चावल की भूसी के तेल के उत्पादन के साथ खाद्य प्रौद्योगिकी में प्रगति और बायोडिग्रेडेबल प्लास्टिक के साथ पर्यावरणीय समाधान के माध्यम से सार्वजनिक स्वास्थ्य में संस्थान के योगदान पर प्रकाश डाला। सत्र में समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान और विश्व पर्यावरण दिवस 2025 पुरस्कारों की प्रस्तुति भी शामिल थी। कार्यशाला में डॉ. ए. जी. राव, डॉ. के. राजू, डॉ. बी. वी. सुब्बा रेड्डी, डॉ. पी. आनंद और डॉ. सुरेखा सहित प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों द्वारा व्यावहारिक प्रस्तुतियां दीं गईं; ज्ञान साझा करना, प्रदर्शन, और विभिन्न तकनीकों और उनके अनुप्रयोगों को कवर करने वाले क्षेत्र के दौरे; इनमें जैविक खेती शामिल है; एनारोबिक गैस लिफ्ट रिएक्टर (एजीआर) तकनीक- एक उच्च दर बायोमिथेनेशन तकनीक जिसका उपयोग बायोडिग्रेडेबल कार्बनिक कचरे से संपीड़ित बायोगैस और जैव खाद उत्पन्न करने के लिए किया जाता है फेरोमोन अनुप्रयोग प्रौद्योगिकी (पीएटी) - पर्यावरण के अनुकूल कीट प्रबंधन जो फेरोमोन का उपयोग करके कीटों/कीटों को फंसाता है; और कृषि बायोमास को सुशोभित करने वाली तकनीक का उपयोग करके पशु चारा तैयार करता है।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME & DOB
I, GURUSAMY P father of Service No. 2612568P L/Hav G.PETHANAN, R/o.2/269, Keela Street, T Ramanathapuram Post, Elumalai RF, Dist:Madurai, Tamil Nadu-625535 have changed my name and DOB from GURUSAMY, DOB:11-07-1946 to GURUSAMY P, DOB:01-07-1958 vide affidavit dt:12-06-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, REVATHI Mother of Service No. 23100541N Sep HARI VIGNESH S, R/o. Vill: Udhagamandalam, PO:Sholur, Dist:TheNilgris, Tamilnadu-643005 have changed my name from C REVATHI to REVATHI vide affidavit dt:12-6-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad

CHANGE OF NAME & DOB
I, OMANA K Mother of Service No. 2615600K Nk SHYJU K N, Residing at ShyjuNivas Vill:Mundur II, PO:Kanhikulam, Dist:Palakkad Kerala-678596 have changed my name and DOB from OMANA, DOB: 25-05-1959 to OMANA K, DOB:17-04-1959 vide affidavit dt:12-6-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, LAKSHMI NADASAN Mother of Service No. 2607641Y Hav YESUMANI N, R/o.Vill:Oddur, P.O.:Beemandapally, Teh&Dist:Krishnagiri, Tamilnadu-635115 have changed my name and DOB from A LAKSHMI, DOB:28-02-1961 to LAKSHMI NADASAN, DOB: 05-07-1960 vide affidavit dt:12-6-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, GURUVAMMAL G Mother of Service No. 2612568P L/Hav G.PETHANAN, R/o.2/269, Keela Street, T Ramanathapuram Post, Elumalai RF, Dist:Madurai, Tamil Nadu-625535 have changed my name and DOB from G GURUVAMMAL, DOB: 15-05-1952 to GURUVAMMAL G, DOB:25-09-1964 vide affidavit dt:12-06-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, SHAMEEM, Spouse of No.JC-333407P, Rank: Sub Maj, Name SYED NAZEER BASHA, I have Changed my name from SHAMEEM to SYED SHAMEEM, as per affidavit dated 12-06-2025.

CHANGE OF NAME
I, Service No. 2607503X Hav RL SIVAMALA REDDY, R/o.15-14-148/C, Shop Employees Colony, RTC Colony, Dist:Guntur, Andhra Pradesh-522001 hereby declare that my daughter name is to be changed from REDDY LANGANNAGARI LEKHA to REDDY LINGANNAGARI LEKHA vide affidavit dt:12-6-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, MUTHYALA RAMANA REDDY Father of Service No. 2615756F Sep MUTYALA SRINIVASULA REDDY, R/o.Vill:AkkiVariPalli, P.O:MusalareddyPalli, Mandal:Kalasapadu, Dist:Kadapa, Andhra Pradesh-516217 have changed my name and DOB from M.RAMANA REDDY, DOB:21-09-1968 to MUTHYALA RAMANA REDDY, DOB:01-01-1969 vide affidavit dt:12-06-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, MUTHYALA NARAYANAMMA Mother of Service No. 2615756F Sep MUTYALA SRINIVASULA REDDY, R/o.Vill:AkkiVariPalli, P.O:MusalareddyPalli, Mandal:Kalasapadu, Dist:Kadapa, Andhra Pradesh-516217 have changed my name and DOB from M.NARAYANAMMA, DOB:09-11-1970 to MUTHYALA NARAYANAMMA, DOB:01-01-1971 vide affidavit dt:12-06-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, G ANJILAMMA Mother of Service No 2613570Y Hav VENKATRAMULU G, R/o.5-75, Vill and PO:Gundmal, Teh:Kosgi, Dist:Mahabubnagar, Telangana-509339 have changed my name and DOB from ANGILAMMA G, DOB:19-7-1966 to G ANJILAMMA, DOB:01-01-1965 vide affidavit dt:12-6-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, Service No 2613570Y Hav VENKATRAMULU G, R/o.5-75, Vill and PO:Gundmal, Teh:Kosgi, Dist:Mahabubnagar, Telangana - 509339 hereby declare that my daughter name is to be changed from VAISHNAVI to GAVINDLA VAISHNAVI vide affidavit dt:12-6-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, G SEENAPPA Father of Service No 2613570Y Hav VENKATRAMULU G, R/o.5-75, Vill and PO:Gundmal, Teh:Kosgi, Dist:Mahabubnagar, Telangana-509339 have changed my name and DOB from SEENAIAH, DOB:21-06-1962 to G SEENAPPA, DOB:01-01-1959 vide affidavit dt:12-6-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, No. JC 735896X NB Sub Dileep Kumar of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, TS that my daughter name is changed from KHUSI to KHUSHI CHAUDHARY and also my other daughter name is changed from PRIYA to PRIYA CHAUDHARY and also my son name is changed from NIKHIL KUMAR to NIKHIL CHAUDHARY

CHANGE OF NAME
I, No.JC 733073YSub Kanojia Sanjeev Shankerlal of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, TS that my daughter name is changed from KASHISH to KASHISH KANOJIA

CHANGE OF NAME
I, No.JC 733628P Sub Pardeshi Rajendra Dashrath of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, TS that my son name is changed from NEEKNJ R PARDESHI to NEEKUNJ RAJENDRA PARDESHI

CHANGE OF NAME
I, No.JC 732923L Sub Chandra Shekhar Singh of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, TS that my mother name is changed from DHANA DEVI to DHANRAJI

CHANGE OF NAME
I, P Maheswari W/o Dhanapandi K, R/o H.No.4/16A,Sakkarapatti, Usilampatti-(T), Nattarmangalam, Madurai, T.N-625532, have changed my name from P MAHESWARI to D MAHESWARI, vide affidavit dt.10-6-2025, before Sec-Bad Court.

CHANGE OF NAME
I, A CHINNAMAL is legally dependent Mother of Service No. 14673136A, Rank: NK, Name: A NAVANEETHA KUMAR, Unit: MCEME 'C'Coy, SECUNDERABAD, Residing at Vill: MELAKOTTAI, PO: MELAKOTTAI, Teh: THIRUMANGALAM, Dist:MADURAI, State:TAMIL NADU, Pin: 625706, I have Changed my name from A CHINNAMAL to CHINNAMMAL AYYAVU, My Date of Birth is 04-07-1967, Affidavit P DAYAVATHI, LLM Vide Affidavit date 11/06/2025

किसानों को राजस्व सम्मेलनों का लाभ उठाना चाहिए : धोत्रे

कुमरमभीम/आसिफाबाद ,12 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि किसानों को भूमि संबंधी मुद्दों के समाधान के लिए सरकार द्वारा आयोजित भूभारती राजस्व सम्मेलनों का लाभ उठाना चाहिए। गुरुवार को उन्होंने जिले के आसिफाबाद मंडल के चिर्राकुंटा ग्राम पंचायत कार्यालय परिसर में आयोजित राजस्व सम्मेलनों का दौरा किया और अभिलेखों और रजिस्टरों की जांच की।

इस अवसर पर बोलते हुए जिला कलेक्टर ने कहा कि सरकार नए भूभारती आरओआर अधिनियम के कार्यान्वयन के तहत राजस्व सम्मेलनों का आयोजन करेगी और भूमि संबंधी मुद्दों पर लोगों से आवेदन प्राप्त करेगी और समस्याओं के स्थायी समाधान की दिशा में कदम उठाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राजस्व सम्मेलनों में प्राप्त प्रत्येक आवेदन को रजिस्टर में दर्ज करें, रिकॉर्ड से उसकी जांच करें और क्षेत्र स्तर पर व्यापक जांच करें और समस्याओं को जल्दी हल करने की दिशा में कदम उठाएं। उन्होंने कहा कि विभिन्न प्रकार की समस्याओं पर प्राप्त आवेदनों को श्रेणीवार अलग किया जाए, आवेदक को रसीद दी जाए, आवेदनों की गहनता से जांच की जाए, जो आवेदन तहसीलदार स्तर पर निराकृत किए जाने हैं, उनका शीघ्र निराकरण किया जाए तथा जो आवेदन उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं हैं, उन्हें उच्च स्तर पर भेजा जाए।

उन्होंने कहा कि किसानों को राजस्व सम्मेलनों में भूमि संबंधी मुद्दों पर आवेदन प्रस्तुत करना चाहिए, भूभारती अधिनियम के तहत आने वाले मुद्दों की जानकारी प्रत्येक किसान को होनी चाहिए तथा समस्याओं के निराकरण के लिए आयोजित राजस्व सम्मेलनों का लाभ उठाकर अपनी भूमि संबंधी समस्याओं का निराकरण करना चाहिए। इस कार्यक्रम में नायब तहसीलदार सिदाम पोचय्या, गिरधावर साय, राजस्व कर्मचारी, पूर्व एम.पी.पी. अरिगेला मल्लिकार्जुन, किसान शामिल हुए।

मंचेरियाल 'नकदी जमा की जानी चाहिए' एसोसिएशन के राज्य महासचिव बालकृष्ण ने मांग की कि मछुआरों की समितियों के खातों में मुफ्त मछली फ्राई के बदले नकद राशि जमा की जाए। महेश की अध्यक्षता में मंचेरियल में प्रमुख मछुआरा नेताओं की बैठक हुई। केंद्र सरकार को एनसीडीसी और एनएफडीपी योजनाओं को पुनर्जीवित करना चाहिए। उन्हें मछुआरों को 90% सब्सिडी के साथ दोपहिया और चार पहिया वाहन उपलब्ध कराने चाहिए।

धान को शीघ्र चावल मिलों में पहुंचाया जाए : डेविड

कुमरमभीम/आसिफाबाद ,12 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

किसानों के कल्याण के लिए शासन के आदेशानुसार जिले में स्थापित क्रय केंद्रों पर किसानों से खरीदे गए धान को यथाशीघ्र चावल मिलों में पहुंचाया जाए, यह बात जिला अपर कलेक्टर (राजस्व) एम. डेविड ने कही। गुरुवार को उन्होंने जिले के आसिफाबाद मंडल के अप्पापेल्ली गांव में स्थापित यासंगी धान क्रय केंद्र का दौरा किया। इस अवसर पर बोलते हुए जिला अपर कलेक्टर ने कहा कि क्रय केंद्रों पर तौले गए धान को तत्काल चावल मिलों में पहुंचाने के लिए कदम उठाए जाएं तथा बिना तौले गए धान को तिरपाल से ढककर सुरक्षित रखा जाए। उन्होंने क्रय केंद्र प्रबंधकों एवं किसानों को सलाह दी कि वे धान को मौजूदा बारिश में भीगने एवं खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षात्मक उपाय करें। इस कार्यक्रम में जिला नागरिक आपूर्ति विभाग अधिकारी विनोद, क्रय केंद्र प्रबंधकों एवं किसानों ने भाग लिया।

आदिवासियों के कल्याण के लिए जन जातीय उत्थान ग्राम अभियान : कलेक्टर

कुमरमभीम/आसिफाबाद ,12 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

जिला कलेक्टर वेंकटेश दोत्रे ने कहा कि केंद्र सरकार ने आदिवासियों के कल्याण के लिए प्रधानमंत्री जन जातीय उत्थान ग्राम अभियान कार्यक्रम शुरू किया है। गुरुवार को जिला केंद्र स्थित एकीकृत जिला कलेक्ट्रेट भवन कॉन्फ्रेंस हॉल में प्रधानमंत्री जन जातीय उत्थान ग्राम अभियान कार्यक्रम को लेकर आदिवासी कल्याण, बिजली, कृषि, चिकित्सा, शिक्षा, ग्रामीण विकास, पशुपालन, कल्याण, नागरिक आपूर्ति और पंचायत विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक हुई।

इस अवसर पर बोलते हुए जिला कलेक्टर ने कहा कि प्रधानमंत्री जन जातीय उत्थान ग्राम अभियान कार्यक्रम के तहत इस महीने की 15 से 30 तारीख तक जिले के 102 आदिवासी

गांवों में शिविर आयोजित किए जाएंगे। इस कार्यक्रम के तहत 102 आदिवासी गांवों में बैठकें आयोजित कर जरूरतमंदों से आवेदन प्राप्त कर प्रतिदिन ऑनलाइन विवरण दर्ज किया जाए, आधार कार्ड न होने वालों की पहचान की जाए, बैंक खाते न होने वालों की पहचान कर खाते खोले जाएं। उन्होंने कहा कि चिकित्सा विभाग के तत्वावधान में प्रत्येक गांव में चिकित्सा शिविर लगाए जाएं तथा आदिवासियों की जांच कर बीमारियों का निदान किया जाए, जो स्वयं सहायता समूह में पंजीकृत नहीं हैं, उनकी पहचान कर उन्हें तत्काल सदस्य बनाया जाए। उन्होंने कहा कि बिजली आपूर्ति से वंचित गांवों व घरों की पहचान कर पात्र लोगों को तत्काल कनेक्शन दिए जाएं, आंगनबाड़ी केंद्र भवन निर्माण के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किए जाएं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत जातिगत पेशों वालों की पहचान कर उनसे आवेदन प्राप्त किए जाएं, राशन कार्ड न होने वालों को आदिवासियों को जागरूक किया जाए कि वे मी-सेवा केंद्रों पर जाकर कार्ड में सदस्यता जुड़वाएं।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत नए लोगों को जॉब कार्ड दिए जाएं, केंद्र सरकार ने आदिवासियों के विकास के लिए प्रधानमंत्री रोजगार योजना शुरू की है। उन्होंने कहा कि गांवों में आयोजित बैठकों में पंचायत सचिव और संबंधित विभागों के अधिकारी शामिल हों। उन्होंने कहा कि अधिकारी समन्वय के साथ काम करें ताकि प्रधानमंत्री जन जातीय उत्थान ग्राम अभियान योजना के माध्यम से सभी पात्र लोगों को योजना का लाभ मिल सके।

इस कार्यक्रम में जिला आदिवासी विकास अधिकारी रमादेवी, जिला पंचायत अधिकारी भिक्षापति, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी लक्ष्मीनारायण, विद्युत एस. ई. शेष राव, अग्रणी जिला प्रबंधक राजेश्वर जोशी, ई-जिला प्रबंधक गौतम, जिला पशुपालन अधिकारी सुरेश, जिला मत्स्य अधिकारी संबाशिव राव, मिशन भागीरथ ई. ई. सिद्दीकी, संबंधित विभागों के अधिकारी और अन्य लोग शामिल हुए।

कृषि अधिकारी ने खाद्य दुकानों का निरीक्षण किया

मदनूर,12 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

मंडल एग्रीकल्चर अधिकारी राजू ने गुरुवार के दिन एक प्रेस विज्ञापन में बताए की आज फेस्टिसाइड दुकानों के साथ साथ सहकार सोसायटी कार्यालय में रखा गया यूरिया डी ए पी रासायनिक खाद्य का निरीक्षण किया गया। उन्होंने आगे बताए सोसायटी में यूरिया और डीएपी उपलब्ध है।निजी उर्वरक व्यापारियों को भी एमआरपी

मूल्य पर उर्वरक बेचने की चेतावनी दी गई है। कृषि अधिकारी को समय-समय पर प्राप्त स्टॉक की जानकारी दी जाए तथा प्रतिदिन का स्टॉक दर्शाने के लिए प्रति दिन दुकान में स्टॉक बोर्ड लगाया जाए तथा ई-पास के माध्यम से किसानों को खाद्य बेचा जाए। अधिकारियों ने

किसानों को सलाह दी गई कि वे स्पीक डीएपी को छोड़कर सभी डीएपी लें, क्योंकि सभी डीएपी का प्रतिशत 18.46.0 समान है, इसलिए किसानों को सलाह दी गई कि वे ध्यान दें और सभी कंपनियों से उर्वरक लें। इस कार्यक्रम में सोसायटी के सीईओ बाबू राव, किसान और डीलरों ने भाग लिया।

जिले में बड़ीबाटा कार्यक्रम को सफल बनाए : वेंकटेश

कुमरमभीम/आसिफाबाद,12 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

जिला कलेक्टर वेंकटेश दोत्रे ने कहा कि जिले में आचार्य प्रोफेसर जयशंकर बाडीबाटा कार्यक्रम सफल होना चाहिए। गुरुवार को वे जिले के आसिफाबाद मंडल के चिर्राकुंटा गांव में मंडल परिषद प्राथमिक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित बाडीबाटा कार्यक्रम में शामिल हुए और प्रोफेसर जयशंकर के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर बोलते हुए जिला कलेक्टर ने कहा कि इस महीने की 6 से 19 तारीख तक आयोजित होने वाले बाडीबाटा कार्यक्रम को संबंधित अधिकारियों के समन्वय से सफल बनाया जाना चाहिए। उन्होंने गुरुवार को स्कूलों के फिर से शुरू होने पर शिक्षकों और छात्रों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि स्कूली उम्र का हर छात्र स्कूल में होना चाहिए और सरकारी स्कूल सभी सुविधाओं के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों में 5 वर्ष की आयु पूरी करने वाले प्रत्येक विद्यार्थी को स्कूलों में प्रवेश दिलाया जाए तथा स्कूल से बाहर रहने वाले विद्यार्थियों की पहचान कर उन्हें वापस स्कूल लाने के लिए कदम उठाए जाएं। बाद में स्कूल में नए शामिल हुए विद्यार्थियों को प्रवेश फार्म दिए गए। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को विद्यार्थियों को ऐसी शिक्षा देनी चाहिए जो उन्हें समझ में आए तथा वार्षिक परीक्षाओं में श्रेष्ठ परिणाम प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए। कार्यक्रम में जिला ग्रामीण विकास अधिकारी दत्ता राव, मंडल शिक्षा अधिकारी सुभाष, अतिरिक्त ग्रामीण विकास अधिकारी रामकृष्ण, शिक्षा विभाग के अधिकारी, शिक्षक, विद्यार्थी, पूर्व एमपीपी अरिगेला मल्लिकार्जुन, विद्यार्थियों के अभिभावक व अन्य लोगों ने भाग लिया।

उच्च प्राथमिक और उच्च विद्यालयों में स्वच्छता कार्यक्रम चलाए गए

मंचेरियाल(हाजीपुर),12 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । एक तरफ हाजीपुर मंडल के सरकारी प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और उच्च विद्यालयों में स्वच्छता कार्यक्रम चलाए गए। विद्यार्थियों के स्वागत के लिए परिसर में रंगवाले, आम के तोरण और केले के पेड़ लगाए गए। पानी की टंकियों, शौचालयों और कमरों की सफाई की गई। मंडल के सरकारी विद्यालयों में स्कूल यात्रा के माध्यम से 250 लोग शामिल हुए। हार्दिक स्वागत नेनेलाः मंडल का कुसनपल्ली सरकारी प्राथमिक विद्यालय सभी सुविधाओं और शिक्षकों के विशेष ध्या से सभी का ध्यान आकर्षित कर रहा है। यह हरे पेड़ों से आपका स्वागत करता है।

यह अपने हरे-भरे पेड़ों के साथ एक हरे-भरे जंगल जैसा दिखता है। इसके छोटे-छोटे कमरों में 60 बच्चे पढ़ रहे हैं। छात्रों के लिए दोहरी डेस्क बेंच और शौचालय हैं। शिक्षकों के अभियान के कारण प्रवेश में सात की वृद्धि हुई है। बुधवार को बच्चों, शिक्षकों और स्थानीय लोगों ने गांव में स्कूल चलो रैली निकाली।

आवारा कुत्तों के हमले में 20 भेड़ों की मौत

मंचेरियाल,12 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

कलवसरीरामपुर मंडल के मल्लियाल गांव में मंगलवार रात आवारा कुत्तों के हमले में 20 भेड़ें मर गई ग्रामीणों के अनुसार चरवाहे रात में अपने झुंड को खेतों में छोड़कर घर लौट आए थे। देर रात आवारा कुत्तों के एक समूह ने भेड़ों पर हमला कर दिया सत्रह भेड़ें बोटुकु महेश की थी जबकि तीन भेड़ें मुदेथुला संपत की थी मृत पशुओं की अनुमानित कीमत करीब एक लाख रुपये है चरवाहों ने सरकार से उनके नुकसान के लिए मुआवजा देने की मांग की है।

डीए मामले में एसीबी ने सिंचाई इंजीनियर नुने श्रीधर की संपत्तियों पर छापा मारा

मंचेरियाल,12 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने कथित तौर पर आय से अधिक संपत्ति रखने के आरोपों के सिलसिले में सिंचाई कार्यकारी अभियंता (ईई) नुने श्रीधर के आवास और संपत्तियों पर तलाशी ली एसीबी अधिकारियों ने बुधवार की सुबह श्रीधर को करीमनगर स्थित उनके आवास से हिरासत में लिया और हैदराबाद करीमनगर और सिद्दीपेट में 12 स्थानों पर एक साथ तलाशी लीश्रीधर वर्तमान में चोपडांडी में एसआरएसपी कैंप कार्यालय के सीएडी डिवीजन-8 में कार्यरत है वे लक्ष्मीपुर अंडर-टनल नंदी मेदरम और गोलीवाड़ा पंप हाउस के लिए अधीक्षण अभियंता (एसई) के रूप में अतिरिक्त प्रभार भी संभाल रहे है कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना से पूर्व जुड़े श्रीधर को इसके क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले प्रमुख इंजीनियरों में से एक माना जाता है वह करीमनगर शहर में आरटीसी वर्कशॉप के पास एक अपार्टमेंट में रह रहा था छापेमारी के दौरान उसका निजी फ्लैट बंद पाया गया इसलिए एसीबी अधिकारियों ने शहर में एक रिश्तेदार के घर की तलाशी ली एसीबी की विशेष टीम ने कथित तौर पर उसे आगे की पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया।

राचूर व बड़ा एकलरा गांव में भू-भारती सम्पन्न

मदनूर,12 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

मंडल के उप तहसीलदार शिवरामकृष्ण आरआई शंकर ने गुरुवार के दिन एक प्रेस विज्ञापन में बताया कि तेलंगाना राज्य सरकार द्वारा विशेष रूप से लाया गया भू भारती भूमि अधिकार आर ओ आर अधिनियम भूमि मुद्दों के समाधान के लिए है। राजस्व सम्मेलन के हिस्से के रूप में, राजस्व अधिकारियों ने गुरुवार को मदनूर मंडल के राचुरू गांव में भू भारती राजस्व सम्मेलन का आयोजन किया। इस सम्मेलन में, उस गांव के बाहरी इलाकों के किसानों ने भूमि मुद्दों के समाधान के लिए आवेदन प्रस्तुत किए, और अधिकारियों ने उन्हें स्वीकार कर लिया। राजस्व अधिकारियों ने बताया कि भू भारती अधिनियम के तहत भूमि संबंधी समस्याओं का समाधान अवश्य किया जाएगा। इस कार्यक्रम में राजस्व अधिकारी, कर्मचारी और गांव के किसान शामिल हुए।

नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित

किनवट,12 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

नांदेड लायन्स नेत्रालय व श्री साईबाबा श्री नर्मदेश्वर महादेव मंदिर संस्थान किनवट तत्वावधान मे निः शुल्क नेत्र जांच एवं मोतियाबिंद सर्जरी शिविर आयोजित किया गया था इस शिविर में 52 लोगों का पंजीयन हुआ जिसमें 17 मोतियाबिंद मरीज पाए गये उन्हे सर्जरी हेतू नांदेड लायन्स नेत्रालय की वाहन से नांदेड लेकरं मोतिया बिंद आपरेशन कराके मरीजों को वापस किनवट छोडेंगे प्रारंभ में साईबाबा श्री नर्मदेश्वर महादेव की पुजा अर्चना अभिषेक शिबिरार्थी यो के हाथो करके शिबीर का शुरुआत हु ई इस अभियान नेत्र जांच मोतियाबिंद शिबीर मे तज्ज्ञ डॉ बालाजी पाटील ने नेत्र जांच करके मोतियाबिद मरीज पाए गये उन्हे सर्जरी के लिए नांदेड लेकरं ग ए इस शिबीर मे मंदिर संस्थान के सच्चिदानंद पवार गुरु स्वामी, लायन्स क्लब किनवट के पुर्व अध्यक्ष के मूर्ती अण्णा,दंत तज्ज्ञ डॉ बालाजी धर्मकारे, किरण किरण किनवटकर, दिपक नारलावार, अशोक गाडेकर नांदेड, नरसिग नेमानीवार, मंदिर संस्थान के पदाधिकारी व कर्मचारी, नागरिक शिबीर मे उपस्थित थे यह शिबीर प्रत्येक माह के पहले गुरूवार को निः शुल्क नेत्र जांच मोतियाबिंद सर्जरी हेतू आयोजित किया जाता है गत अनेक वर्षों से लगातार शिबीर के माध्यम से सेवा करने का मौका मिल रहा ऐसी प्रतिक्रिया सच्चिदानंद पवार गुरु स्वामी ने व्यक्त किए।

रेवंत रेड्डी को पुलिस के खिलाफ टिप्पणी के 2023 मामले में बरी कर दिया गया

हैदराबाद, 12 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

एक स्थानीय अदालत ने गुरुवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को पुलिस के खिलाफ कथित टिप्पणी को लेकर 2023 में उनके खिलाफ दर्ज एक मामले में बरी कर दिया।

नामित एमपी -एमएलए अदालत ने फैसला सुनाया कि रेड्डी भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की संबंधित धाराओं के तहत दोषी नहीं हैं।रेड्डी इस वर्ष दो बार अदालत के समक्ष उपस्थित हुए और अपने विरुद्ध लगाए गए आरोपों से लगातार इनकार किया।निर्मल जिले के एक पुलिस अधिकारी की शिकायत के बाद अगस्त 2023 में मामला दर्ज किया गया था । शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि उस समय तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष रेवंत रेड्डी ने हैदराबाद में राज्य कांग्रेस मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पुलिस के बारे में अपमानजनक टिप्पणी की थी ।

शिकायत के अनुसार, रेड्डी ने कहा था कि वह अपनी डायरी में महबूबनगर पुलिस के नाम लिख रहे थे और कथित तौर पर तेलंगाना पुलिस के खिलाफ अनुचित भाषा का इस्तेमाल कर रहे थे ।अधिकार क्षेत्र के कारणों से मामले को हैदराबाद के बेगम बाजार पुलिस स्टेशन में स्थानांतरित कर दिया गया । कई सुनवाई के बाद, अदालत ने 22 मई को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया और 12 जून को फैसला सुनाते हुए रेड्डी को सभी आरोपों से बरी कर दिया।

सीएम रेवंत रेड्डी, किशन रेड्डी, ओवैसी ने विमान दुर्घटना पर दुख व्यक्त किया

हैदराबाद, 12 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी, केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी और अन्य नेताओं ने गुरुवार 12 जून को अहमदाबाद में हुए विमान हादसे पर दुख व्यक्त किया, जिसमें कई लोगों के मारे जाने की आशंका है।

तेलंगाना सीएमओ ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि रेड्डी ने घटना में शामिल सभी यात्रियों और चालक दल के सदस्यों की सुरक्षा और भलाई के लिए प्रार्थना की।

मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार से पीड़ितों और उनके परिवारों की सहायता के लिए त्वरित और प्रभावी राहत उपाय करने का आग्रह किया।

इसमें कहा गया, मुख्यमंत्री श्री रेवंत अनुमुला ने एयर इंडिया की फ्लाइट ए171 की दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना पर गहरा दुख और शोक व्यक्त किया है, जो अहमदाबाद से लंदन जाते समय उड़ान भरने के दौरान हुई।

केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने इस विनाशकारी घटना में घायल हुए लोगों और प्रभावित लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की।

केंद्रीय मंत्री बंदी संजय कुमार ने भी दुख व्यक्त किया और कहा कि जहाज पर सवार लोगों की सुरक्षा और जीवन के लिए सामूहिक आशा मजबूत बनी हुई है।उन्होंने कहा, मेरी हार्दिक प्रार्थनाएं यात्रियों, चालक दल और उनके परिवारों के साथ हैं।

एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने इस आपदा की गहन जांच की उम्मीद जताई।

उन्होंने कहा, गुजरात में एयर इंडिया की दुर्घटना से मैं बहुत चिंतित हूं। मेरी प्रार्थनाएं विमान में सवार लोगों और उनके प्रियजनों के साथ हैं। मुझे उम्मीद है कि इस दुर्घटना की गहन जांच होगी।242 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को लेकर लंदन जा रहा एयर इंडिया का विमान गुरुवार दोपहर अहमदाबाद एयरपोर्ट से उड़ान भरने के कुछ ही मिनटों बाद अहमदाबाद के रिहायशी इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। कई लोगों के मारे जाने की आशंका है।

5 दिनों तक लगातार बारिश, आईएमडी ने जारी किया येलो अलर्ट

हैदराबाद, 12 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारतीय मौसम विभाग ने तेलंगाना के लिए मौसम अलर्ट जारी किया है, जिसमें अगले पांच दिनों में कई जिलों में भारी बारिश की भविष्यवाणी की गई है। विभाग ने कई क्षेत्रों के लिए येलो अलर्ट भी जारी किया है, जिसमें निवासियों को प्रतिकूल मौसम की स्थिति के लिए तैयार रहने की चेतावनी दी गई है। गुरुवार को जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, भद्राद्रि कोठागुडेम, खम्मम, महबुबाबाद, वारंगल, हनमकोंडा, विकाराबाद, संगारेड्डी, कामारेड्डी, महबूबनगर, नगरकुर्नूल और वानापर्थी जैसे जिलों में भारी बारिश होने की संभावना है। आईएमडी ने बिजली और गरज के साथ स्थानीय भारी बारिश की चेतावनी दी है।शुक्रवार के लिए पूर्वानुमान के अनुसार जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, भद्राद्री कोठागुडेम, महबूबाबाद, वारंगल और हनमकोंडा जिलों में बिजली के साथ तूफान आएगा, 40-50 किमी प्रति घंटे की गति से हवा चलेगी और भारी वर्षा होगी।शनिवार तक, भूपालपल्ली, मुलुगु, कोठागुडेम, खम्मम, महबुबाबाद, विकाराबाद, संगारेड्डी, मेडक और कामारेड्डी सहित जिलों में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की उम्मीद है। आईएमडी विकासशील मौसम प्रणालियों की बारीकी से निगरानी करना जारी रखता है।

आईएमडी ने आगे पूर्वानुमान लगाया है कि सोमवार और मंगलवार को बिजली और तेज़ हवाओं के साथ गरज के साथ बारिश जारी रहेगी। मौजूदा मानसून की स्थिति के कारण उत्तरी तेलंगाना और कई अन्य जिलों में लगातार बारिश की गतिविधि होने की संभावना है।

भारी बारिश की भविष्यवाणी के मद्देनजर आईएमडी ने प्रभावित जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है। निवासियों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम बुलेटिनों पर अपडेट रहें और ज़रूरी एहतियात बरतें, खास तौर पर निचले इलाकों और बाढ़ की आशंका वाले इलाकों में।

प्रिज्म पब विवाद में अभिनेत्री कल्पिका गणेश के खिलाफ मामला दर्ज

हैदराबाद, 12 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अभिनेत्री कल्पिका गणेश के खिलाफ पिछले महीने प्रिज्म पब में कथित तौर पर उपद्रव करने के आरोप में गाचीबोवली पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

अभिनेत्री अपने एक मित्र के साथ अपना जन्मदिन मनाने के लिए पब गई थीं, तभी पब के कर्मचारियों और अभिनेत्री के बीच किसी बात को लेकर बहस हो गई। सूचना मिलने पर गच्चीबावली पुलिस मौके पर पहुंची और पुलिस की मौजूदगी में अभिनेत्री ने पब के कर्मचारियों के साथ कथित तौर पर दुर्व्यवहार किया।

शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज करने के लिए न्यायालय से अनुमति मांगी थी। अनुमति मिलने के बाद पुलिस ने बीएनएस एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस अभिनेत्री को नोटिस जारी कर पूछताछ के लिए उनके समक्ष उपस्थित होने को कह सकती है।

तेलंगाना में बिजली गिरने से 5 महिलाओं समेत 6 किसानों की मौत

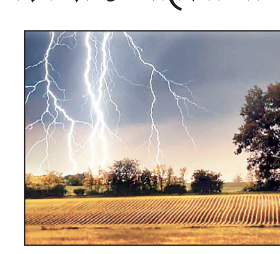

हैदराबाद, 12 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आदिलाबाद जिले में गुरुवार 12 जून को तीन अलग-अलग स्थानों पर बिजली गिरने से छह किसानों की मौत हो गई और चार घायल हो गए।

गुरुवार, 12 जून को दोपहर करीब 1.30 बजे गाडीगुडा मंडल के पिप्पिरी गांव में चार किसान अपने खेत में बीज बो रहे थे, तभी बारिश शुरू हो गई। किसान एक पेड़ के नीचे छिप गए, तभी पेड़ पर बिजली गिरी और उनकी मौत हो गई।गंडीगुडा पुलिस के अनुसार, तीन महिलाओं और एक पुरुष की मौके पर ही मौत हो गई, और मामले की जांच जारी है। हालांकि, मृतकों की पहचान अभी तक उजागर नहीं की गई है।

बेला, आदिलाबाद में हुई अन्य घटनाओं में गेदाम नंदिनी और सुनीता नामक दो महिला किसानों की मौके पर ही मौत हो गई, जब वे अपने खेत में काम कर रही थीं।

चार अन्य घायलों को इलाज के लिए आदिलाबाद स्थित राजीव आयुर्विज्ञान संस्थान (आरआईएमएस) में भर्ती कराया गया है।

हैदराबाद में स्कूल बस सुरक्षा अभियान

आरटीओ अधिकारियों ने उल्लंघन के लिए 60 बसों पर मामला दर्ज किया

हैदराबाद, 12 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना भर में स्कूलों के फिर से खुलने के साथ, रंगारेड्डी जिले के आरटीओ अधिकारियों ने छात्रों की सुरक्षा और वाहन अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए राजेंद्रनगर के अप्पा जंक्शन पर गुरुवार सुबह से ही स्कूल बसों का सख्त निरीक्षण शुरू कर दिया।

सड़क परिवहन कार्यालय (आरटीओ) की टीम ने वाहनों के फिटनेस प्रमाण-पत्रों की जांच करने तथा यह सत्यापित करने पर ध्यान केंद्रित किया कि क्या स्कूल बसों में छात्रों को असुविधा या जोखिम के बिना परिवहन के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हैं।

अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि प्रत्येक बच्चे के लिए अलग सीट होनी चाहिए तथा सभी बसों में सुरक्षा मानदंडों का पालन किया जाना चाहिए।निरीक्षण अभियान के दौरान, आरटीओ अधिकारियों ने विभिन्न उल्लंघनों के लिए लगभग 60 स्कूल बसों के खिलाफ मामले दर्ज किए , जिनमें दस्तावेजों की कमी, फिटनेस प्रमाणीकरण की कमी और सुरक्षा मानदंडों का पालन न करना शामिल था।

सुबह-सुबह ही निरीक्षण शुरू हो गया और बड़ी संख्या में स्कूल बसों को निशाना बनाया गया।

कई मामलों में चालान जारी किए गए और कुछ बसों को तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई के लिए चिह्नित किया गया।

आरटीओ अधिकारियों ने स्कूल प्रबंधन और बस चालकों के साथ भी चर्चा की और उन्हें यह सुनिश्चित करने की सलाह दी: प्रत्येक छात्र के लिए अलग सीट है, बसें बुनियादी सुरक्षा और आराम सुविधाओं से सुसज्जित हैं, वाहनों की नियमित रूप से सर्विसिंग और रखरखाव किया जाता है।प्राधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि दिशानिर्देशों का पालन नहीं किया गया तो निरीक्षण जारी रहेगा तथा कठोर दंड लगाया जाएगा।

जवाहर नगर के पास पानी से भरे गड्ढे में लापता बच्चे मृत मिले

हैदराबाद, 12 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मेडचल जिले के जवाहर नगर पुलिस स्टेशन क्षेत्र के अंतर्गत सीआरपीएफ अरुंधति नगर में एक हृदय विदारक घटना सामने आई, जहां खेलते समय दो छोटे लड़के डूब गए।पीड़ितों की पहचान दुर्गा प्रसाद (11) और सुब्रह्मण्यम (8) के रूप में हुई है, जो अरुंधति नगर के निवासी थे। शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, दोनों बच्चे पानी से भरे एक खाली खदान के पास खेलने गए थे और गलती से उसमें फिसल गए।बच्चे कल दोपहर से लापता थे। उन्हें खोजने में विफल रहने पर उनके माता-पिता ने जवाहर नगर पुलिस थाने में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई।गुरुवार शाम को पुलिस को सूचना मिली कि अरुंधति नगर के बोंडा बावी इलाके के पास दो शव पड़े हैं।

पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और मृतकों को बरामद किया।पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए गांधी अस्पताल भेज दिया है। घटना की आगे की जांच जारी है।अधिकारियों ने स्थानीय निवासियों से आग्रह किया है कि वे भविष्य में ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं को रोकने के लिए बच्चों को परित्यक्त गड्ढों और असुरक्षित जल निकायों से दूर रखें।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.